नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009
वर्ष : 14
अंक : 51
सोमवार, 20 से 26 जनवरी 2025
मूल्य : 5 रू प्रति
रू 250 वार्षिक

उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस 03
ट्रंप सरकार का बड़ा पैसा, समानता और समावेशी स्टाफ.... 08

NCR समाचार

भारत ने दूसरे टी-20 मैच में इंग्लैंड को हराया 10
नये संकल्पों एवं नये प्रयोगों से समृद्ध होता गणतंत्र 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in BY C.R.O. TEAM twitter-@ncrsamacharlive
भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

धूम के अली से कनेक्ट करती हैं अनन्या पांडे... 12

एक नजर

तेलंगाना में ऑटोरिक्शा पर लोहे के खंभे गिरने से चार की मौत

वारंगल (तेलंगाना)। तेलंगाना के वारंगल-खम्मम राष्ट्रीय राजमार्ग पर ममनुरु 4वीं बटालियन के पास रविवार को एक लॉरी पर लदे लोहे के खंभे दो ऑटोरिक्शा पर गिर गये जिससे चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि लोहे के खंभों को सुरक्षित रखने वाले तार टूट जाने के कारण यह हादसा हुआ। दुर्घटना के समय ऑटोरिक्शा में सात यात्री सवार थे। मृतकों की पहचान मध्य प्रदेश के भोपाल जिले के ललित नगर के निवासियों के रूप में हुई है। घायलों को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। इस बीच तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और इस दुखद दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टर और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को घायलों के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने और भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए।

कांग्रेस का महाराष्ट्र में मतदाताओं की संख्या में वृद्धि पर चुनाव आयोग से सवाल

मुंबई। कांग्रेस ने महाराष्ट्र में मतदाताओं की संख्या राज्य की वयस्क आबादी के आंकड़े से अधिक होने को लेकर चुनाव आयोग से सवाल किया है। ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस (एआईपीएफ) के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव आयोग के अनुसार लोकसभा 2019 और 2024 के चुनावों के बीच पांच वर्षों में राज्य के मतदाताओं की संख्या में 32 लाख की वृद्धि हुई है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि अगर ऐसा है, तो राज्य में मतदाताओं की संख्या 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच सिर्फ छह महीनों में 48 लाख कैसे बढ़ गयी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के अनुसार राज्य में मतदाताओं की संख्या 9.70 करोड़ है, लेकिन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से घोषित आंकड़ों में 18 वर्ष से अधिक आयु के वयस्क लोगों की संख्या 9.54 करोड़ है, जो 16 लाख कम है। इसके विपरीत पिछले वर्ष मात्र छह महीनों में मतदाताओं की संख्या में 48 लाख की वृद्धि हुई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि इसके अलावा अन्य अनियमितताओं के मद्देनजर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के सहयोगी कांग्रेस-शिवसेना (यूबीटी)-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के लगभग 100 हारे हुए उम्मीदवारों ने अदालत में चुनाव याचिका दायर की है। उन्होंने मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का उल्लेख किया, जैसे कि लोनी गांव (शिरडी निर्वाचन क्षेत्र) में जहां एक ही पते पर 5,000 लोगों का पंजीकरण किया गया था और चुनाव आयोग से शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गयी। उन्होंने कहा कि इसी तरह लोकसभा चुनावों के बाद 132 विधानसभा क्षेत्रों में करीब 20-26 हजार नये मतदाताओं को शामिल किया गया, जिससे भारतीय जनता पार्टी-शिवसेना-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के महायुति गठबंधन को काफी फायदा हुआ। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में महायुति इन 132 विधानसभा क्षेत्रों में से 62 पर आगे चल रही थी, लेकिन विधानसभा चुनावों में उन्होंने 112 सीटें जीतीं, जिससे मतदाता सूचियों में अचानक और बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी के बारे में संदेह पैदा हुआ, तथा इसके कारण एमवीए की हार हुई।

कर्तव्य पथ पर बिखरीं 'स्वर्णिम भारत: विरासत-विकास' की छटा

- कुल 26 झाकियां निकाली गयी, जिनमें 16 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों और 10 केंद्र सरकार के मंत्रालय/विभागों की झांकियां शामिल थीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के गणतंत्र दिवस के मौके पर कर्तव्य पथ पर देश की विविध शक्तियों और इसके निरंतर विकसित होते सांस्कृतिक समावेश दशार्ती कुल 26 झाकियां निकाली गयी, जिनमें 16 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों और 10 केंद्र सरकार के मंत्रालय/विभागों की झांकियां शामिल थीं।

कर्तव्य पथ से निकलने वाली इन सभी झांकियों में 'स्वर्णिम भारतः विरासत और विकास' को दशार्या गया। झांकियों में भारत की विविध शक्तियों और इसके निरंतर विकसित होते सांस्कृतिक समावेश के शानदार भविष्य को प्रदर्शित किया गया। राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की भाग लेने वाली झांकियों में पहली झांकी गोवा की रही, जिसमें गोवा की सांस्कृतिक विरासत को दशार्या गया। वहीं उत्तराखंड की झांकी में सांस्कृतिक विरासत और साहसिक खेल को प्रदर्शित किया गया।

हरियाणा की झांकी में भगवत गीता का प्रदर्शन किया गया। झारखंड की झांकी स्वर्णिम झारखंडः विरासत और प्रगति की एक विरासत, गुजरात की झांकी स्वर्णिम भारतः विरासत और विकास रही। वहीं आंध्र प्रदेश की झांकी में एटिकोप्पका बोम्मलु-पर्यावरण-अनुकूल लकड़ी के खिलौनों को दिखाया गया। पंजाब की झांकी पंजाब ज्ञान और बुद्धिमत्ता की भूमि है पर आधारित रही। उत्तर प्रदेश की झांकी महाकुंभ 2025 - स्वर्णिम भारत विरासत और विकास पर आधारित रही। बिहार की झांकी में स्वर्णिम भारतः विरासत और विकास (नालंदा विश्वविद्यालय) को दिखाया गया। मध्य प्रदेश की झांकी मध्य प्रदेश की शानः कुनो राष्ट्रीय उद्यान- चीतों की भूमि पर रही। वहीं, त्रिपुरा की झांकी में अनन्त श्रद्धाः त्रिपुरा में 14 देवताओं की पूजा - खर्ची पूजा को दिखाया गया। कर्नाटक की झांकी ने लक्कुंडीः पत्थर शिल्प का उद्गम स्थल को दिखाया गया । वहीं, पश्चिम बंगाल की झांकी पश्चिम बंगाल की 'लक्ष्मी भंडार' और 'लोक प्रसार प्रकल्प' - बंगाल में जीवन को सशक्त बनाना और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने को दशार्या।

चंडीगढ़ की झांकी 'चंडीगढ़ः विरासत, नवाचार और स्थिरता का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण' विषय पर रही। वहीं दिल्ली की झांकी में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को दशार्या गया और दादरा नगर हवेली और दमन-दीव की झांकी कुकरी स्मारक के साथ दमन एवियरी बर्ड पार्क- भारतीय नौसेना के वीर नाविकों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हुयीं निकली।

इसके बाद मंत्रालयों/विभागों की झांकियां कर्तव्य पथ पर निकलीं जिनमें सबसे पहले सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की झांकी निकली, जो भारत का संविधान, हमारी विरासत, विकास और पथ-प्रदर्शक की आधारशिला विषय पर आधारित थी।

वहीं, जनजातीय मामलों का मंत्रालय की झांकी जनजातीय गौरव वर्ष को प्रदर्शित किया गया। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की झांकी में मंत्रालय की व्यापक योजनाओं के तहत पोषित महिलाओं और बच्चों की बहुमुखी यात्रा को दिखाया गया। वहीं, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की झांकी स्वर्णिम भारतः विरासत और विकास पर आधारित रही। ग्रामीण विकास मंत्रालय की झांकी में लखपति दीदी को दिखाया गया।

इसी तरह से वित्तीय सेवा विभाग की झांकी वित्तीय विकास में भारत की उल्लेखनीय यात्रा को प्रदर्शित किया। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की झांकी आधुनिक विज्ञान चरम मौसम की भविष्यवाणी- जीवन और आजीविका की रक्षा विषय पर आधारित रही। पशुपालन और डेयरी विभाग की झांकी में स्वर्णिम भारत विरासत और विकास भारत की देशी गोजातीय नस्लों को सतत ग्रामीण विकास के प्रतीक के रूप में सम्मानित करने को दिखाया गया। संस्कृति मंत्रालय की झांकी ने स्वर्णिम भारतः विरासत और विकास की गथा को दिखाया। वहीं केंद्रीय लोक निर्माण विभाग की झांकी में फूलों की झांकी के माध्यम से भारत के संविधान के 75 वर्ष को प्रदर्शित किया गया ।

इस वर्ष गणतंत्र दिवस पर 'जयति जय ममः भारतम' शीर्षक के तहत 5,000 कलाकार 11 मिनट के सांस्कृतिक प्रस्तुति दी, जिसमें देश के विभिन्न भागों से 45 से अधिक नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुति पहली बार, प्रदर्शन पूरे कर्तव्य पथ - विजय चौक से लेकर सी हेक्सागन तक - को कवर किया । इसके मकसद यह था कि यहां आने वाले सभी मेहमान इसका आनंद उठा सकें। गौरतलब है कि पहले कलाकार चलकर कर्तव्य पथ पर आते थे और राष्ट्रपति के मंच के सामने प्रस्तुति देते थे।

इसके बाद कोर ऑफ सिग्नल्स मोटरसाइकिल राइडर डिस्प्ले टीम (जिसे 'द डेयर डेविल्स' के नाम से जाना जाता है) ने सांस थमने वाले स्टंट किया। टीम बुलेट सैल्यूट, टैंक टॉप, डबल जिमी, डेविल्स डाउन, लैडर सैल्यूट, शत्रुजीत, श्रद्धांजलि, मर्करी पीक, इन्फो वॉरियर्स, लोटस और ह्यूमन पिरामिड सहित कई संरचनाओं के माध्यम से अपनी बहादुरी और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया।

भारत को कोयले की जरुरत कोल इंडिया पूरी करती रहेगी: प्रसाद

कोलकाता, एजेंसी। कोल इंडिया के अध्यक्ष पी एम प्रसाद ने रविवार को देश के लिए ऊर्जा स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता पर जोर दिया और कहा कि भारत को जब तक कोयले की जरुरत रहेगी कंपनी इसकी पूर्ति करती रहेगी।

यहां 76वें गणतंत्र दिवस समारोह को संबोधित करते हुए श्री प्रसाद ने देश की बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए कोयला उत्पादन बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया, साथ ही कोयले के आयात पर निर्भरता कम करने पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा कि इस साल भारत एक अरब टन कोयला उत्पादन को पार करने की ओर अग्रसर है, जिसमें कोल इंडिया इस मील के पत्थर में लगभग 70 प्रतिशत का योगदान देगा।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पूर्ण मात्रा में कोल इंडिया का योगदान महत्वपूर्ण बना हुआ है और कहा, हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट है- जब तक भारत को कोयले की जरूरत है, कोल इंडिया देश की जरूरतों को पूरा करना जारी रखेगा और निर्धारित उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करेगा।

कोल इंडिया अध्यक्ष ने इस अवसर पर 'कोयला दर्पण' के 17वें संस्करण का भी अनावरण किया। इस अवसर पर निदेशक (व्यवसाय विकास), देबाशीष नंदा, निदेशक (विपणन), मुकेश चौधरी, निदेशक (वित्त), मुकेश अग्रवाल, निदेशक (तकनीकी), अच्युत घटक और मुख्य सतर्कता अधिकारी, ब्रजेश कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे।

संगम विहार में बड़ी वारदात, एक युवक की गोली मारकर हत्या

नमिता चौहान

दक्षिणी दिल्ली। संगम विहार में अपराध का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। आए दिन कोई न कोई वारदात की खबर सामने आ ही जाती है। बीते गुरूवार को भी ऐसा ही कुछ हुआ।

संगम विहार के आई ब्लॉक गली नंबर 2 में शाम करीब 7 बजे अचानक से गोली चलने की आवाज आई और जब लोगों ने वहां पहुंचकर देखा तो एक युवक खून से लथपथ पड़ा हुआ मिला। पड़ोसियों ने परिवार को खबर की और उसे फौरन पास के बत्रा अस्पताल लेकर गए, लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही युवक की मृत्यु हो गई, जिसका नाम सागर मण्डल, उम्र करीब 25 वर्ष बताया जा रहा है।

हैरानी की बात यह है कि, जिस जगह गोलीबारी हुई और सागर को मारा गया वो पूरा एक बाजार है, लेकिन किसी ने भी यह घटना होते हुए नहीं देखी या फिर अपनी जान की डर से कोई भी इस बारे में कुछ बताना नहीं चाहता।

इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन को सूचना दी गई। मौके वारदात पर संगम विहार थाना अधिकारी अपने टीम के साथ पहुंचे और करवाई शुरू की। परिवार का आरोप है कि, पुलिस प्रशासन ने उन्हें अभी तक कोई आश्वासन नहीं दिया है और न ही इस घटना की कार्रवाई आगे बढ़ी है।

मृतक के परिवार में माता-पिता के अलावा छोटी बहन है। बेटे के जाने के गम में मां की स्थिति काफी नाजुक बताई जा रही है। वहीं पिता और अन्य परिजन प्रशासन से न्याय की उम्मीद लगाए बैठे है और आरोपियों के लिए फांसी की सजा की मांग कर रहे है।

तानाशाही सरकार से संविधान की रक्षा सबकी जिम्मेदारी : खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गणतंत्र दिवस पर रविवार को देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि सरकार तानाशाही तरीके से काम कर सबके सम्मान को चोट पहुंचा रही है और लोगों के संवैधानिक अधिकारों पर लगातार हमला किया जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने 76वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्र के नाम संदेश में कहा कि मोदी सरकार अहंकार से चूर है और संस्थाओं की स्वायत्तता छीन रही है, संघीय ढांचे पर हमला कर विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है। धार्मिक कट्टा को बढ़ावा देकर कमजोर वर्ग के लोगों के खिलाफ अत्याचार ही रहे हैं। सत्ताधारी दल राष्ट्रवाद और श्रेष्ठ का ध्वजवाहक बनकर देश की विविधता और युवाओं के साथ खिलवाड़ कर रहा है और सरकार आर्थिक मोर्चे पर पूरी तरह से विफल साबित हो गई है।

श्री खरगे ने कहा, मैं कांग्रेस की ओर से आप सबको गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। आज भारतीय गणतंत्र की आत्मा और इसकी अंतरात्मा के रक्षक, भारत के संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे हुए। हम महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, डॉ बी आर अंबेडकर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, मौलाना आजाद, सरोजिनी नायडू और उन अन्य महापुरुषों के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ जिन्होंने इस महान गणतंत्र को बनाने में अथक योगदान दिया। हम संविधान सभा के प्रत्येक सदस्य के प्रति श्रद्धा से नतमस्तक हैं, जिन्होंने अपनी बुद्धिमता और दूरदर्शिता से एक ऐसा दस्तावेज बनाया, जो विविधता से परिपूर्ण है तथा देश के सभी लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है।

उन्होंने कहा, हम अपने सैन्य बलों, अर्धसैनिक बलों और सुरक्षा प्रतिष्ठान के प्रत्येक सैनिक को सलाम करते हैं जिन्होंने इस राष्ट्र की अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने में अनुकरणीय बलिदान दिया है। हम अपने वैज्ञानिकों और शिक्षकों के भी आभारी हैं जिनका राष्ट्र निर्माण में अद्वितीय योगदान है और जिनकी दूरदृष्टि ने यह सुनिश्चित किया है कि हमारा राष्ट्र आज ज्ञान और तकनीक में महाशक्ति है। हम अपने अन्नदाता-हमारे मेहनती किसानों के भी ऋणी हैं जो हमारे लिए भोजन पैदा करते हैं। हम करोड़ों दिहाड़ी मजदूरों, श्रमिकों, कामगारों, गिग वर्कर्स के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, क्योंकि वे ही वो हाथ हैं जो ईंट से ईंट जोड़कर भारत का निर्माण कर रहे हैं। हम उन सभी कलाकारों, लेखकों और खिलाड़ियों को भी धन्यवाद देना चाहते हैं जिन्होंने हमारे देश की जीवंत सांस्कृतिक विविधता की रक्षा और निर्माण में योगदान दिया है। श्री खरगे ने कहा, जश्न के इस मौके पर, इस बात पर गौर करने की जरूरत है कि देश में किस तरह से हमारे संविधान पर लगातार हमले हो रहे हैं। आज के सत्ताधारी दल ने दशकों से सावधानीपूर्वक बनाए गए हमारे संस्थानों की स्वायत्तता का लगातार हनन किया है। स्वायत्त संस्थाओं में राजनीतिक हस्तक्षेप को सामान्य बना दिया गया है।

उनकी स्वतंत्रता पर नियंत्रण करना सत्ता के गुण के रूप में देखा जा रहा है। गणतंत्र के संघीय ढाँचे को रोजाना कुचला जा रहा है और विपक्ष शासित राज्यों के अधिकारों में कटौती की जा रही है। सरकार की अहंकारी एवं अत्याचारी प्रवृत्ति के कारण संसद के कामकाज और उत्पादकता में जबरदस्त गिरावट देखी जा रही है। विश्वविद्यालयों और स्वशासी संस्थानों में लगातार घुसपैठ हो रही है। मीडिया का एक बड़ा हिस्सा सत्तारूढ़ पार्टी के प्रचार के साधन के रूप में बदल गया है। विपक्षी नेताओं को निशाना बनाकर असहमति का गला घोंटना, सत्ता में बैठे लोगों की एकमात्र नीति बन गई है।

दिल्ली का चुनाव जीतने के लिए भाजपा फैला रही नफरत का जहर: कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के लिए सांप्रदायिकता का जहर फैलाने की कोशिश कर रही है और नफरत का विष फैलाकर चुनावी जीत हासिल करने की जुगत में लगी है।

कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जब देश गणतंत्र दिवस मना रहा है तो भाजपा चुनावी जीत के लिए देश में नफरत फैलाने का काम कर रही है। भाजपा दिल्ली चुनाव में नफरत फैलाने पर उतारू है और समुदायों को बांटकर वोट पाने की राजनीति कर रही है इसलिए चुनाव आयोग को फिल्म का संज्ञान लेना चाहिए।

एनसीआर समचार,
साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में
आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

देशभर में कोचिंग सेंटर फिटजी की ब्रांचें बंद, अभिभावकों ने किया हंगामा... फीस वापसी की मांग

नई दिल्ली । पिछले कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई जगहों पर कोचिंग सेंटर फिटजी की कई ब्रांच बंद हुई हैं। ब्रांच के अचानक बंद होने से सैकड़ों अभिभावकों में गुस्सा है, जिन्होंने फीस वापसी की मांग को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कोचिंग सेंटर की कई शाखा बंद हो गई हैं। उन्होंने कहा कि इसके पीछे का कारण ये है कि संस्थान वित्तीय संकट और लाइसेंसिंग और अग्नि सुरक्षा नियमों के उल्लंघन में फंसी है। उस पर प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। बता दें कि फिटजी के नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ और भोपाल जैसे शहरों में ब्रांच बंद हुए हैं, जहां के अभिभावकों ने कई पुलिस शिकायतें दर्ज कराई हैं। वहीं, आईआईटी-दिल्ली के पास कालू सराय में कोचिंग संस्थान के नामी दक्षिण दिल्ली शाखा को टीचर्स के पलायन के कारण कुछ कक्षाएं निलंबित करने पर मजबूर होना पड़ा है। इन टीचर्स को कथित तौर पर कई महीनों से वेतन नहीं मिला था। वहीं फिटजी के एक शिक्षक ने बताया कि अधिकांश संकाय सदस्य इसलिए छोड़ रहे हैं क्योंकि उन्हें कई महीनों से वेतन नहीं मिला है। गाजियाबाद के जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मेंद्र शर्मा ने हाल ही में अपंजीकृत संस्थानों के खिलाफ उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियमन अधिनियम 2002 के तहत शुरू किए नए अभियान का जिक्र किया था। जबकि सोशल मीडिया पर संस्थान की अब बंद हो चुकी शाखाओं और पुलिस थानों के बाहर अभिभावकों के विरोध प्रदर्शन के वीडियो की बाढ़ आ गई है। कंपनी के शीर्ष प्रबंधन और अवैतनिक संकाय सदस्यों द्वारा जारी किए गए कई वीडियो भी सामने आए हैं। ऐसा लगता है कि यह संकट 22, 23 और 24 जनवरी को जेईई मेंस के सत्र-1 में बैठने वाले छात्रों के लिए शैक्षणिक सत्र की समाप्ति के ठीक बाद शुरू हुआ है।

ओडिशा में जनवरी में मार्च जैसी गर्मी का एहसास, तापमान 52 साल के शीर्ष 33.2 डिग्री पर पहुंचा

भुवनेश्वर । ओडिशा को जनवरी के महीने में ही भयानक गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। कोरापुट में तापमान 52 साल के शीर्ष 33.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिक इसकी वजह एंटी-साइक्लोनिक सिस्टम को मना रहे हैं। साथ ही आगे तापमान में और ज्यादा इजाफा होने की भविष्यवाणी की है। ओडिशा इस जनवरी में असामान्य रूप से उच्च तापमान से जूझ रहा है, जिसमें सबसे प्रमुख कोरापुट जिला है। जहां पारा 33.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिक उमाशंकर दास के अनुसार यह पिछले 52 वर्षों में दर्ज किया गया सबसे अधिक जनवरी का तापमान है। जानकारों के अनुसार ओडिशा में आमतौर पर मार्च से पहले ठंड का अनुभव होता है परंतु इस साल लोगों ने मार्च से बहुत पहले पंखों का उपयोग करना शुरू कर दिया है। ओडिशा और बंगाल की खाड़ी के तटीय क्षेत्र वर्तमान में एक एंटी-साइक्लोनिक सिस्टम से प्रभावित हैं, जो क्षेत्र में नम हवाएं ला रहा है। इसकारण तापमान बढ़ रहा है। आने वाली गर्म दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के कारण ये जलवायु परिस्थितियां और बिगड़ जाती हैं, जो प्रचलित गर्मी में और योगदान देती हैं। मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि अगले तीन दिनों में तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की और वृद्धि होगी, जो ओडिशा के निवासियों के लिए और अधिक परेशानी का संकेत है।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार बरामद

इंफाल । मणिपुर के थौबल और इंफाल पश्चिम जिलों में अलग-अलग अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों के 3 सदस्यों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि थौबल के उनिंगखोंग से प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। सक्रिय सदस्यों के पास से पिस्तौल, गोला-बारूद, नकदी और अन्य सामान बरामद किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक अन्य अभियान में इंफाल पश्चिम के लांगोल टाइप-थ्री से प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लूप (केवाईकेएल) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

सांसद औवेसी का आरोप, 'मोदी और केजरीवाल भाई जैसे, एक सिक्के के दो पहलू

नई दिल्ली । एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि आम आदमी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच ज्यादा अंतर नहीं है और वे एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। ओखला निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी शिफा-उर-रहमान के लिए प्रचार करते हुए उन्होंने कहा, ''मोदी और केजरीवाल भाई जैसे हैं, एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों आरएसएस की विचारधारा से निकले हैं, एक संघ की शाखा से और दूसरा इसकी संस्थाओं से। ओवैसी ने शाहीन बाग में पैदल मार्च भी किया और जनता से पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के चुनाव चिह्न पतंग का बटन दबाने का आग्रह किया।

गणतंत्र दिवस के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

कुलगाम। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के मद्देनजर जम्मू और कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, जिसके चलते संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों को तैनात किया है। कुलगाम में सुरक्षा बलों द्वारा व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जिसके चलते वाहनों और लोगों की जांच की जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। यह सुरक्षा इसलिए बढ़ाई गई है ताकि गणतंत्र दिवस के मौके पर कोई अप्रिय घटना न हो सके। इन उपायों का उद्देश्य इलाके में शांति बनाए रखना और गणतंत्र दिवस के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है। स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की जा रही है कि वे सुरक्षा बलों की तैयारियों में उनका साथ दें ताकि सभी सुरक्षित रहें।

मिल्कीपुर से योगी ने दिया नया नारा, ...ना जातिवाद, ना परिवारवाद, इस बार सिर्फ मोहर लगेगी राष्ट्रवाद

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के मिल्कीपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव पर सभी की निगाहें टिकी हैं। बीजेपी और समाजवादी पार्टी ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। शुक्रवार को बीजेपी के प्रत्याशी चंद्रभान पासवान के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिल्कीपुर में बड़ी जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री योगी ने समाजवादी पार्टी और उनके प्रत्याशी पर निशाना साधकर एक नया नारा दिया...ना जातिवाद, ना परिवारवाद, इस बार सिर्फ मोहर लगेगी राष्ट्रवाद।

वहीं, दूसरी ओर नाबालिग बच्ची से रेप के आरोपी सपा नेता मोईद खान के मुद्दे पर भी सीएम योगी ने सपा को जमकर घेराबंदी की। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार के समय जितना बड़ा माफिया होता था, उस उतना बड़ा ओहदा मिल जाता था। यही सपा सरकार की पहचान थी। सीएम की इस रैली के बाद बीजेपी के कार्यकर्ता से लेकर बड़े पदाधिकारी तक उत्साहित हैं। उन्होंने मिल्कीपुर उपचुनाव में जीत का दावा किया है।

बता दें कि सीएम योगी ने रैली से मिल्कीपुर में जातिगत समीकरण को जहां साधने की कोशिश की, वहीं दूसरी ओर पार्टी के स्थानीय नेताओं के विरोध को भी खत्म किया। मंच पर जहां एक तरफ मिल्कीपुर से पूर्व विधायक और इस बार टिकट के प्रबल दावेदार बाबा गोरखनाथ नजर आए। वहीं दूसरी ओर ब्राह्मण वोट बैंक का चेहरा कहे जाने वाले पूर्व विधायक खब्बू तिवारी भी दिखाई दिए। ब्राह्मणों की नाराजगी पर बीजेपी के पूर्व विधायक तिवारी ने कहा कि कोई नाराजगी नहीं है। बीजेपी सिर्फ विकास की राजनीति करती है। योगी जी की रैली के बाद मिल्कीपुर बीजेपी की जीत निश्चित है।

सीएम योगी ने कहा कि एक ओर महाकुंभ में करोड़ों लोग स्नान कर रहे हैं वहीं, दूसरी आई सपाई महाकुंभ के बारे में दुष्प्रचार कर जनता की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ये वहीं सपा है जिसने अपनी सरकार में सरयू के जल को रामभक्तों के खून से लाल कर दिया था। ये परिवारवादी लोग जातिवाद के नाम पर समाज को तोड़ने का काम करते हैं। बीजेपी में परिवारवाद नहीं विकासवाद और राष्ट्रवाद है। इस बीच यूपी सरकार के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि शुकवार की यह रैली मिल्कीपुर की जीत को सुनिश्चित करती है। आज की उमड़ी इस जनसभा ने तय कर दिया इस कैसे इस बार जीत का बड़ा मार्जिन होने जा रहा है। जनता 2024 में जो भूल कर चुकी है वह दोहराने वाली नहीं है।

उत्तरकाशी में 40 मिनट के भीतर तीन भूकंप के झटके, लोगों में दहशत

उत्तरकाशी । उत्तराखंड की देवभूमि उत्तरकाशी में शुक्रवार सुबह धरती तीन बार हिली, जिससे पहाड़ों में खौफ का माहौल बन गया। नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी के अनुसार, 40 मिनट के भीतर तीन भूकंप के झटके महसूस किए गए। पहले झटके का समय सुबह 7 बजकर 42 मिनट था, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.7 मापी गई। इसके बाद सुबह 8 बजकर 19 मिनट पर दो और झटके आए, जिनकी तीव्रता 3.5 थी। भूकंप का केंद्र उत्तरकाशी के भटवाड़ी प्रखंड में बताया जा रहा है। यह झटके जमीन के 5 किलोमीटर अंदर थे, जिससे उत्तरकाशी और आसपास के इलाकों में तेज कंपन महसूस हुआ। हालाँकि, भूकंप के कारण किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप के बाद लोग दहशत के कारण घरों से बाहर निकल आए और काफी देर तक खुले में बैठे रहे। वरुणावत पर्वत के भूस्खलन जोन से मलबा और पत्थर गिरने की भी खबर है। आपदा प्रबंधन विभाग और स्थानीय प्रशासन ने सभी तहसीलों से जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। उत्तरकाशी भूकंप के लिहाज से अतिसंवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। यह इलाका भूकंप जोन ढ्ढङ्क और ङ्क में आता है, जहां भूकंप की संभावना अधिक रहती है। आपदा कंट्रोल रूम को पूरी तरह अलर्ट मोड पर रखा गया है, और क्षेत्र में लगातार नजर रखी जा रही है। आपदा प्रबंधन विभाग ने क्षेत्र के लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। अधिकारियों ने बताया कि किसी अप्रिय स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें। विशेषज्ञों ने भी लोगों को भूकंप के बाद झटकों (आफ्टरशॉक्स) को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है।

महाराष्ट्र को मिलेगा तीसरा उपमुख्यमंत्री, संजय राउत के बयान से सियासी हलचल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मचाते हुए शिवसेना (उद्धव बाला साहब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने बड़ा दावा किया है कि राज्य में जल्द ही तीसरा उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया जाएगा। उनके अनुसार, यह नया डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना का कोई नेता होगा। संजय राउत ने कहा, महाराष्ट्र में अब दो नहीं, बल्कि तीन उपमुख्यमंत्री होंगे। नया डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना से चुना जाएगा। इस बयान के बाद राज्य की राजनीति में अटकलों का दौर शुरू हो गया है।

संजय राउत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एकनाथ शिंदे गुट पर निशाना साधते हुए कहा कि ईडी और सीबीआई के डर से नेता भाजपा के साथ खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा, यह सरकार दबाव और डर की राजनीति के जरिए चल रही है, लेकिन इसका सच जल्द सामने आएगा।

- तीसरे डिप्टी सीएम को लेकर अटकलें तेज

महाराष्ट्र में फिलहाल एकनाथ शिंदे और अजित पवार उपमुख्यमंत्री पद पर हैं। तीसरे उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति के दावे ने राजनीति में नए समीकरण बनने की संभावनाओं को हवा दे दी है। शिवसेना के शिंदे गुट से किस नेता को यह पद मिलेगा, इसे लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। शिवसेना के उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुटों के बीच खींचतान जारी है। राउत के इस बयान को राजनीतिक दबाव और शिंदे गुट की स्थिति को लेकर भाजपा की रणनीति से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

संजय राउत के इस दावे ने महाराष्ट्र की राजनीतिक फिजा में हलचल मचा दी है। विपक्ष और सत्ताधारी गठबंधन के बीच बयानबाजी तेज होने की संभावना है। अब सबकी नजरें इस बात पर हैं कि राज्य सरकार और भाजपा इस दावे पर क्या प्रतिक्रिया देती हैं।

लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किसी भी धर्म का हिस्सा नहीं, शोर स्वास्थ्य के लिए खतरा

-बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा-नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ करें कार्रवाई

-एनटीए और सरकार ने अब तक आरोपियों को पहचानने के लिए क्या कदम उठाए

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को लेकर कहा कि लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। साथ ही, कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे ध्वनि प्रदूषण के मानदंडों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें। जस्टिस एएस गडकरी और जस्टिस एससी चांडक की पीठ ने कहा कि शोर-शराबा स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है। कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि अगर उसे लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी गई तो उसके अधिकार किसी भी तरह प्रभावित होंगे।

होईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को निर्देश दिया कि वह धार्मिक संस्थाओं को ध्वनि स्तर को नियंत्रित करने के लिए तंत्र अपनाने का निर्देश दें, जिसमें डेसिबल सीमा तय करने की ध्वनि प्रणालियां भी शामिल हों। होईकोर्ट ने यह फैसला कुर्ला उपनगर के 2 आवास संघों की ओर से दायर याचिका पर दिया। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि क्षेत्र की मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकर से होने वाले ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि धार्मिक उद्देश्यों के लिए लाउडस्पीकर का इस्तेमाला शांति को भंग करता है। ध्वनि प्रदूषण नियम 2000 के साथ पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के प्रावधानों का उल्लंघन है। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि मुंबई एक महानगर है और जाहिर है कि शहर के हर हिस्से में कई धर्मों के लोग रहते हैं। होईकोर्ट ने कहा कि यह जनहित में है कि ऐसी इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। ऐसी अनुमति देने से इनकार करने पर अधिकारों का उल्लंघन नहीं होता है। लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है।

होईकोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार और अन्य प्राधिकारियों का यह कर्तव्य है कि वह कानून के प्रावधानों के तहत निर्धारित सभी आवश्यक उपाय अपनाकर कानून को लागू करें। कोर्ट ने कहा कि एक लोकतांत्रिक राज्य में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती कि कोई व्यक्ति/समूह/संगठन कहे कि वह देश के कानून का पालन नहीं करेगा और कानून लागू करने वाले अधिकारी मूकदर्शक बने रहेंगे। कोर्ट ने कहा कि पुलिस को ध्वनि प्रदूषण नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि ऐसे शिकायतकर्ताओं को निशाना बनाए जाने, दुर्भावना और घृणा से बचाया जा सके।

हाईकोर्ट ने मुंबई पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया कि वे सभी थानों को निर्देश जारी करें कि धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर के खिलाफ कोई भी शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई हो। पीठ ने कहा कि हम इस तथ्य का न्यायिक संज्ञान लेते हैं कि आम तौर पर लोग तब तक किसी चीज के बारे में शिकायत नहीं करते जब तक कि वह असहनीय और परेशानी का कारण न बन जाए। कोर्ट ने आवासीय क्षेत्रों में परिवेशी ध्वनि का स्तर दिन में 55 डेसिबल और रात में 45 डेसिबल से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

महाकुंभ में लगी आग की खालिस्तान समर्थक आतंकी संगठन केजेडएफ ने ली जिम्मेदारी, कहा-यह सिर्फ एक चेतावनी थी

प्रयागराज । यूपी के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में बीते 19 जनवरी को लगी आग की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) ने ली है। जिसके बाद अब यूपी एटीएस और एनआईए अलर्ट हो गई है। अब ये एजेंसियां अग्निकांड में आतंकी कनेक्शन तलाश रही हैं। आतंकवादी संगठन केजेडएफ ने ईमेल के जरिए बताया कि यह हादसा पीलीभीत में हुए एनकाउंटर का बदला था। इसके साथ ही, ईमेल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी जिक्र किया गया है। विदित हो कि प्रयागराज महाकुंभ में 19 जनवरी शाम करीब 4 बजे सेक्टर 19 में आग लग गई थी। इस हादसे में 40 कुटिया और छह टेंट जल गए थे। महाकुंभ प्रशासन के मुताबिक गीता प्रेस की रसोई में छोटे सिलेंडर से चाय बनाने के दौरान गैस लीक होने के कारण आग लगी। खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स ने कनाडा और पंजाब के पत्रकारों को ई-मेल भेजा है। इसमें लिखा है, ꖦखालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स कुंभ मेले के दौरान हुए दोहरे विस्फोट की जिम्मेदारी लेता है। इस कृत्य का मुख्य उद्देश्य किसी को चोट पहुंचाना नहीं था। यह सिर्फ सीएम योगी के लिए एक चेतावनी थी कि हम आपके बहुत करीब हैं। यह ब्लास्ट पीलीभीत फर्जी मुठभेड़ में मारे गए तीन भाइयों की हत्या का बदला लेने के लिए किया है। यह तो बस शुरुआत है।ꖦ यह मेल फतेह सिंह नाम के युवक ने भेजा है।

अनंत सिंह और सोनू-मोनू गिरोह विवाद पर बिहार सरकार के मंत्री और विपक्ष आमने-सामने

पटना (एजेंसी)। मोकामा के पंचमहला थानांतर्गत नौरंगा जलालपुर गांव में पूर्व विधायक अनंत सिंह और सोनू-मोनू गिरोह के बीच 22 जनवरी को हुई फायरिंग मामले में अनंत सिंह ने सरेंडर किया है। पूर्व विधायक ने बाढ़ अनुमंडल न्यायालय में सरेंडर किया, जिसकी जानकारी लगते ही भारी संख्या में पुलिस बल पहुंच गया। इसके पहले शुक्रवार सुबह मामले में सोनू-मोनू गैंग के सोनू और अनंत सिंह के एक समर्थक की गिरफ्तारी हुई थी। अनंत सिंह के सरेंडर के बाद अब मामले में डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, सम्राट चौधरी सहित कई अन्य नेताओं की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। वहीं, बाढ़ कोर्ट में सरेंडर करने के बाद पूर्व विधायक सिंह ने कहा कि वे कानून का पालन कर रहे हैं।

इस मामले पर डिप्टी सीएम सिन्हा ने कहा कि छोटी-मोटी घटनाओं पर सरकार की निगाहें बनी हुई हैं। क्राइम करने वाला बचेगा नहीं। ईमानदारी के साथ प्रशासन भी लगा हुआ है। सरकार पूरी सजगता के साथ कानून का राज स्थापित कर रही है। वहीं डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन अपना काम कर रहा है।

वहीं इस मामले में विरोधी नेता पप्पू यादव, पूर्णिया सांसद ने कहा कि पटना के पास दानापुर में बालू माफिया 200 गोलियां चलाता है, दूसरी ओर मोकामा में 100 गोलियां चलती हैं। दोनों शूटर मजे से इंटरव्यू दे रहे हैं और कैमरे पर एक-दूसरे को मारने की धमकी दे रहे हैं। प्रदेश में सरकार नाम की चीज नहीं है। हम सरकार से जानना चाहते हैं कि वे दोनों गोली चलाने वाले में से किसका समर्थन कर रही है और इन शूटरों को इतनी आजादी कैसे है कि वे खुलेआम एक-दूसरे की हत्या कर रहे हैं?...बिहार में अपराधी माफिया के बिना न सत्ता और ही विपक्ष चुनाव जीत सकता है।

वहीं राजद के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने नीतिश सरकार पर हमला

करते हुए कहा कि बिहार में अचेत मुख्यमंत्री होने के कारण अपराध-आदत तथा भ्रष्टाचार-शिष्टाचार में तब्दील हो चुका है। अब रूह कंपकपाने वाली घटनाएं सामान्य हो गई है। कई राउंड गोलियां चलाने वाले दोनों पक्ष केंद्रीय मंत्री के साथ खुलेआम घूमते है। मुख्यमंत्री स्वयं जेल से छुड़ाने के बाद उनके घर जाकर उनका स्वागत और अभिनंदन करते है। लेकिन अब कोई जंगलराज नहीं बोलेगा क्योंकि घटना में सम्मिलित सभी पक्ष सर्वश्रेष्ठ है।

कर्नाटक में मिला मंकीपॉक्स का मरीज, हालत स्थिर, डॉक्टर रख रहे पैनी नजर

-स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से की अपील, घबराएं नहीं अपना रखें ध्यान

मंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मंगलुरु में मंकीपॉक्स का पहला केस दर्ज किया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा है कि उडुपी जिले के करकला तालुक में रहने वाले 40 वर्षीय मरीज की हालत स्थिर है उसे कोई गंभीर परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा कि 17 जनवरी को दुबई से आए इस मरीज को जल्द ही छुट्टी दे दी जाएगी। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वह घबराएं नहीं।

एक बयान में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के प्रधान सचिव और एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के निदेशक अंसार अहमद ने लोगों को आश्वस्त किया कि यह बीमारी ज्यादातर मामलों में हल्की और सीमित है। उन्होंने कहा कि लोगों को घबराना नहीं

चाहिए, क्योंकि यह बीमारी मुख्य रूप से निकट या घनिष्ठ संपर्क से फैलती है और यह कोविड-19 जितनी संक्रामक भी नहीं है। इसके लक्षणों में आमतौर पर त्वचा पर चकत्ते, बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और ठंड लगना शामिल हैं।

अधिकारियों ने उच्च जोखिम वाले देशों की यात्रा करने वाले लोगों या पुष्टि वालों मामलों के निकट संपर्क में रहने वाले लोगों को इनमें से किसी भी तरह का लक्षण पाए जाने पर चिकित्सा सलाह लेने की सलाह दी है। मंकीपॉक्स का उपचार बुखार और शरीर के दर्द जैसे लक्षणों को कम करने पर केंद्रित है, साथ ही संक्रमित घावों से होने वाले द्वितीयक संक्रमणों के लिए एंटीबायोटिक्स का इस्तेमाल किया जाता है। पर्याप्त हाइड्रेशन, पोषण और विश्राम सुनिश्चित करना भी अहम है।

वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए केंद्र सरकार की ओर से अनिवार्य परीक्षण आवश्यकताएं या सलाह नहीं दी गई है। स्वास्थ्य अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं और लोगों को आश्वस्त कर रहे हैं कि मामले को प्रबंधित करने के लिए जरुरी उपाय करें।

साल 2069 में होने वाले महाकुंभ का दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल

नईदिल्ली (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) की मदद से भविष्य के महाकुंभ की एक दिलचस्प झलक सामने आई है। साल 2069 में होने वाले महाकुंभ का दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसे देखकर हर किसी के रोंगटे खड़े हो गए हैं। महाकुंभ के आयोजन को लेकर सरकार ने हर संभव प्रयास किए हैं, जिसमें टेंट, टॉयलेट्स, पीने का पानी और अन्य सुविधाओं का इंतजाम किया गया है। बावजूद इसके, श्रद्धालु कुछ समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इन समस्याओं के बीच, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने एक अनोखी झलक पेश की, जिसमें दिखाया गया है कि 2069 के महाकुंभ में लोग किस प्रकार की तकनीकी परिवर्तनों का सामना करेंगे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और चित्रों में इस भविष्य के महाकुंभ की कल्पना की गई है, जहां पारंपरिक साधू-बाबाओं की जगह रोबोटिक साधू नजर आएंगे। ये साधू अपनी हथेली से आरती की लौ जला सकेंगे। वहीं, आसमान में ग्रह-नक्षत्रों के संगम का दृश्य भी श्रद्धालुओं के लिए अलौकिक होगा। यह वीडियो न सिर्फ तकनीकी दृष्टिकोण से, बल्कि धार्मिक दृष्टिकोण से भी अनोखा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से यह वीडियो दिखाता है कि महाकुंभ का आयोजन भविष्य में कैसे पूरी तरह से टेक्नोलॉजी से सुसज्जित होगा।

लोग इस दृश्य को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए हैं और इसे लाखों बार देखा जा चुका है। इसमें दिखाया गया है कि अगले 144 वर्षों में तकनीक कितनी विकसित हो जाएगी, जिससे महाकुंभ का अनुभव एक नई और अद्भुत दिशा में परिवर्तित हो जाएगा। इस महाकुंभ का हिस्सा बनने के लिए लोग अपनी अगली पीढ़ी को खुशकिस्मत मान रहे हैं, क्योंकि यह तकनीकी परिवर्तन न सिर्फ धार्मिक अनुभव को प्रभावित करेगा, बल्कि इसे एक नए आयाम पर भी ले जाएगा। वर्तमान में जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरुआत हो चुकी है, भविष्य में यह तकनीक बेहद एडवांस हो जाएगी।

उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

नई दिल्ली, एजेंसी। पूरे देश में रविवार को 76वां गणतंत्र दिवस उत्साह, उमंग एवं उल्लास के साथ मनाया गया तथा विभिन्न राज्यों की राजधानियों, जिला मुख्यालयों, राजनीतिक दलों और सरकारी कार्यालयों में ध्वजारोहण किया गया। वहीं राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित समारोह में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, एकता, समानता, विकास और सैन्य कौशल का अनूठा मिश्रण देखने को मिला। कर्तव्य पथ पर आयोजित मुख्य समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस वर्ष राष्ट्रीय महत्व के आयोजनों में जनभागीदारी बढ़ाने के सरकार के उद्देश्य के अनुरूप परेड देखने के लिये लगभग 10 हजार विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया था। इनमें विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले और सरकार की योजनाओं का सवोत्तम उपयोग करने वाले लोग शामिल हैं। गणतंत्र दिवस परेड पूर्वाह्न 10.30 बजे शुरू हुयी और लगभग 90 मिनट तक चली। समारोह की शुरूआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर जाने से हुयी, जहां उन्होंने देश के वीरों को पुष्पांजलि अर्पित किये। इसके बाद, प्रधानमंत्री और अन्य गणमान्य लोग परेड देखने के लिये कर्तव्य पथ पर सलामी मंच की ओर बढ़ें। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो 'पारंपरिक बग्गी' में सवार होकर कर्तव्य पथ पर आए। गौरतलब है कि यह प्रथा 40 वर्षों के अंतराल के बाद 2024 में फिर से शुरू की गयी थी। राष्ट्रपति के अंगरक्षक, भारतीय सेना की सबसे वरिष्ठ रेजिमेंट द्वारा उन्हें सुरक्षा प्रदान की गयी। राष्ट्रपति के आगमन के बाद परंपरा के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, जिसके बाद 105-एमएम लाइट फील्ड गन, एक स्वदेशी हथियार प्रणाली का उपयोग करके 21 तोपों की सलामी दी गयी और राष्ट्रगान हुआ। परेड की शुरूआत देश के विभिन्न हिस्सों के संगीत वाद्ययंत्रों के साथ 'सारे जहां से अच्छा' ध्वनित करते हुये 300 सांस्कृतिक कलाकारों द्वारा की गयी। वाद्ययंत्रों का यह स्वदेशी मिश्रण हर भारतीयों के दिलों की धुन, ताल और उम्मीदों से गूंज उठा। वाद्ययंत्रों के इस समूह में शहनाई, सुंदरी, नादस्वरम, बीन, मशक बीन, रणसिंह - राजस्थान, बांसुरी, करदी मजालू, मोहुरी, शंख, तुतारी, ढोल, गोंग, निशान,चंग, ताशा, संबल, चेंडा, इडक्का, लेज़िम, थविल, गुदुम बाजा, तालम और मोनबाह शामिल थे। इसके बाद सर्वोच्च वीरता पुरस्कारों के विजेता शामिल हुये। इनमें परमवीर चक्र विजेता सूबेदार मेजर (मानद कैप्टन) योगेंद्र सिंह यादव (सेवानिवत्त) और सूबेदार मेजर संजय कुमार (सेवानिवत्त) तथा अशोक चक्र विजेता लेफ्टिनेंट कर्नल जस राम सिंह (सेवानिवत्त) शामिल रहे। कर्तव्य पथ पर देश की विविध शक्तियों और इसके निरंतर विकसित होते सांस्कृतिक समावेश दशार्ती कुल 26 झाकियां निकाली गयी, जिनमें 16 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों और 10 केंद्र सरकार के मंत्रालय/विभागों की झांकियां शामिल थीं। कर्तव्य पथ से निकलने वाली इन सभी झांकियों में स्वर्णिम भारतः विरासत और विकास को दशार्या गया। झांकियों में भारत की विविध शक्तियों और इसके निरंतर विकसित होते सांस्कृतिक समावेश के शानदार भविष्य को प्रदर्शित किया गया। राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की भाग लेने वाली झांकियों में पहली झांकी गोवा की रही। गणतंत्र दिवस के अवसर देशभर में कार्यक्रमों की धूम रही। राजस्थान में उदयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। राज्यपाल ने झंडा फहराने के बाद परेड का निरीक्षण किया और सलामी गारद द्वारा प्रस्तुत मार्च पास्ट की सलामी ली। लखनऊ से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर झंडारोहण किया और कहा कि देश का संविधान हमें न्याय, समता और बंधुता के साथ जुड़ने की एक नयी प्रेरणा प्रदान करता है। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने गणतंत्र दिवस के अवसर राजधानी रायपुर में ध्वज फहराया। इस मौके पर उन्होंने कहा , हमारी परंपरा में जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी की बात कही गई है। जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से बढ़कर हैं। हमारी इस सुंदर धरती भारत माता के 76 वें गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाने, हम सब आज एकत्र हुए हैं। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल समेत राज्य के प्रमुख शहरों में गणतंत्र दिवस परंपरागत तरीके से हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। राज्य स्तरीय मुख्य आयोजन यहां लाल परेड मैदान में संपन्न हुआ, जहां राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया और भव्य एवं आकर्षक परेड की सलामी ली। इसके अलावा विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने मुरैना जिला मुख्यालय पर तिरंगा फहराया और आकर्षक परेड की सलामी ली। उन्होंने इस दौरान मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया। इसके साथ ही मंत्रियों ने अलग अलग निर्धारित जिलों में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया।

अनेक जिलों में जनप्रतिनिधियों और कलेक्टरों ने तिरंगा फहराकर मुख्यमंत्री का संदेश सुनाया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इंदौर में आयोजित भव्य एवं गरिमामय आयोजन में तिरंगा फहराकर आकर्षक परेड की सलामी ली।

जम्मू कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और मार्च पास्ट का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा , ह्लहम जम्मू-कश्मीर की शांति, समृद्धि और विकास का संकल्प लेते हैं और हमारी सरकार लोगों को न्याय दिलाने में भी भूमिका निभायेगी। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ने रविवार को परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और भव्य परेड की सलामी ली। कार्यक्रम में श्री गुरमीत ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस अधिकारियों को सराहनीय सेवाओं के लिए पदक अलंकरण कर सम्मानित किया। साथ ही, विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शित झांकियों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले क्रमशः सूचना विभाग, संस्कृत शिक्षा विभाग तथा शिक्षा विभाग की झाँकी को दोनों ने सम्मानित किया।

विशेष पोषाक में कर्तव्य पथ पर पहुंचे मोदी, पगड़ी ने खींचा लोगों का ध्यान

नई दिल्ली, एजेंसी। हर साल की तरह इस बार भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को कर्तव्य पथ अलग अंदाज में नजर आए और उनकी पगड़ी ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। श्री मोदी विशेष मौके पर अपने खास पहनावे को लेकर चर्चा में रहते हैं और 76वें गणतंत्र दिवस के मौके पर भी ऐसा ही हुआ। इस बार उनकी पगड़ी ने सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। प्रधानमंत्री कर्तव्य पथ पर आयोजित समारोह में शामिल होने के लिए सफेद कुर्ता-पायजामा के साथ भूरे रंग की बंद गला की जैकेट पहन कर पहुंचे और इस वर्ष उन्होंने सिर पर बेहद खास बांधनी बांध रखी थी। इस वर्ष उन्होंने केसरिया, गुलाबी, सफेद और पीले रंग की बांधनी प्रिंट पगड़ी बांध रखी थी। श्री मोदी की इस पगड़ी में केसरिया रंग प्रमुख रूप से दिखाई दे रहा था, जिसे भगवान श्री राम का प्रिये रंग माना जाता है और यह रंग त्याग, बलिदान तथा साहस का प्रतीक है। गौरतलब है कि श्री मोदी हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर विशिष्ट पगड़ी पहनने की परंपरा को निभाते आ रहे हैं। इस वर्ष उनकी पगड़ी जोधपुरी कला को दर्शा रही थी। बांधनी या पगड़ी राजस्थान और गुजरात की पारंपरिक पोषाक का प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि बांधनी प्रिंट की शुरूआत गुजरात में खत्री समुदाय द्वारा की गई थी और यह कला राजस्थान में भी अत्यंत लोकप्रिय है। बांधनी शब्द बांधना से उत्पन्न हुआ है, जो इस तकनीक में कपड़े को बांधकर रंगने की प्रक्रिया को दशार्ता है। बांधनी प्रिंट राजस्थान, गुजरात और उत्तर प्रदेश में विशेष अवसरों, जैसे शादी-विवाह और त्योहारों के दौरान पहना जाता है। इस प्रिंट की पगड़ियां पारंपरिक परिधानों का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। कर्तव्य पथ पर दिखी सैन्य शक्ति, अदम्य साहस, सांस्कृतिक विविधता, लोक कलाओं की छटा कर्तव्य पथ पर दिखी सैन्य शक्ति, अदम्य साहस, सांस्कृतिक विविधता, लोक कलाओं की छटा नयी दिल्ली एजेंसी (वार्ता) छिहत्तरवें गणतंत्र दिवस के मौके पर रविवार को कर्तव्य पथ पर आयोजित समारोह में सैन्य शक्ति, अदम्य साहस, सांस्कृति विविधता और लोक कलाओं की मनोहर छवि देखने को मिली।

एक नजर

रिठाला से कांग्रेस के उम्मीदवार मिश्रा के काफिले को रोकना सत्ता का दुरुपयोग: यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रिठाला विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार सुशांत मिश्रा के काफिले को रोके जाने की घटना की निंदा की है और कहा है यह घटना सत्ता के दुरुपयोग को उजागर करती है।श्री यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर यह असंवैधानिक कार्रवाई लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए स्पष्ट तौर पर खतरा है और दिल्ली के लोगों के बीच कांग्रेस की बढ़ती लोकप्रियता के चलते उनके डर को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि आप और भाजपा के नेता लोगों से मिलने से डर रहे है, क्योंकि उनके पास लोगों के सवालों का कोई जवाब नहीं है। पिछले 11 वर्षों के दौरान भाजपा और आप विकास कार्यों को करने में पूरी तरह से विफल रही है। उन्होंने कहा कि आप अब सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर कांग्रेस उम्मीदवारों को मिल रहे भारी समर्थन में खलल डालने का काम कर रही है। श्री यादव ने इस अन्यायपूर्ण कार्रवाई की तत्काल जांच और कांग्रेस उम्मीदवार पर हमला करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में लिप्त श्री अरविन्द केजरीवाल आप के उम्मीदवारों को खुलेआम आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने की इजाजत दे रहे हैं, लेकिन आश्चर्य की बात है कि अधिकारी आप के नेताओं की हरकतों को नजर अंदाज कर रहे हैं।

दिल्ली की जनता के बीच भ्रम फैला रहे हैं केजरीवाल: सचदेवा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने है कि दिल्ली में निश्चित हार देख हताशा से घबराये आम आदमी पार्टी के नेता दिन-रात चिल्ला रहे हैं कि भाजपा आयेगी, तो चल रही समाज कल्याण योजनाएं बंद कर देगी। श्री सचदेवा ने कहा कि पिछले पांच से छह दिन से दिल्ली में लोगों को फर्जी फोन आ रहे हैं, जिनमें कहा जाता है कि भाजपा आ रही है और 11 फरवरी से सभी समाज कल्याण योजनाएं बंद कर देगी। उन्होंने कहा कि बौखलाई "आप-दा" को यह भी याद नहीं रहा है कि एक बार कोई समाज कल्याण योजना लागू हो जाती है, तो प्रश्न ही नहीं उठता की कोई नई सरकार चालू समाज कल्याण योजना बंद कर दे, वह तो उसको और बेहतर करती है। उन्होंने कहा है कि आप-दा के नेता याद रखें कि कांग्रेस ने अपने शासन में "मनरेगा" योजना लागू की, लेकिन खेदपूर्ण रूप से उसकी आड़ में सिर्फ भ्रष्टाचार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय गरीबों को "मनरेगा" को लाभ कम मिलता था, उनके नाम पर भ्रष्टाचार अधिक हुआ करता था, लेकिन 2014 में भाजपा आई, तो उसके अंतर्गत काम के दिन भी बढ़ाये और भुगतान डिजिटल करके गरीबों के जीवन में सुधार किया गया। श्री सचदेवा ने कहा की इन फर्जी फोन के बारे में भाजपा की दिल्ली इकाई ने मुख्य चुनाव आयुक्त, दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और दिल्ली पुलिस आयुक्त को शिकायत पत्र लिख कर "आप-दा" द्वारा फैलाये जा रहे झूठ और भ्रम की जांच कराने और कार्रवाई करने की मांग की है।

गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में परंपरागत मिलन समारोह आयोजित किया

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में रविवार को परंपरागत गणतंत्र दिवस मिलन- समारोह का आयोजन किया। समारोह में महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों के अलावा, विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कई प्रतिष्ठित नागरिकों , सरकार के विभिन्न विकासात्मक कार्यक्रमों के लाभार्थियों को आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर आमंत्रित अतिथियों ने जल-पान पर परस्पर मेल- मिलाप करने के साथ वहां प्रदर्शित जीवंत कलात्मक और सांस्कृतिक कृतियों का आनंद लिया। गणतंत्र दिवस मिलन समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय मंत्रि परिषद के सदस्य, पक्ष विपक्ष के सांसद और वरिष्ठ नेता तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों के गणमन लोग उपस्थित रहे।

भाजपा ने हर्षोल्लास के साथ मनाया 76वां गणतंत्र दिवस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने देश का 76वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज सुबह राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सांसद बैजयंत जय पांडा, भाजपा दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख एवं सांसद अनिल बलूनी और राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रमुख डॉ संजय मयूख, समेत पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के उपरांत श्री नड्डा ने सुरक्षा कर्मियों, भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को मिठाइयां खिलाकर गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का हमारा संकल्प अंत्योदय के स्वरूप में अंतिम व्यक्ति के उन्नति का माध्यम बना है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान पर अमृतकाल में देश के युवा, किसान, आदिवासी, दलित समेत सभी लोग भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए संकल्पित हैं।

बादली की जनता देवेन्द्र यादव को दे रही है खुला समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। 2025 - दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व बादली श्री देवेन्द्र यादव ने अपने चुनाव में सिंधी कॉलोनी में जनसभा आयोजित और श्रद्धानंद कॉलोनी में पदयात्रा की। जनसभा और पदयात्रा के दौरान हजारों लोग मौजूद थे और क्षेत्रीय जनता ने श्री देवेन्द्र यादव के ऊपर अपने घरों से फूलों की बौछार कर उनका स्वागत किया और अपना समर्थन देने का भी विश्वास दिलाया। श्री देवेन्द्र यादव ने आज अपने समर्थकों के साथ के-ब्लॉक जहांगीरपुरी गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में गुरु पर्व के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां सभी की सलामती की अरदास भी लगाई और राजीव नगर स्थिति चर्च में संडे की प्रेयर में शामिल होकर बादली विधानसभा के अपने परिवार की खुशहाली की प्रार्थना भी की। श्री देवेन्द्र यादव ने कहा कि मैं जनता से मिल रहे समर्थन और अभिनन्दन के लिए आभार प्रकट करता हूॅ और बादली की जनता से वादा करता हूॅ कि कांग्रेस पार्टी दिल्ली में पूर्ण बहुमत से जीतने के बाद बादली ही नही पूरी दिल्ली का विकास उसी तरह करेगी जैसा विकास 15 वर्ष पहले शीला दीक्षित की सरकार ने किया था। उन्होंने कहा कि दिल्ली में मिल रहे कांग्रेस प्रत्याशियों को जनसमर्थन और भाजपा और आम आम आदमी पार्टी का प्रत्याशियों द्वारा तिरस्कार करने से साफ हो गया है, कांग्रेस में दिल्ली की सरकार बनाने जा रही है।

मैं चाहता हू कि बादली में भाईचारे और मोहब्बत के साथ लोग मिलजुल कर रहे और बादली से कांग्रेस को जिताकर क्षेत्र के विकास में भागीदार बनें। श्री देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस की गारंटियों को मैं दिल्ली सहित बादली के लोगां को भी प्राथमिकता से लागू करवाऊॅगा।

दिल्ली में कांग्रेस सरकार बनने की बाद हम दिल्ली की बहनों को प्यारी दीदी योजना के तहत 2500 रुपये देंगे, महंगाई मुक्ति के तहत 500 रुपये सिलेंडर और राशन किट मुफ्त देंगे, युवाओं की पहली नौकरी पक्की करने की दिशा में अप्रेंटसशिप के तहत 8500 रुपये मासिक देंगे और सभी दिल्ली वालों को स्वास्थ्य अधिकार के तहत 25 लाख का स्वास्थ्य बीमा करेंगे और हर बिजली उपभोक्ता को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का काम करेंगे।

द्वारका में गणतंत्र दिवस के मौके पर ध्वजारोहण किया !

नई दिल्ली। समस्त पालम विधान सभा क्षेत्र के निवासियों सहित क्षेत्र के लोगों संभ्रांत नागरिकों एवं बाजार के व्यवसायियों ने प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मधु विहार बस स्टैंड के पास सोलंकी मार्केट में गणतंत्र दिवस उत्सव मनाया जिसमें सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। इस उपलक्ष्य में ध्वजारोहण के साथ साथ उन स्वतंत्रता सेनानियों को स्मरण किया गया जिन्होंने अपने त्याग बलिदान एवं समर्पण से देश को आजाद कराया है। कार्यक्रम के आयोजक रणबीर सिंह सोलंकी ,प्रधान आर डब्ल्यू ए, मधु विहार, राष्ट्रीय अध्यक्ष,राष्ट्रीय युवा चेतना मंच, भारत तथा, चेयरमैन, फेडरेशन ऑफ साउथ एंड वेस्ट डिस्ट्रिक्ट वेलफेयर फोरम, नई दिल्ली ने बताया कि ये हमारा राष्ट्रीय त्यौहार है। आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को हमारा संविधान लागू हुआ था। हमारा कर्तव्य है कि हम अपने संविधान का पालन करे तथा उसकी रक्षा करें और देश के उज्जवल भविष्य के निर्माण में भागीदार हो। इस अवसल पर मार्केट के प्रधान हरिश्चंद्र राय ने माला पहनाकर सोलंकी का स्वागत किया और सोलंकी ने सब का धन्यवाद किया। फेडरेशन के महासचिव राकेश कुमार ने सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं दीं ! इस अवसर पर संभ्रांत नागरिक प्रमोद गोयल, अशोक अग्रवाल, सतीश जैन, डॉ सुरेंद्र झा, ब्रजेश सोलंकी, प्रेम मलिक,सतबीर प्रधान, राम अवतार शर्मा, डी के शर्मा,सुरेश हुड्डा,जगदीश भड़ाना एवं शिव सेवक शर्मा मौजूद थे।

आम आदमी पार्टी ने 10 वर्षों से लैंडफिल से कूड़ा निस्तारण का काम नही किया

कूड़े के पहाड़ गिरने से लगातार घर दब रहे है और लोगों की जान को खतरा बना हुआ है : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। 2025 - दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और बादली विधानसभा से कांग्रेस उम्मीदवार श्री देवेन्द्र यादव आज भलस्वा में कूड़े के पहाड़ का हिस्सा गिरने की खबर सुनते ही अपना चुनाव प्रचार छोड़कर वहां तुरंत पहुॅचकर राहत कार्य शुरू किया। श्री यादव ने बताया भलस्वा लैंडफिल का हिस्सा खिसक कर गिरने से श्रद्धानंद कॉलोनी के कुछ घर दब गए और मलबे में से निकाले गए बच्चों में दो गंभीर रुप से घायल हुए है, जिनका इलाज कराया जा रहा है। खबर करने के बावजूद प्रशासन का कोई अधिकारी या मौजूदा विधायक घटना स्थल पर नही पहुॅचा। भलस्वा लैंडफिल के नजदीक 5000 लोग रहते है, जिन पर हमेशा जान का खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने बताया कि यह पहली बार नही हुआ है, इससे पहले भी कूड़े का पहाड़ खिसकने से 12 घर दब गए थे। उन्होंने प्रशासन अधिकारियों को कहा है कि शीघ्र गिर रहे कूड़े को रोकने का काम करें और जेपीसी मशीनों से कूड़े को हटा कर दूसरी जगह किया जाए। श्री देवेन्द्र यादव ने कहा कि लैंडफिल से कूड़ा लगातार गिर रहा है, लोगों की जान बचाने के लिए हमने नजदीकी घरों को खाली करवा कर, उनका रहने खाने का इंतजाम भी करवाया है। हालाकि घर खाली करवाते वक्त लोग कह रहे थे कि हम कहां जाएंगे। क्षेत्रीय लोगों में मौजूदा सरकार और विधायक के प्रति रोष था, लोग कह रहे हैं कि 10 वर्षों में हमारे लिए कुछ नही किया। श्री यादव ने कहा कि लैंडफिल को कम करने के लिए आम आदमी पार्टी सरकार और दिल्ली नगर निगम ने कुछ नही किया और कूड़ा डालना प्रतिबंधित होने के बावजूद यहां लगातार कूड़ा डाला जा रहा है, आम आदमी पार्टी की सरकार को लोगों की कोई चिंता नही है।

श्री देवेन्द्र यादव ने कहा कि 2022 में निगम चुनावों से पहले अरविन्द केजरीवाल कूड़े के पहाड़ों पर जाकर फोटो खिचवा रहे थे और वादा किया था कि 1 साल में दिल्ली में कूड़े के पहाड़ों का पूरी तरह खत्म कर देंगे। दिल्ली नगर निगम ने कूड़े के पहाड़ो निस्तारण करने की जगह लैंडफिलां पर लगातार कूड़ा डालने का काम कर रहा है। लैंडफिल के नजदीक रहने वाले लोग इनसे निकलने वाली जहरीली गैस से प्रभावित तो हो रही है, इसके लैंडफिल खिसकने के कारण इनकी जान को खतरा भी बना हुआ है।

श्री देवेन्द्र यादव ने लैंडफिल के गिरे कूड़े में दबने वाले और वहां रहने वाले परिवारों की समस्याओं को सुना और कहा कि अगर मैं बादली से चुनाव आपके सहयोग से जीतूगा और कांग्रेस की सरकार दिल्ली में आने पर प्राथमिकता के तौर पर कूड़े के पहाड़ को हटाकर खत्म कराने के लिए नीति निर्धारित करेंगे। पिछले 10 वर्षों में बादली विधानसभा में जो नर्क जैसी स्थिति बन गई है, उससे जनता को राहत दिलवाऊॅगा।

उत्तराखंड की झांकी ने मोदी का मोह लिया मन

नई दिल्ली, एजेंसी। नयी दिल्ली में रविवार को गणतंत्र दिवस परेड के दौरान, कर्तव्य पथ पर निकली उत्तराखंड राज्य की झांकी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने हाथ हिलाकर उत्तराखंड की झांकी का अभिवादन किया। अन्य उपस्थित गणमान्य लोगों ने भी इस दौरान, उत्तराखंड की झांकी का ताली बजाकर स्वागत किया।

गणतंत्र दिवस समोराह में इस वर्ष उत्तराखंड सहित 15 राज्यों की झांकियां थी। राज्य झांकी की थीम इस बार सांस्कृतिक विरासत एवं साहसिक खेल रखा गया था। मार्च पास्ट के दौरान जैसे ही झांकी प्रधानमंत्री के सामने से होकर गुजरी, उन्होंने हाथ हिलाकर टीम का अभिवादन किया। इससे उनका एक बार फिर उत्तराखंड को लेकर अपनापन झलका है। उल्लेखनीय है कि देवभूमि उत्तराखंड राज्य की इस झांकी में राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सुन्दरता एवं साहसिक खेल एवं पर्यटन को दशार्या गया। झांकी के अग्र भाग में उत्तराखंड की पारम्परिक वेशभूषा में प्रसिद्ध ऐपण कला को बनाती हुई महिला को दिखाया गया। इस कला को उत्तराखंडी महिलाओं द्वारा पूजा कक्षों, घरों के प्रवेश द्वारों के फर्श और दीवारों पर बनाया जाता है। इसको बनाने के लिए चावल का आटा तथा गेरु का उपयोग किया जाता है। झांकी के ट्रेलर पार्ट में उत्तराखंड के साहसिक खेलों एवं साहसिक

राहुल-प्रियंका ने गणतंत्र दिवस पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गणतंत्र दिवस पर रविवार को देशवासियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि संविधान ने जो अधिकार देश के लोगों को दिए हैं उनकी सुरक्षा सबका कर्तव्य है। श्री गांधी ने कहा,देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों के न्याय, स्वाधीनता, समानता और भाईचारे के मूल्यों पर आधारित हमारा संविधान भारतीय गणतंत्र का गौरव है, धर्म, जात, क्षेत्र, भाषा से परे हर भारतीय का सुरक्षा कवच है - इसका सम्मान और रक्षा हम सभी का कर्तव्य है। जय हिंद, जय भारत, जय संविधान। श्रीमती वाड्रा ने कहा,सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आज ही के दिन हमारा संविधान लागू हुआ था जिसने हर एक नागरिक को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और मानवीय गरिमा की गारंटी दी। हमारा संविधान एक-एक भारतीय के अधिकारों का रक्षा कवच है। हमारे संविधान की रक्षा के लिए हमारा संकल्प चट्टान की तरह मजबूत है। जय संविधान।

76वां गणतंत्र दिवस उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया गया

गणतंत्र दिवस समारोह की आकर्षक परेड में सम्मिलित भारतीय सेना के आयुधों, मार्चपास्ट, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा झांकियों आदि ने दर्शकों का मन मोहा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आज 76वां गणतंत्र दिवस उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया गया। विधानभवन के सामने आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य कार्यक्रम में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने परेड की सलामी ली। इसके पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने राज्यपाल जी का स्वागत किया और उन्हें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

गणतंत्र दिवस समारोह की आकर्षक परेड में सम्मिलित भारतीय सेना के आयुधों, मार्चपास्ट, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा झांकियों आदि ने दर्शकों का मन मोह लिया। परेड का नेतृत्व मेजर हृदयांश सिंह गिल ने किया। परेड के मौके पर बी0एम0पी0-2 सारथ टैंक, 105 एम0एम0 लाइट फील्ड गन, लाइट स्ट्राइक एल0एस0वी0 व्हीकल का प्रदर्शन किया गया। परेड के दौरान हैलीकॉप्टर द्वारा परेड स्थल पर पुष्प वर्षा भी की गयी।

गणतंत्र दिवस की परेड में 07 कुमाऊँ रेजीमेंट (पुरुष टुकड़ी), ए0एम0सी0 एवं 39जी0टी0सी0 (ब्रास बैण्ड पुरुष टुकड़ी), 01 असम रेजीमेण्ट (पुरुष टुकड़ी), केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (ब्रास बैण्ड पुरुष टुकड़ी), केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (पुरुष टुकड़ी), भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल (पाइप बैण्ड पुरुष टुकड़ी), भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल (पुरुष टुकड़ी), सशस्त्र सीमा बल पुलिस (पाइप बैण्ड पुरुष टुकड़ी), सशस्त्र सीमा बल पुलिस (पुरुष टुकड़ी), यू0पी0 होमगार्ड्स (पाइप बैण्ड पुरुष टुकड़ी), यू0पी0 पुलिस (पुरुष टुकड़ी), उत्तर प्रदेश वन विभाग (मिश्रित टुकड़ी) ने प्रतिभाग किया।

परेड में पी0ए0सी0 32 वाहिनी (पाइप बैण्ड पुरुष टुकड़ी), पी0ए0सी0 32 वाहिनी (पुरुष टुकड़ी), पी0ए0सी0 35 वाहिनी (ब्रास बैण्ड पुरुष टुकड़ी), पी0ए0सी0 35 वाहिनी (पुरुष टुकड़ी), यू0पी0 ए0टी0एस0 (पुरुष टुकड़ी), मध्य प्रदेश पुलिस बल (पुरुष टुकड़ी), यू0पी0 होमगार्ड्स (पुरुष टुकड़ी), यू0पी0 होमगार्ड्स (ब्रास बैण्ड पुरुष टुकड़ी), यू0पी0 होमगार्ड्स (महिला टुकड़ी), प्रान्तीय रक्षक दल (महिला टुकड़ी), प्रान्तीय रक्षक दल (ब्रास बैण्ड पुरुष टुकड़ी), प्रान्तीय रक्षक दल (पुरुष टुकड़ी), एन0सी0सी0 (बालक टुकड़ी), 01 असम 11 सिख एवं 16 राजपूत रेजीमेंट (पाइप बैण्ड मिश्रित टुकड़ी), एन0सी0सी0 (बालिका टुकड़ी) भी सम्मिलित हुईं।

इसके अलावा, कैप्टन मनोज कुमार पाण्डेय यू0पी0 सैनिक स्कूल (बैण्ड बालक टुकड़ी), कैप्टन मनोज कुमार पाण्डेय यू0पी0 सैनिक स्कूल (मिश्रित टुकड़ी), अटल आवासीय विद्यालय सिठौली कलां (मार्च पास्ट बालिका), अटल आवासीय विद्यालय सिठौली कलां (ब्रास बैण्ड बालक), अटल आवासीय विद्यालय सिठौली कलां (मार्च पास्ट बालक), राजभवन उच्च प्राथमिक विद्यालय, राजभवन (ब्रास बैण्ड मिश्रित), कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, लखनऊ (मार्च पास्ट बालिका), सेन्ट जोसेफ कॉलेज रुचि खण्ड, शारदा नगर (ब्रास बैण्ड मिश्रित), सेन्ट जोसेफ कॉलेज, सी0 ब्लॉक राजाजीपुरम (मार्च पास्ट बालिका), सेन्ट जोसेफ कॉलेज सीतापुर रोड (पाइप बैण्ड मिश्रित), सेन्ट जोसेफ कॉलेज सीतापुर रोड (मार्च पास्ट बालक), ब्वॉयज ऐंग्लो बंगाली इण्टर कॉलेज सुन्दरबाग (मार्च पास्ट बालक), एस0आर0 ग्लोबल सीतापुर रोड (ब्रास बैंड मिश्रित), एस0आर0 ग्लोबल सीतापुर रोड (मार्च पास्ट मिश्रित), राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज शाहमीना रोड (मार्च पास्ट बालिका) फ्लैग मार्च में शामिल हुए। साथ ही, महर्षि विद्या मन्दिर आई0आई0एम0 रोड (पाइप बैंड मिश्रित), महर्षि विद्या मन्दिर आई0आई0एम0 रोड (मार्च पास्ट बालिका), सिटी मॉण्टेसरी स्कूल, गोमती नगर विस्तार शाखा (मार्च पास्ट बालिका), सिटी मॉण्टेसरी स्कूल, गोमती नगर प्रथम शाखा (पाइप बैण्ड मिश्रित), सिटी मॉण्टेसरी स्कूल, गोमती नगर प्रथम शाखा (पास्ट मार्च बालक), बाल विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल चारबाग (मार्च पास्ट बालक), श्रीराम एकेडमी, फैजुल्लागंज सीतापुर रोड (ब्रास बैण्ड मिश्रित), ए0पी0एस0 एकेडमी, सेनानी विहार, रायबरेली रोड (मार्च पास्ट बालक), लखनऊ पब्लिक कॉलेज सेक्टर-ई, आम्रपाली (मार्च पास्ट बालक), लखनऊ पब्लिक स्कूल ए ब्लॉक राजाजीपुरम (ब्रास बैण्ड मिश्रित), लखनऊ पब्लिक कॉलेज, सहारा स्टेट्स जानकीपुरम (मार्च पास्ट बालक), लखनऊ पब्लिक स्कूल ए ब्लॉक साउथ सिटी (मार्च पास्ट बालक) ने फ्लैग मार्च में प्रतिभाग किया। इसके अलावा, उम्मीद संस्था विशाल खण्ड गोमती नगर, लखनऊ (ब्रास बैण्ड मिश्रित), लखनऊ पब्लिक स्कूल सेक्टर डी0 कानपुर रोड (मार्च पास्ट बालिका), रेड रोज पब्लिक स्कूल, कानपुर रोड (मार्च पास्ट बालिका), भारत स्काउट उत्तर प्रदेश जनपद लखनऊ (मार्च पास्ट बालक), सिटी मॉण्टेसरी स्कूल कानपुर रोड (ब्रास बैण्ड मिश्रित), भारत स्काउट गाइड उत्तर प्रदेश जनपद लखनऊ (फ्लैग मार्च बालिका), राजकीय जुबिली इण्टर कॉलेज, सिटी स्टेशन (ब्रास बैण्ड बालक), ब्वॉयज ऐंग्लो बंगाली इण्टर कॉलेज सुन्दरबाग (फ्लैग मार्च बालिका), लखनऊ पब्लिक कॉलेज, विनम्र खण्ड, गोमतीनगर (पाइप बैण्ड बालिका), लखनऊ पब्लिक स्कूल, सेक्टर-9 वृन्दावन शाखा (फ्लैग मार्च बालिका), सिटी मॉण्टेसरी स्कूल, अलीगंज प्रथम शाखा (फ्लैग मार्च बालक), सिटी मॉण्टेसरी स्कूल कानपुर रोड (पाइप बैण्ड मिश्रित), सिटी मॉण्टेसरी स्कूल, आर0डी0एस0ओ0 (फ्लैग मार्च बालिका) फ्लैग मार्च में सम्मिलित हुए।

एक नजर

बच्चों ने स्केटिंग करते हुए देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रैली निकाली

जौनपुर, एजेंसी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्केटिंग क्लब के छोटे बच्चों ने स्केटिंग करते हुए देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रैली निकाली। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने पॉलीटेक्निक चौराहे से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण किया। रैली के दौरान बच्चों ने हाथों में तिरंगा थामा हुआ था और वे 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के गीत गाते हुए आगे बढ़ रहे थे। उनके शिक्षक भी साथ चल रहे थे। समय-समय पर देशभक्ति के नारे लगा रहे थे। यह दृश्य इतना प्रभावशाली था कि मार्ग पर मौजूद लोग रुक-रुककर बच्चों के इस अनूठे प्रयास को देखते रहे। जहां शहर के अन्य हिस्सों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से देशभक्ति की भावना जगाई जा रही थी, वहीं इन नन्हें बच्चों ने स्केटिंग के जरिए लोगों में देश के प्रति सम्मान की भावना जगाने का सफल प्रयास किया। स्थानीय नागरिकों ने बच्चों के इस जोश और जज्बे की भरपूर सराहना की। रैली का समापन स्केटिंग क्लब के केंद्र पर हुआ।

आजादी के बाद देश की व्यवस्था चलाने के लिए बना संविधान: आदित्य शंकर बाजपेई

कानपुर, एजेंसी। चन्द्रशेखर आजाद एवं सरदार भगत सिंह जैसे देशभक्तों के बलिदान के बाद राजनेताओं के सहयोग से हमारे देश को 15 अगस्त 1947 को आजादी मिली। अब देशवासियों की जिम्मेदारी देश की व्यवस्था को चलाने की थी। जिसके लिये एक संविधान की आवश्यकता थी। यह बातें रविवार को बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इण्टर कॉलेज में गणतंत्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि प्रख्यात अधिवक्ता एवं विद्यालय प्रबंधक आदित्य शंकर बाजपेयी ने कही। बेनाझाबर स्थित बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इण्टर कॉलेज में रविवार को बडे.ही हर्षोल्लास के साथ 76वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण कर देश के प्रति अपनी जान न्योछावर करने वाले क्रांतिकारियों को याद किया। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माण के इस दुरूह कार्य के लिए एक सभा का गठन किया गया। संविधान निर्मात्री सभा व इस सभा के सभापति डॉ. अम्बेडकर के अथक प्रयासों के बाद 26 नवम्बर, 1949 को हमारा संविधान बनकर तैयार हुआ इसलिए 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। काफी अधिक विचार विमर्श के बाद 26 जनवरी, 1950 को हमारा संविधान लागू हुआ। अब हमारा देश एक समाजवादी, सम्प्रभुतासम्पन्न, लोकतांत्रिक गणतंत्र बन गया। इस दिवस को हमारे देश में गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। हमारे संविधान में हर व्यक्ति को मौलिक अधिकार प्रदान किये गये हैं। मौलिक कर्तव्यों का भी उल्लेख है। उनका पालन करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। जब सभी मौलिक कर्तव्यों का पालन करेंगे तभी हमारा देश विकसित देश बन सकेगा। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि शरद कृष्ण पाण्डेय, वेणु रंजन भदौरिया, परमानन्द शुक्ला, विद्यालय के प्रधानाचार्य बृजमोहन कुमार सिंह, उपप्रधानाचार्या मंजूबाला श्रीवास्तव, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र छात्रायें एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

भारत के संविधान की खूबसूरती है बराबरी का दर्जा: प्रोफेसर सीमा परोहा

कानपुर, एजेंसी। हमारा विशाल देश उन देशों में शुमार है, जहां पर संविधान सर्वोपरि है। यहां पर किसी का आदेश नहीं, संविधान के नियमों के अनुसार जनता द्वारा चुनी सरकारें कार्य करती हैं। संविधान दो शब्दों सम्‍ और विधान से मिलकर बना है, जिसका अर्थ ही सबके लिये समान विधान यानी कानून है। संविधान की नजर में सब बराबर हैं, यह हमारे संविधान की खूबसूरती है। संस्थान के समग्र विकास के लिये छोटे से लेकर बड़े तक सबका सहयोग समान रूप से अपेक्षित है। भव्य इमारत के लिये नींव का पत्थर मजबूत होना आवश्यक है। यह बातें रविवार को गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रो. सीमा परोहा ने कही। कल्याणपुर स्थित राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में 76वां गणतंत्र दिवस धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में संस्थान में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुये संस्थान की निदेशक प्रो.सीमा परोहा व अन्य लोगों ने झंडे को सलामी दी। इसके पश्चात संस्थान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित की गई, निबंध एवं व्याख्यान प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया। विभिन्न स्थानों पर कार्य कर रहे दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को उपहार देते हुये कहा कि इन कर्मियों की बदौलत हमारे संस्थान की बगिया सुगंधित है और जगह-जगह पर बनाई गई फूलों की क्यारियों में फूल और बेल-बूटे लहलहा रहे हैं तथा संस्थान में हरियाली व्याप्त है। इस अवसर पर संस्थान के प्रेक्षागार में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान में शर्करा प्रौद्योगिकी (प्रथम वर्ष) के छात्र-छात्राओं ने बहुत सुंदर प्रस्तुति की। मंधना के भवानीपुर स्थित एनएलके एकेडमी में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने अपने कार्यक्रम से सबका मन मोह लिया। साथ ही एकेडमी से विद्यार्थियों के साथ ऋतु चतुर्वेदी, विशाल चंद्रा, मनीष यादव एवं तूलिका मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एसके त्रिवेदी, अशोक कुमार गर्ग, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. विनय कुमार, अनूप कुमार कनौजिया, संजय चौहान, वीरेन्द्र कुमार, डॉ. अनंत लक्ष्मी रंगराजन, अखिलेश कुमार पांडेय, डॉ. लोकेश बाबर, बृजेश कुमार साहू, सुनीत कपूर,योगेश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मल्लिका द्विवेदी, सहा-निदेशक एवं कल्याण अधिकारी ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में शदया शंकर मिश्र, निदेशक के निजी सचिव एवं उमेश चंद्र पांडेय, अवर श्रेणी लिपिक का विशेष योगदान रहा।

बाराबंकी भगवान श्री चित्रगुप्त जी के प्राण प्रतिष्ठा वर्षगांठ पर हुआ भव्य रंगारंग कार्यक्रम आयोजन व भण्डारा

बाराबंकी, एजेंसी। धनोखर चक्रतीर्थ सरोवर पर स्थित चित्रगुप्तधाम मन्दिर पर भगवान श्री चित्रगुप्त जी के प्राण प्रतिष्ठा वर्षगांठ पर हुआ दोपहर 01 बजे प्रारम्भ हुआ पूजन का कार्य जिसे चित्रगुप्तधाम मन्दिर समिति के महामंत्री सुभाष श्रीवास्तव ने किया, वही शाम 03 बजे से तीन वर्ष से सोलह वर्ष के बच्चों की प्रतियोगिता चल रही थी जिसमें नृत्य गायन और संगीत का आगाज रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे बाराबंकी के पूर्व सांसद उपेन्द्र सिंह रावत वही विशिष्ट अतिथि रहे पीठाधीश लाला रंजीत बहादुर श्रीवास्तव तथा बाराबंकी भाजपा नेता सूरज सिंह मौजूद थे। दोपहर 03 बजे से भण्डारे का आयोजन शुरू कर दिया गया था कई हजार लोगों ने भण्डारे में प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में शाम बजे बच्चों को पुरस्कृत किया गया। उसके बाद भगवान श्री चित्रगुप्त जी पर फिल्मांकन किया गया तत्पश्चात संगीत का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जो कि देर रात तक चलता रहा।

गांधी पुस्तक मेला में बाल साहित्य और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने वाली पुस्तकें : मालिनी अवस्थी

लखनऊ, एजेंसी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर लखनऊ में चारबाग स्टेशन के बाहर 34 वां गांधी पुस्तक मेला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ करने पहुंची मुख्य अतिथि प्रसिद्ध लोकगायिका और पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने कहा कि सर्वोदय साहित्य एवं अखिल भारतीय सर्वोदय प्रचार प्रसार ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस गांधी पुस्तक मेले का संयोजन पिछले 27 वर्षों से ऐतिहासिक चारबाग रेलवे परिसर में लगातार किया जा रहा है। 12 फरवरी तक गांधी मेला चलने वाला है। इसके लिए कार्यक्रम के संयोजक नीरज अरोरा निश्चित रूप से बधाई के पात्र हैं। गांधी जी के विचारों को विश्वभर में फैलाने की आवश्यकता है। इस मेला में उपलब्ध साहित्य, जिनमें धर्म, दर्शन, बाल साहित्य और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने वाली पुस्तकें शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश: बंदर के खूंखार हमले से जख्मी हुआ युवक, गोरखपुर रेफर

राघवेन्द्र मिश्रा

उत्तर प्रदेश: कुशीनगर जिले के हाटा कोतवाली क्षेत्र स्थित मुहम्मदा ग्राम सभा में एक युवक को पागल बंदर के हमले का शिकार होना पड़ा। घटना उस समय हुई जब हीरालाल सिंह पुत्र स्व. राम अवध चौधरी सुबह-सुबह अपने गेहूं के खेत की सिंचाई कर रहा था। अचानक एक पागल बंदर ने उस पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। हमले की यह घटना देख आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और बंदर को मार-पीट कर वहां से भगाया।

इसके बाद स्थानीय लोगों ने घायल युवक को तत्काल एंबुलेंस से मथौली के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने उसकी हालत को गंभीर देखते हुए उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मथौली अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि उपचार से पूरी राहत न मिलने के कारण घायल युवक को गोरखपुर भेजना जरूरी था, ताकि उसकी हालत में सुधार हो सके। गोरखपुर में इलाज के बाद अब युवक की हालत में सुधार हो रहा है। यह घटना स्थानीय निवासियों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है, और लोग इस तरह के हमलों से बचने के लिए अधिक सतर्क रहने की अपील कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश: doNONdo शांति के लिए वैश्विक आंदोलन, न करने की कला से जुड़े लोग

मणिशंकर

उत्तर प्रदेश: दुनिया भर में निरंतर संघर्ष और तनाव के बीच, एक सरल लेकिन प्रभावी पहल – doNONdo – तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इसकी परिकल्पना काटा द्वया के एम1ए0 शान ने की है और यह ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित है। इस पहल का उद्देश्य लोगों को प्रतिदिन केवल 10 मिनट का समय "कुछ न करने" के अभ्यास में समर्पित करने के लिए प्रेरित करना है। यह अभ्यास दोपहर 12:00 बजे (स्थानीय समय) हर दिन किया जाता है, और इसका उद्देश्य शांति को बढ़ावा देना और आधुनिक जीवन की अराजकता के खिलाफ प्रतिकार करना है। doNONdo का उद्देश्य और वैश्विक समर्थन

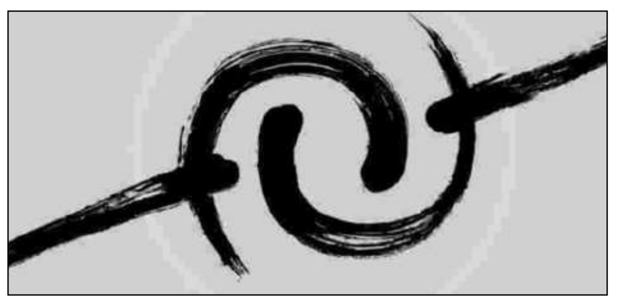

doNONdo शांति के इस दैनिक क्षण को बढ़ावा देने का प्रयास करता है, जो न केवल मानसिक शांति, बल्कि सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन को उत्प्रेरित करता है। इस पहल में 100 देशों के हजारों प्रतिभागी शामिल हैं, जो इस सामूहिक विराम के माध्यम से शांति और स्थिरता के लिए एक लहर प्रभाव उत्पन्न करने का प्रयास कर रहे हैं। यह अभ्यास चिंतन, ध्यान या बस कुछ न करने के रूप में हो सकता है, और इसका लक्ष्य एक शांतिपूर्ण और सहयोगात्मक समुदाय का निर्माण करना है। नॉन-डूइंग मैराथन और शैक्षिक कार्यक्रम

2025 में doNONdo ने नॉन-डूइंग मैराथन शुरू करने की योजना बनाई है, जो इस वैश्विक आंदोलन को और विस्तारित करेगा। इस मैराथन का उद्देश्य और अधिक प्रतिभागियों को इस अभ्यास में शामिल करना और उन्हें माइंडफुलनेस तकनीकों में दक्ष बनाना है। इसके अतिरिक्त, doNONdo टीम स्कूलों के लिए शैक्षिक कार्यक्रम भी विकसित कर रही है, जो बच्चों को ध्यान और न करने के अभ्यास से परिचित कराएगा। श्रीलंका में एक पायलट कार्यक्रम की तैयारी की जा रही है, जिसमें बच्चों को खेल के माध्यम से माइंडफुलनेस और न करने के अभ्यास से अवगत कराया जाएगा।ब्लॉकचेन और ही3 प्रौद्योगिकी के माध्यम से समुदाय निर्माण doNONdo न केवल एक शांति आंदोलन है, बल्कि एक समकालीन कला पहल भी है।

बहुत जल्द विकसित राष्ट्र बनेगा भारत : शशांक मणि

देवरिया, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह की अध्यक्षता में रविवार को औरा चौरी स्थित कार्यालय पर ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सदर सांसद शशांक मणि ने तिरंगे को सलामी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सदर सांसद ने कहा कि आजादी के 75 साल पूरे हो गए हैं। यह दिन हम भारतीयों को और भी गौरवान्वित करता है।

उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस सिर्फ जश्न का नहीं बल्कि प्रगति का जायजा लेने और उभरती चुनौतियों की तरफ भी देखने का दिन हैं । भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि 15 अगस्त 1947 को हमारा देश गुलामी की बेड़ियों से मुक्त जरूर हो गया था लेकिन देश की शासन व्यवस्था को चलाने के लिए हमारे पास अपना संविधान नहीं था। संविधान के बगैर देश को नहीं चलाया जा सकता। ऐसे में तब एक संविधान सभा का गठन किया गया और संविधान बनाया गया। इसके निर्माण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की सबसे अहम भूमिका रही। यह संविधान ही है जो भारत के सभी जाति और वर्ग के लोगों को एक दूसरे से जोड़े रखता है। दूसरी तरफ पुलिस लाइन में हर्षोल्लास के साथ गणतन्त्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम द्वारा पुलिस लाइन में ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर जनपद देवरिया पुलिस को प्राप्त पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश का प्रशंसा चिन्ह रजत को आज गणतन्त्र दिवस के पावन अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर को प्रदान किया गया।

संभल में 41 तीर्थ चिह्नित, अन्य को तलाशने का काम जारी

नगर पालिका क्षेत्र के तीर्थों और कूपों को संवारने की जिम्मेदारी पालिका की

संभल, एजेंसी। सुप्रसिद्ध धार्मिक और ऐतिहासिक नगरी संभल को पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने की कवायद तेज हो गई है। जनपद में 41 तीर्थों को चिह्नित कर लिया गया है तथा अन्य को चिन्हित करने का काम जारी है।

जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि संभल महात्म्य के अनुसार, नगर और उसके आसपास 68 तीर्थ, 19 कूप हैं, जिसमें पांच तीर्थ प्रमुख हैं। सभी 68 तीर्थ को संवारा जाएगा। जो नगर पालिका के क्षेत्र में तीर्थ और कूप आते हैं उनको संवारने की जिम्मेदारी पालिका की रहेगी। वहीं, जो देहात क्षेत्र में हैं उनको संवारने का काम ग्राम पंचायत और मनरेगा को करना होगा। संभल नगरी को पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना तैयार है।

जिलाधिकारी के अनुसार, प्रशासन द्वारा प्राचीन धरोहर को पुराने स्वरूप में लाने के साथ ही पर्यटकों को उन तक पहुंचाने के लिए मुख्य रास्तों पर नक्शा लगाए जाएंगे, जिससे पर्यटक सीधे उन तीर्थ स्थलों तक पहुंच सकें।

जिलाधिकारी ने बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की टीम द्वारा विगत एक माह में चतुर्मुख ब्रह्म कूप आलम सराय, अमृत कूप दुर्गा कालोनी, अशोक कूप मोहल्ला हल्लू सराय, सप्तसागर कूप सर्थलेश्वर मंदिर मोहल्ला कोट पूर्वी, बलि कूप पुरानी तहसील के पास, धर्म कूप स्थित हयातनगर, ऋषिकेश कूप मोहल्ला कोट पूर्वी, पराशर कूप कल्कि मंदिर के पास मोहल्ला कोट पूर्वी, अकर्ममोचन कूप मोहल्ला ठेर, धरणि वाराह कूप मोहल्ला कोट गर्वी, भद्रका आश्रम तीर्थ होज भदेसरा, स्वर्गदीप तीर्थ सती मठ गांव जलालपुर मोहम्मदाबाद, चक्रपाणि तीर्थ गांव जलालपुर मोहम्मदाबाद, प्राचीन कूप स्थित एक रात वाली मस्जिद के पास मोहल्ला कोट गर्वी, प्राचीन कूप स्थित जामा मस्जिद परिसर मोहल्ला कोट गर्वी, प्राचीन कूप स्थित बाल विद्या मंदिर के सामने मोहल्ला चमन सराय, प्राचीन कूप स्थित न्यारियों वाली मस्जिद मोहल्ला खग्गू सराय, प्राचीन कूप गद्दियों वाला मोहल्ला कोट पूर्वी, प्राचीन कूप स्थित सेठों वाली गली मोहल्ला कोट पूर्वी, प्राचीन कूप मोहल्ला डूंगर सराय, प्राचीन मंदिर व कूप मोहल्ला खग्गू सराय, प्राचीन तीर्थ श्मशान अजीजपुर असदपुर संभल इन कूपों और तीर्थों का सर्वे किया जा चुका है।

कलियुग में भगवान कल्कि संभल में होंगे अवतरित

जनपद संभल का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व बहुत अधिक है। वेदों, पुराणों और शास्त्रों के अनुसार जितना महत्व ऐतिहासिक तौर पर राजपूत और मुगलों से जोड़कर दिया जाता है। उससे कहीं ज्यादा महत्व धार्मिक नजरिए से भी दिया जाता है। स्कंद पुराण में उल्लेख है कि कलियुग में भगवान कल्कि संभल में अवतरित होंगे। इसी मान्यता को जोड़कर संभल को देखा जाता है। वंशगोपाल तीर्थ में भगवान श्रीकृष्ण एक रात ठहरे थे और कदंब के वृक्ष के नीचे विश्राम किया था। इन सभी मान्यता को जोड़ने से महत्व ज्यादा बढ़ जाता है। संभल महात्म्य में सभी तीर्थों और कूपों की एक-दूसरे से दिशा और दूरी दर्ज है। गंगा से दूरी और भगवान कल्कि का अवतरण होने वाले स्थान के बारे में भी उल्लेख किया गया है।

सदियों पुराना हैं कोटपूर्वी का प्राचीन कल्कि विष्णु मंदिर

मोहल्ला कोटपूर्वी का प्राचीन कल्कि विष्णु मंदिर सदियों पुराना है। इसकी देखभाल 250 वर्ष से मध्य प्रदेश के अहिल्याबाई होलकर ट्रस्ट द्वारा की जा रही है। कल्कि विष्णु मंदिर के पुजारी पंडित महेंद्र शर्मा का कहना है कि वह एएसआई द्वारा संरक्षित किए जाने की मांग करते चले आ रहे हैं। इस मंदिर की बनावट भी इसके प्राचीन महत्व को दशार्ती है।

उन्होंने कहा कि इस मंदिर की कार्बन डेटिंग कराई जाए जिससे इसके काल की सही जानकारी सामने आ जाएगी।

मध्य प्रदेश: उज्जैन में आयोजित होगा श्रीगौड़ समाज का सामूहिक विवाह एवं यज्ञोपवीत संस्कार सम्मेलन

बृज कुमार राठौड़/ मध्य प्रदेश: महाकाल की पावन नगरी उज्जैन में आगामी 2 फरवरी 2025 को श्रीगौड़ परिषद मण्डल उज्जैन द्वारा विवाह सम्मेलन एवं यज्ञोपवीत संस्कार आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह मांगलिक आयोजन श्रीगौड़ नवीन परिसर, मंगलनाथ मंदिर के समीप स्थित आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष अशोक जोशी, के.के. पाठक, सुनील शर्मा, मोहनलाल शर्मा, सुधीर शर्मा, आचार्य द्वय पंकज शर्मा, शंशाक पाठक, गिरीश शर्मा और उज्जैन पूर्व पार्षद प्रवीण जोशी शुजालपुर ने संयुक्त रूप से बताया कि यह सामूहिक विवाह सम्मेलन और यज्ञोपवित संस्कार सम्मेलन इस वर्ष फिर से उज्जैन में श्रीगौड़ समाज द्वारा आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत 2 फरवरी को प्रातः 8:30 बजे श्री

गणेश पूजन से होगी, तत्पश्चात 9:30 बजे से 11:30 बजे तक मण्डप गृहशांति एवं यज्ञोपवित संस्कार का आयोजन होगा। दोपहर 12:29 बजे शुभ लग्न (दिवा) में आशीर्वाद समारोह सम्पन्न होगा, जिसमें समाज के सम्मानित व्यक्तियों द्वारा आशीर्वाद प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम का समापन 3:00 से 4:30 बजे तक स्नेहपूर्ण विदाई से होगा। इस सामूहिक विवाह एवं संस्कार समारोह का आयोजन मुख्य आचार्य डॉ. वेदप्रकाश शुक्ल (उज्जैन), पं. कैलाशचन्द्र जोशी (चन्द्रावतीगंज), पं. विवेक शुक्ल (उज्जैन) और अन्य विद्वान आचार्यगण द्वारा सम्पन्न कराया जाएगा। समाज सेवा के इस पुनीत अवसर पर उज्जैन संभाग सहित सम्पूर्ण मध्य प्रदेश के समाजजन हजारों की संख्या में सम्मिलित होंगे। इस कार्यक्रम में शाजापुर जिले सहित मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से समाजजन सहभागिता करेंगे, जो समाज की समृद्धि और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देंगे। समाज अध्यक्ष पुरुषोत्तम जोशी, रमेश दुबे, परसराम जोशी, घनश्याम चौबे, गोपाल शुक्ला, खेमराज पाठक, संतोष पांडेय, कैलाश उपाध्याय, त्रिभुवन जोशी, संतोष जोशी, वीरेंद्र शुक्ला, अशोक जोशी, राजेंद्र जोशी, तरुण तिवारी, शुजालपुर और मनोज दुबे आशीष जोशी कालापीपल, गिरिजा शंकर जोशी, मोहन दुबे पोलायकला, वरुण जोशी, विनोद जोशी शाजापुर और अरविंद जोशी गोलाना, विजय शर्मा अगली, राजेश दुबे रामडी ने इस आयोजन की जानकारी साझा की और सभी समाजजन से सम्मिलित होने की अपील की।

महाराष्ट्र: तहसीलदार पवन पाटील की बड़ी कार्रवाई से रेती माफिया पर लगा अंकुश

सचिन अंबादास

महाराष्ट्र: तहसीलदार पवन पाटील ने अवैध रेती उत्खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्यवाही के चलते पूर्णा नदी के गोळेगाव गांव में अवैध रूप से चल रहे रेती उत्खनन पर कड़ी रोक लगा दी गई है। तहसीलदार पवन पाटील की इस कार्रवाई में लाखों रुपये की मशीनें, जैसे ट्रैक्टर, रेत निकालने वाली केणी मशीन और पंप सेट, जप्त की गईं। यह कार्यवाही जिले में अब तक की सबसे बड़ी मानी जा रही है, क्योंकि इससे पहले प्रशासन को कभी भी इस प्रकार की जप्ती प्राप्त नहीं हुई थी।

स्थानीय लोगों के अनुसार, गांव में कई दिनों से अवैध रूप से रेती, मुरूम और मट्टी का उत्खनन चल रहा था। कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दी गई थीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही थी, जिससे गांव में डर का माहौल बन चुका था। शासन और

प्रशासन को इस पर कोई ठोस कदम उठाने की जरूरत थी, जिसके बाद जिल्हाधिकारी (कलेक्टर) साहेब ने दिनांक 4 जनवरी 2025 को एक संयुक्त कार्रवाई के आदेश दिए। इसके बाद 5 जनवरी 2024 को रेत माफियाओं के खिलाफ छापेमारी की गई। इस छापेमारी में बड़े पैमाने पर अवैध उपकरण और मशीनें जब्त की गईं, जिससे गांववासियों और विशेषकर शेतक ?ी वर्ग में तहसीलदार पवन पाटील की कड़ी कार्रवाई को लेकर चर्चा शुरू हो गई। यह कार्यवाही जळगाव (जामोद) के तहसीलदार पवन पाटील की सख्त और प्रभावी कार्रवाई को लेकर उनकी प्रशंसा को बढ़ावा दे रही है।

उत्तर प्रदेश: ब्लाक मोतिचक ग्राम सभा सिकटिया में पीएचसी का निर्माण अब तक नहीं हुआ, स्थानीय निवासियों ने उठाई मांग

शशि प्रकाश/ उत्तर प्रदेश: सिकटिया ग्राम सभा, मोतिचक ब्लाक में 2004 में पीएचसी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) के लिए जमीन आबंटित की गई थी, लेकिन प्रशासनिक लापरवाही के कारण अब तक इसका निर्माण नहीं हो सका है।

तत्कालीन ग्राम प्रधान अशोक कुमार सिंह द्वारा 83 डिसमिल जमीन पीएचसी के नाम आबंटित की गई थी, और तब से लेकर अब तक इसका निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया। ग्राम सभा के निवासियों का कहना है कि पीएचसी का निर्माण न होने से उन्हें इलाज के लिए 9 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। स्थानीय लोग मानते हैं कि यदि यहां पीएचसी बनता है, तो आसपास के कई दर्जन गांवों के

लोग लाभान्वित होंगे। पूर्व ग्राम प्रधान अशोक कुमार सिंह, दीपेंद्र सिंह एडवोकेट, संजय यादव, सत्येंद्र सिंह, ओमप्रकाश सिंह, जसपाल सिंह, रामेश्वर कुशवाहा, सिंहासन कुशवाहा, रामदुलारे यादव और वर्तमान प्रधान जमुना सागर देवानंद समेत अन्य ग्राम सभा के निवासियों ने इस पीएचसी के निर्माण की मांग उठाई है। स्थानीय लोग प्रशासन से इस मुद्दे पर शीघ्र ध्यान देने की अपील कर रहे हैं ताकि ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें और उन्हें इलाज के लिए दूर-दूर नहीं जाना पड़े।'

उत्तराखंड: कालाढूंगी में बनेगी बसपा की सरकार: रिहाना परवीन ने किया दावा

नदीम आलम

उत्तराखंड: कालाढूंगी नगर पालिका के अध्यक्ष पद की बसपा प्रत्याशी रिहाना परवीन ने नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से अपना चुनावी प्रचार तेज कर दिया है। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि इस बार कालाढूंगी में बसपा की सरकार बनने जा रही है। बसपा प्रत्याशी रिहाना परवीन के समर्थन में उनके पति और नगर पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष अली हुसैन ने कालाढूंगी बाजार, वार्ड नंबर एक और वार्ड नंबर दो में कई नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बसपा प्रत्याशी को अपना समर्थन दें और विकास के रास्ते पर कालाढूंगी को आगे बढ़ाएं।

अली हुसैन ने कहा कि इस बार उन्हें भारी जन समर्थन मिल रहा है और उनका विश्वास है कि

कालाढूंगी में बसपा की ऐतिहासिक जीत होगी।<

उन्होंने आगे कहा, "अगर जनता ने हमें आशीर्वाद दिया और हमें कालाढूंगी का प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया, तो हम यहां विकास कार्यों की गंगा बहाएंगे और नगर पालिका क्षेत्र में समग्र विकास सुनिश्चित करेंगे। बसपा की चुनावी रणनीति के तहत विभिन्न स्थानों पर आयोजित इन नुक्कड़ सभाओं ने नगर पालिका चुनाव को लेकर जन समर्थन जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस दौरान प्रत्याशी और उनके समर्थकों ने अपनी पार्टी की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को मतदाताओं तक पहुंचाया।

एक नजर

सब्जियों के उचित दाम न मिलने से सड़क पर सब्जी फेंकने को मजबूर किसान

इन्द्री। इन्द्री के गांव सांतड़ी के रहने वाले एक किसान को कड़ी मेहनत से तैयार की गई अपनी ही फसल को सड़क पर फैंकने पर मजबूर होना पड़ रहा है। किसान ने करनाल -यमुनानगर मार्ग पर अपने खेतों के सामने सड़क पर अपनी सब्जी की फसल के ढ़ेर लगा दिए है और बाकि बची फसल पर ट्रैक्टर चला दिया है। गौरतलब है कि मौजूदा समय में मूली व गोभी की सब्जी की खेती करने वाले किसानों को बहुत ही सस्ते दामों पर अपनी सब्जी को बेचने पर मजबूर होना पड़ रहा है। आजकल इन सब्जियों के भाव लागत से भी बहुत कम मिल रहे हैं। उपमंडल के गांव सांतड़ी के रहने वाले किसान शुभकिरण ने बाजार से मंहगा बीज खरीद कर अपने लगभग डेढ़ एकड़ के खेत में मूली की खेती की थी,लेकिन जब मूली की फसल तैयार हुई तो बाजार में इसका भाव लागत से कहीं ज्यादा कम हो गया। बाजार में इसका कोई खरीददार ना होने पर किसान को काफी ज्यादा नुकसान हो रहा था तो किसान शुभकिरण को मजबूरन अपनी ही फसल को सब्जी मंडी में कम भाव के चलते बेचने की बजाए सड़क पर ही गिराना पड़ा। किसान ने बताया कि उसने हजारों रूपयों की लागत से कड़ी मेहनत से इस मूली की खेती को तैयार किया था लेकिन तैयार होने पर इसका कोई खरीददार नहीं मिला तो उसके पास इसके अतिरिक्त कोई विकल्प शेष नहीं बचा ओर उसे मजबूरन मूली की फसल को सड़क पर ही फैंकना पड़ा। वहीं किसान नेता रतनमान ने कहा कि सरकार को सब्जी उत्पादक किसानों की सुध लेनी चाहिए। आज बाजार में मूली व गोभी की फसल का कोई खरीददार नहीं है और इन सब्जियों के रेट लागत से कहीं ज्यादा नीचे आ गए है। सब्जी उत्पादक किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि कई किसान संगठन पिछले काफी समय से फसलों पर एमएसपी की मांग रहे है लेकिन सरकार कोई सुनवाई नहीं कर रही है। किसान आर्थिक गुलाम हो रहे है। इस बात का सरकार व प्रशासन को संज्ञान लेना चाहिए ओर सब्जी उत्पादक किसानों की आर्थिक मदद करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन्मदिन पर विधायक जगमोहन आनंद ने दी बधाई

करनाल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन्मदिन के अवसर पर करनाल के विधायक जगमोहन आनंद ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की। इसके साथ-साथ उन्होंने आपकी रसोई के माध्यम से कंजकों को खाना खिलाया। उन्होंने मुख्यमंत्री की दीघार्यु की कामना की। इस दौरान विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि लोकतंत्र में जननायक एक ऐसा शब्द है जो लोकतंत्र के पूरे आदर्श और विचार को प्रतिबिंबित करता है। आज का दिन ऐसे ही एक जननायक को समर्पित है। हरियाणा प्रदेश के युवा जननायक , कर्मठ स्वयंसेवक और जनता के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का जन्मदिवस है। भाजपा के एक सामान्य कार्यकर्ता के पद से उठकर प्रदेश की कमान संभालने तक उनका व्यक्तित्व, सादगी और कार्यों को धरातल पर उतारने की उनकी क्षमता हमेशा एक जैसी रही है। इस मौके पर करनाल की पुरानी सब्जी मंडी स्थित अन्नापूर्णा स्टोर के सामने जेबीडी समाज कल्याण समिति द्वारा आयोजित "आपकी रसोई" का 166वां सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर कंजकों को भोजन करवाकर उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। उन्होंने बताया कि जेबीडी समाज कल्याण समिति प्रत्येक सप्ताह मात्र 10 में लोगों को भरपेट स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध करवाती है। संस्था के भारत भूषण कपूर इसके लिए बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि भारत भूषण कपूर बेहतर काम कर रहे हैं। इस अवसर पर विधायक जगमोहन आनंद ने भारतीय संविधान के रचयिता, देश को नई दिशा देने वाले, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी को भी श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि बाबा साहब जी ने संविधान के रूप में देश को एक पवित्र ग्रंथ भेंट किया जो हम सभी का सर्वोच्च मार्गदर्शक है। इस अवसर पर शहरी मंडल अध्यक्ष मोहन लोथी, नवीन दत्ता, ललित चौधरी व अन्य वरिष्ठजन मौजूद रहे।

प्रत्येक मत लोकतांत्रिक प्रणाली की सुदृढ़ता के लिए जरूरी : सरीन

सिरसा। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शनिवार को स्थानीय विवेकानंद बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एडीसी लक्षित सरीन ने कहा कि प्रत्येक मतदाता को जाति, धर्म से ऊपर उठकर तथा बिना किसी प्रलोभन के सही व्यक्ति की पहचान कर अपने मत का प्रयोग जरूर करना चाहिए। संविधान में मत का अधिकार व्यक्ति के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। प्रत्येक व्यक्ति का मत लोकतांत्रिक प्रणाली की सुदृढ़ता के लिए जरूरी है। उन्होंने उपस्थित सभी को मतदाता शपथ भी दिलाई और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर तहसीलदार चुनाव हनुमान दास, जिला शिक्षा अधिकारी बूटा राम भी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय मतदाता दिवस व संविधान दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तर पर करवाई गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा विधानसभा अनुसार बीएलओ को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वाद विवाद प्रतियोगिता में भूमिका प्रथम, दीक्षा द्वितीय व नीता ने तृतीय स्थान प्राप्त करने पर क्रमशः 1000, 700 व 500 रुपये नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उत्तर प्रदेश: संदिग्ध अवस्था में मिली युवक का शव, पुलिस ने शुरू की जांच

रघुवेंद्र मिश्रा / उत्तर प्रदेश: रामकोला थाना क्षेत्र के ग्राम सभा टेकुआटार सिहोरवा टोला निवासी 25 वर्षीय सरोज पुत्र रियासत का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फाजिलनगर के समीप बरामद हुआ। शव को पुलिस ने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों को सरोज की मौत की सूचना मिलने पर उनका रो-रो कर बुरा हाल हो गया। परिजनों के अनुसार, सरोज कल रात घरवालों से बिना बताए घर से बाहर निकला था और उसकी मृत्यु की खबर सुबह मिली। सरोज के बारे में बताया गया कि वह एक होनहार और मिलनसार व्यक्ति था,

जिसका किसी से कोई विवाद नहीं था। उसकी मौत से पूरा गांव शोक में डूबा हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत के कारणों का पता लगाया जाएगा। मामले की जांच जारी है।

उत्तर प्रदेश: स्वामित्व योजना के तहत सिधुआ मिश्रौली के 150 लोगों को मिला संपत्ति कार्ड

पवन तिवारी

उत्तर प्रदेश: स्वामित्व योजना के तहत सिधुआ मिश्रौली गांव में शनिवार को 150 लाभार्थियों को संपत्ति कार्ड का वितरण किया गया। यह वितरण कार्यक्रम सिधुआ मिश्रौली पंचायत भवन के सभागार में सुबह 11 बजे से शुरू हुआ। इस अवसर पर गांव के ग्राम प्रधान ललन प्रसाद और प्रधान प्रतिनिधि आलोक शुक्ला ने लाभार्थियों को घरौनी कार्ड सौंपे। प्रधान प्रतिनिधि आलोक शुक्ला ने बताया कि गांव के लगभग 150 परिवारों को घरौनी कार्ड वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना का उद्देश्य ग्रामीणों को सशक्त बनाना है। अब जिन परिवारों के पास यह संपत्ति कार्ड है, वे अपनी भूमि को वित्तीय संपत्ति के रूप में

उपयोग कर सकेंगे, खासकर उन लोगों के लिए जो डीह की जमीन पर बसे थे। यह योजना ग्रामीणों के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम में पंचायत सहायक विद्या कुमारी, ग्राम रोजगार सेवक विजय कुमार समेत अन्य सम्मानित लोग उपस्थित थे।इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्बोधन भी सजीव प्रसारण के माध्यम से दिखाया गया, जिसमें उन्होंने स्वामित्व योजना के महत्व और इसके लाभों के बारे में बताया।

उत्तर प्रदेश: ग्राम सिकटिया टोला में 4 वर्षीय बच्ची की रक्त संक्रमण के कारण मौत, स्वास्थ्य विभाग को सजग होने की जरूरत

शशि प्रकाश/ उत्तर प्रदेश: मोतिचक ब्लाक के ग्राम सभा सिकटिया टोला के गणेरीपट्टी निवासी लहबर चौधरी की नातिन शैलेश की पुत्री प्रिया (4 वर्ष) का 22 तारीख को रात में निधन हो गया। बच्ची का उपचार गोरखपुर में चल रहा था और मृत्यु का कारण रक्त संक्रमण बताया जा रहा है। परिवार के सदस्यों का कहना है कि बच्ची को मस्तिष्क ज्वर हुआ था, और उसका इलाज भी उसी के तहत किया जा रहा था। इसके बावजूद बच्ची की मौत ने गांववासियों को गहरे शोक में डाल दिया है और सभी लोग इस बीमारी को लेकर भयभीत हैं। समस्त ग्रामवासी इस दुखद घटना से प्रभावित हैं और स्वास्थ्य विभाग से आग्रह कर रहे हैं कि वह इस तरह की बीमारियों से बचाव के उपायों के लिए सजग हों।

स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को इस बीमारी के प्रति तुरंत कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि अन्य बच्चों को इस प्रकार के खतरों से बचाया जा सके। इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया जा रहा है और परिवार के लोग इस मुश्किल घड़ी में समाज से सहानुभूति की उम्मीद कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार प्रगति पथ पर अग्रसर : गिरीश चंद्र यादव

जौनपुर, एजेंसी। 76वां गणतंत्र दिवस समारोह उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ रविवार को जिले में समारोह पूर्वक मनाया गया। पुलिस लाइन में आयोजित मुख्य समारोह में उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण किया और भव्य परेड की सलामी ली। पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने भी परेड का निरीक्षण किया। परेड का नेतृत्व आईपीएस आयुष श्रीवास्तव ने किया।

कार्यक्रम की शुरूआत प्रभात फेरी से हुई, जिसने पूरे जिले में देशभक्ति का माहौल बना दिया। सभी सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र और दीवानी न्यायालय में जिला जज द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्होंने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि और पुलिस अधीक्षक ने परेड कमांडरों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हए राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने देश को आजाद करने वाले शहीदों को नमन करते हुए कहा कि देश को आजाद करने वाले महात्मा गांधी, भगत सिंह, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, बिस्मिल्लाह खान, सरदार भगत सिंह, लाला लाजपत राय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय को नमन करता हूं। जिसके कारण आज हम आजाद भारत में स्वतंत्रता की सांस ले रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार प्रगति पथ पर अग्रसर है। आज भारत देश ॠ20 की मेजबानी कर चुका है। तमाम ऐसे देश जो कभी भारत को नीची निगाह से देखते थे। आज भारत उनके बराबर कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। केंद्र सरकार द्वारा तमाम तरह की योजनाएं संचालित की जा रही है, जिसके कारण देश से गरीबी मिट रही है। भारत देश आज विश्व पटल के मानचित्र पर स्थापित है। सेना और पुलिस के जवानों के कारण ही आज हम आराम से घूम रहे हैं इनका भी हम नमन वंदन करते हैं।

इस अवसर पर न्यायिक, प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ-साथ प्रमुख नागरिकों की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से परेड का उत्साहवर्धन किया, जिससे पूरा वातावरण देशभक्ति से ओत-प्रोत हो गया।

संपादकीय

स्वतंत्र भारत के गणतंत्र के 75 वर्ष

26 जनवरी गणतंत्र की एक और वर्षगांठ। एक बार फिर विवेचना। 'गण' और 'तंत्र' के सबंधों की पड़ताल करने का अवसर। इस बात पर गर्व करने का अवसर भी विश्व को गणतंत्र का पाठ हमने ही पढ़ाया गया था। हजारों वर्ष पहले भी भारतवर्ष में अनेक गणराज्य थे, जहाँ शासन व्यवस्था अत्यंत सुदृढ़ थी और जनता सुखी थी। गण शब्द का अर्थ संख्या या समूह से है। गणराज्य या गणतंत्र का शाब्दिक अर्थ संख्या अर्थात बहुसंख्यक का शासन है। इस शब्द का प्रयोग ऋग्वेद में चालीस बार, अथर्व वेद में नौ बार और ब्राह्मण ग्रंथों में अनेक बार किया गया है। वहाँ यह प्रयोग जनतंत्र तथा गणराज्य के आधुनिक अर्थों में ही किया गया है।

वैदिक साहित्य में, विभिन्न स्थानों पर किए गए उल्लेखों से यह जानकारी मिलती है कि उस काल में अधिकांश स्थानों पर हमारे यहाँ गणतंत्रीय व्यवस्था ही थी। कालांतर में, उनमें कुछ दोष उत्पन्न हुए और राजनीतिक व्यवस्था का झुकाव राजतंत्र की तरफ होने लगा। ऋग्वेद के एक सूक्त में प्रार्थना की गई है कि समिति की मंत्रणा एकमुख हो, सदस्यों के मत परंपरानुकूल हों और निर्णय भी सर्वसम्मत हों। कुछ स्थानों पर मूलतः राजतंत्र था, जो बाद में गणतंत्र में परिवर्तित हुआ। महाभारत के सभा पर्व में अर्जुन द्वारा अनेक गणराज्यों को जीतकर उन्हें कर देने वाले राज्य बनाने की बात आई है। महाभारत में गणराज्यों की व्यवस्था की भी विशद विवेचना है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में भी लिच्छवी, बृजक, मल्लक, मदक और कम्बोज आदि जैसे गणराज्यों का उल्लेख मिलता है। उनसे भी पहले पाणिनी ने कुछ गणराज्यों का वर्णन अपने व्याकरण में किया है। आगे चलकर यूनानी राजदूत मेगास्थनीज ने भी क्षुदक, मालव और शिवि आदि गणराज्यों का वर्णन किया।

सैंकड़ो वर्षों की गुलामी और आजादी के नाम थोपे गए विभाजन, विश्व के सबसे बड़े रक्तपात की पीड़ा और उत्पाती पड़ोसी के बाद 26 जनवरी 1950 को पुनः गणतंत्र बने भारत ने 75 वर्षों में अनेक आँधी-तूफानों को झेला है। उत्तर तथा पश्चिम से हमले झेले तो अनाज की भयंकर कमी का दौर भी देखा। आयातित घटिया लाल गेहूं के दिनों को पीछे छोड़ते हुए हमने न केवल आत्मनिर्भरता हासिल की बल्कि निर्यात भी किया और खुले में पड़ी अनाज की हजारों बोरियों को बर्बाद होते भी चुपचाप देखा। आज स्थिति यह है कि हमारी सरकारों के पास अनाज रखने की पर्याप्त जगह नहीं है। जगह है तो तकनीक नहीं, स्टाफ नहीं। सबकुछ है तो संकल्प नहीं है। हमारे वैज्ञानिकों ने चांद पर अपने कदमों के निशान सहित अनेक चमत्कार कर दिखाये तो आज हमारी सूचना प्रौद्योगिकी का लोहा सारी दुनिया मानती है।

> भारतीय लोकतंत्र दुनिया का विशालतम लोकतंत्र है और समय के साथ परिपक्व भी हुआ है। बावजूद इसके लोकतंत्र अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं का भी शिकार है। मुख्यतः चुनाव प्रक्रिया में अनेक छिद्र हैं, सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा छिद्र चुनावों की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता को लेकर है। खरीद-फरोख्त, नशा एवं मतदाताओं को लुभाने एवं आकर्षित करने का आरोप भी लोकतंत्र पर बड़े दाग हैं। चुनाव सुधारों की तरफ हम चाह कर भी बहुत तेजी से नहीं चल पा रहे हैं। चुनाव आयोग जैसी बड़ी और मजबूत संस्था की उपस्थिति के बाद भी चुनाव में धनबल, बाहूबल एवं सत्ताबल का प्रभाव कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है।

लोकतंत्र को मजबूती देने के लिये मतदाता को जागना होगा

-ललित गर्ग-

भारत में राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को मनाया जाता है। विश्व में भारत जैसे सबसे बड़े लोकतंत्र में मतदान को लेकर कम होते रुझान को देखते हुए इस दिवस को मनाने की आवश्यकता महसूस हुई और पहली बार इसे वर्ष 2011 में मनाया गया। इसके मनाए जाने के पीछे निर्वाचन आयोग का उद्देश्य था कि देश अधिकतम मतदान को प्रोत्साहन दिया जाये। ह्यमतदाता बनने पर गर्व है, मतदान को तैयार हैंह्न जैसे नारों के साथ मतदान दिवस मनाने का मुख्य कारण है कि लोगों को मतदान का महत्व बताया जाए ताकि लोग इसके प्रति जागरूक हो और अपने मत का आवश्यकतरूप से उपयोग करते हुए सही उम्मीदवार को चुने। 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस-2025 की थीम है वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम। ऐसा करके ही लोकतंत्र को मजबूती दी जा सकती है। पिछले कुछ वर्षों में इसने मतदान के अधिकार के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेषतः युवा मतदाताओं को पंजीकृत करने, उन्हें मताधिकार का उपयोग करने के लिये अग्रसर और प्रेरित करने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका बनी है। चुनाव आयोग इस मंच का उपयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों में योगदान देने वाले अधिकारियों, हितधारकों और संगठनों के प्रयासों को मान्यता देने के लिए भी करता है। यह लोकतांत्रिक मील का पत्थर बना है और भारत के लोकतंत्र के 78 वर्षों की यात्रा और चुनावी अखंडता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता के लिये इसे जश्न रूप में मनाया जाता है।

किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। इसलिये इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए, क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है और उन्नत राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी निभाता है। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं बैठता अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाकर नायक चुनती है। लेकिन जनता तिलक किसको लगाये, इसके लिये सब तरह के साम-दाम-दंड अपनाये जा रहे हैं। हर राजनीतिक दल अपने लोकलुभावन वायदों एवं घोषणाओं को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बता रहे हैं, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है। लेकिन ऐसा होता तो आजादी के अमृतकाल तक पहुंच जाने के बाद भी देश गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याओं से नहीं जुझता दिखाई देता। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि ह्वअगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।ह्न इसलिये यह दिवस मतदाता को जागरूक करने के साथ प्रशिक्षित भी करता है।

भारतीय लोकतंत्र दुनिया का विशालतम लोकतंत्र है और समय के साथ परिपक्व भी हुआ है। बावजूद इसके लोकतंत्र अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं का भी शिकार है। मुख्यतः चुनाव प्रक्रिया में अनेक छिद्र हैं, सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा छिद्र चुनावों की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता को लेकर है। खरीद-फरोख्त, नशा एवं मतदाताओं को लुभाने एवं आकर्षित करने का आरोप भी लोकतंत्र पर बड़े दाग हैं। चुनाव सुधारों की तरफ हम चाह कर भी बहुत तेजी से नहीं चल पा रहे हैं। चुनाव आयोग जैसी बड़ी और मजबूत संस्था की उपस्थिति के बाद भी चुनाव में धनबल, बाहूबल एवं सत्ताबल का प्रभाव कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है। ये तीनों ही हमारे प्रजातंत्र के सामने सबसे बड़ा संकट है। इन सब संकटों से मुक्ति के लिये मतदाता की जागरूकता की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पहलू चुनाव है, लोकतंत्र में स्वस्थ मूल्यों को बनाये रखने के साथ उसमें सभी मतदाताओं की सहभागिता को सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिये चुनाव आयोग का आरईवीएम के प्रयोग का प्रस्ताव सैद्धांतिक तौर पर एक सराहनीय एवं जागरूक लोकतंत्र की निशानी है। क्योंकि आजादी के बाद से ही जितने भी चुनाव हुए है, उनमें लगभग आधे मतदाता अपने मत का उपयोग अनेक कारणों नहीं कर पा रहे हैं, ऐसा हर चुनाव में होता आया है। इसलिए लंबे समय से मांग उठती रही थी कि ऐसे लोगों के लिए मतदान का कोई व्यावहारिक एवं तकनीकी उपाय निकाला जाना चाहिए। उसी के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के द्वारा घरेलू प्रवासियों के लिए आरवीएम का प्रस्ताव एक सूझबूझभरा एवं दूरगामी सोच एवं विवेक से जुड़ा उपक्रम है। जरूरत है राजनीतिक दल ऐसे अभिनव उपक्रम का विरोध करने या अवरोध खड़ा करने की बजाय उसका अच्छाइयों को स्वीकार करते हुए स्वागत करें।

इनदिनों दिल्ली विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां उग्रता पर है और इसमें मुफ्त की रेवडियां बांटने की होड़-सी लगी है। लोकतन्त्र में यह मुफ्त बांटने की मानसिकता एक तरह का राजशाही का अन्दाज ही कहा जायेगा जो लोकतंत्र के मूल्यों के विपरीत है। लोकतंत्र में कोई भी सरकार आम जनता की सरकार ही होती है और सरकारी खजाने में जो भी धन जमा होता है वह जनता से वसूले गये शुल्क या टैक्स अथवा राजस्व का ही होता है। राजशाही के विपरीत लोकतन्त्र में जनता के पास ही उसके एक वोट की ताकत के भरोसे सरकार बनाने की चाबी रहती है। दरअसल, जनता के हाथ की इस चाबी को अपने पक्ष में घुमाने एवं जीत का ताला खोलने के लिये यह मुफ्त की संस्कृति एक राजनीतिक विकृति के रूप में विकसित हो रही है। वृद्धों को मुफ्त धार्मिक यात्रा-पेंशन, युवाओं को रोजगार देने का वायदा, महिलाओं को नगद राशि एवं मुफ्त बस सफर हो या बिजली-पानी या गैस सिलेंडर। हालात यह हो गए है कि इस मामले में लगभग सभी पार्टियों के बीच एक होड़ जैसी लग गई है कि मुफ्त के वादे पर कैसे मतदाताओं से अपने पक्ष में लुभा कर मतदान कराया जा सके।

अफगानिस्तान में पश्तूनावली की चेतना

-कुलदीप चंद अग्निहोत्री-

यही मूल अंतर है जिसे पाकिस्तान के लोग तो शायद समझ रहे हैं, लेकिन अपने राजनीतिक स्वार्थों के कारण वहां के हुक्मरान नहीं समझ रहे। पाकिस्तान के हुक्मरान अपने देश के लोगों को इस्लाम के नाम पर उनकी सनातन सांस्कृतिक चेतना से तोड?ा चाहते हैं। पश्तून इसके लिए तैयार नहीं हैं। न तो डूरंड रेखा के इस ओर के पश्तून और न ही उस ओर के पश्तून। यही कारण है कि दशकों तक तालिबान की मदद के बावजूद आज फिर पाकिस्तान और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार आमने-सामने हैं और और भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी तालिबान सरकार के विदेश मंत्री से सार्थक बातचीत कर रहे हैं। पाकिस्तान को पश्तूनावली की सांस्कृतिक चेतना को पहचानना होगा। यही कारण है कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पश्तून अपने आपको पाकिस्तान की बजाय भारत के ज्यादा नजदीक समझता हैङ्क

अफगानिस्तान की सरकार को किसी भी देश की सरकार ने मान्यता नहीं दी है। चीन सरकार पिछले कुछ अरसे से जरूर उससे पींघे बढ़ा रही थी। पाकिस्तान पिछले लंबे अरसे से अफगानिस्तान को अपने इलाके का पिछवाड़ा मान कर उसके साथ व्यवहार कर रहा था। उसका प्रमुख कारण अफगानिस्तान की भू-राजनीतिक स्थिति कही जा सकती है। अफगानिस्तान पर रूस के हमले ने पाकिस्तान की स्थिति प्रासंगिक बना दी थी। अमेरिका को हर हालत में मध्य एशिया के इस अंतिम देश, जो अभी तक रूस की छत्रछाया में आने से बचा हुआ था, उसको रूस की इस प्रेतछाया से मुक्त करना था। उसे इसके लिए पाकिस्तान का साथ चाहिए था। उसके लिए अमेरिका ने पैसा और हथियार दिया और पाकिस्तान ने पश्तूनों (पठानों) को नए हथियारों का प्रशिक्षण दिया। तालिबान के नाम से पश्तून योद्धाओं की एक नई पौध तैयार हो गई। इसकी तैयारी और प्रशिक्षण में इस्लाम को केन्द्र बनाया गया। यानी रूस के हमले से अफगानिस्तान खतरे में पड गया है। किसी ने यह सवाल नहीं पूछा कि अफगानिस्तान में इस्लाम की रक्षा के लिए आखिर अमेरिका इतना व्याकुल क्यों है? खैर, रूस ने तो अफगानिस्तान को छोड़ दिया। फिर नई सरकार बनी जिस पर आरोप था कि वह अमेरिका की समर्थक है। तालिबान के प्रशिक्षण में जो पाठयक्रम पढ़ाया गया था, उसमें देश की रक्षा के साथ-साथ इस्लाम की रक्षा के भी अध्याय थे। अमेरिका जिस पश्चिमी सभ्यता का रहनुमा है, वह इस्लाम विरोधी है, इसकी भनक भी तालिबान को अब तक लग चुकी थी। इसलिए तालिबान का नया निशाना नई सरकार ही थी। अमेरिका को यह नई सरकार बनानी ही थी ताकि उसका वर्चस्व अफगानिस्तान में बना रहे।

उसे इस देश को नियंत्रण में रखना था, जहां तीन साम्राज्य भारत, चीन और रूस मिलते हैं। अब उसे फिर पाकिस्तान की जरूरत थी। इस बार अफगानिस्तान के शहरों में केवल अमेरिका की फौजें ही नहीं थीं, बल्कि उसके साथ अमेरिका के सहयोगी यूरोप के अन्य देशों की फौजें भी थीं। पाकिस्तान की स्थिति और भी प्रासंगिक हो गई। वह ओसामा बिन लादेन को छिपा भी रहा था और मरवा भी रहा था। तालिबान को भी पाकिस्तान की जरूरत थी। अमेरिका को तो थी ही। लेकिन इस लम्बी लड़ाई में जब हर रोज अमेरिकी सैनिकों के ताबूत वाशिंगटन डीसी में पहुंचने लगे तो अमेरिका के लोग ही नक्शे में अफगानिस्तान की तलाश करने लगे और उसे अमेरिका से इतनी दूर देख कर सवाल करने लगे कि आखिर इतने दूर के देश में हम अपने जिंदा सैनिकों को लाशें में, क्या प्राप्त करने के लिए तबदील कर रहे हैं? इस सवाल का जवाब सरकार के लिए आम जनता को देना मुश्किल था। जब जवाब देना मुश्किल हो गया तो ह्यसैम अंकलह्न ने पश्तूनों के देश से निकल आने का ही फैसला कर लिया। जाहिर है वे सत्ता तालिबान को सौंप कर ही आते। तालिबान से समझौता करने में फिर पाकिस्तान की जरूरत थी। अपने सारे हथियार वहीं छोडकर अमेरिका तो 2021 में काबुल से चला गया। अब राष्ट्रपति अब्दुल गनी की सरकार और तालिबान की सेना आमने-सामने थी। जाहिर है पाकिस्तान तालिबान के साथ था या यूं कहा जा सकता है कि वह अब्दुल की सरकार को उखाडकर पाकिस्तान समर्थक सरकार बनाने का प्रयास कर रहा था। अगस्त 2021 में अब्दुल गनी को भागना पड़ा और काबुल में तालिबान की सरकार बन गई, जिसे पाकिस्तान गलती से अपनी सरकार मानने लगा। अपनी सरकार यानी भारत विरोधी सरकार। दरअसल काबुल की सरकार को वह अपनी सरकार दो कारणों से मान रहा था। पहला कारण तो यह था कि पाकिस्तान ने तालिबान का निर्माण किया था और दूसरा यह कि तालिबान भी इस्लाम की रक्षा के लिए लड़ रहा था और पाकिस्तान का तो जन्म ही इस्लाम की रक्षा के लिए हुआ था। सब देशों ने अपने दूतावास काबुल में बंद कर दिए। भारत ने प्रतीकात्मक रूप से अपना दूतावास बनाए रखा। इस आकलन में इस्लामाबाद शायद एक भूल कर गया। वह भूल डूरंड रेखा को न समझ पाने की थी। ब्रिटिश सरकार भारत से जाने और विभाजित करने से पहले अफगानिस्तान और भारत के मध्य में एक रेखा खींच गई थी, जिसे डूरंड रेखा कहा जाता है। लेकिन पश्तून इस डूरंड रेखा के दोनों ओर रहते हैं। अंग्रेजों के भारत में आने से पहले यह डूरंड रेखा नहीं थी, पश्तून पूरे देश में घूमते थे। कुछ सौ साल पहले इस्लाम स्वीकार करने के बावजूद उनकी सांस्कृतिक चेतना नहीं बदली थी। लेकिन डूरंड रेखा ने उनको बांटने की कोशिश की। इतना ही नहीं, उसके बाद पाकिस्तान बना कर उन्हें हिंदुस्तान से काट दिया। अब तक के पश्तूनों के हुए सबसे बड़े नेता खान अब्दुल गफ्फार खान, अंग्रेजों की इसी राजनीतिक गुंडागर्दी से लड़ते रहे थे।

एक्टर के हर एक्ट पर सवाल करती सियासत

-राकेश अचल-

सैफ अली खान एक अभिनेता हैं इसलिए उनकी हर गतिविधि क्या अभिनय होती है? ये सवाल हमने-आपने नहीं बल्कि महाराष्ट्र के सियासतदानों ने उठाया है। सैफ पर हमला ही अब सियासी मुद्दा हो गया है। किसी को यकीन ही नहीं हो रहा कि जानलेवा हमले के बाद सैफ मात्र 3 दिन में तंदुरुस्त होकर अपने घर आ सकते हैं। क्योंकि आम आदमी तो कम से कम एक पखवाड़े तक पलंग नहीं छोड़ सकता। आम आदमी में किसी अभिनेता जितनी कूबत ही नहीं होती।

मैं अक्सर कहता हूँ कि हमारे मुल्क में सियासत मुद्दों पर नहीं होती, सियासत बेसिर -पैर की होती है। और जब होती है तो होती ही चली जाती है। सियासत का ये चरित्र बदलना आसान नहीं है। ये कलिकाल की नहीं मोदी युग की देन है और इसके लिए किसी एक को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। अभिनेता सैफ अली खान की अस्पताल से छुट्टी के बाद प्रदेश सरकार के एक मंत्री नितेश राणे ने सवाल उठाए हैं। उनका मानना है कि सैफ पर हमला संदिग्ध हो सकता है। राणे ने राजनीतिक नेताओं पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए हिंदू कलाकारों की उपेक्षा की बात कही और बढ़ते बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुद्दे पर चिंता जताई। अब ये राणे कौन से नेता हैं, ये बताने की जरूरत नहीं है।

सैफ के ऊपर सवाल खड़े करने वाले राणे अकेले नहीं है। शिवसेना नेता संजय निरुपम ने एक बड़ा सवाल खड़ा किया है. उन्होंने हमले की घटना का जिक्र करते हुए इतनी जल्दी ठीक होने पर कहा कि सैफ को 16 जनवरी की घटना के बारे में बताना चाहिए। निरुपम भले ही दलबदलू किन्तु अनुभवी नेता हैं इसलिए उन्होंने अपना सवाल बड़ी ही नजाकत के साथ किया है। निरुपम ने कहा कि 16 जनवरी को सैफ अली खान के साथ जो कुछ भी हुआ, वह बेहद चिंताजनक है. हम परिवार के साथ हैं. सैफ को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और बाहर वह ऐसे दिखे हैं जैसे वह शूटिंग करने के लिए फिट हैं. यह देखना आश्चर्यजनक है. डॉक्टरों ने कहा था कि चाकू उनकी पीठ में 2.5 इंच तक घुस गया था, जिसके लिए छह घंटे का ऑपरेशन करना पड़ा. चिकित्सकीय रूप से इतनी जल्दी ठीक होना कैसे संभव है?

भाजपा पहले ही सैफ पर हमले को अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा बना चुकी है, क्योंकि महाराष्ट्र की पुलिस ने सैफ पर हमले के आरोप में जिस आरोपी को पकड़ा है वो संयोग से बांग्लादेशी है। भाजपा के लिए बांग्लादेशी घुसपैठिये चुनावी मुद्दा रहे हैं, ये बात और है कि केंद्र में भाजपा की सरकार ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को बाकायदा सरकारी मेहमान बनाकर शरण दी हुई है। बांग्लादेश के लोग भी इससे हैरत में हैं और भारतीय जनता पार्टी के लोग भी, लेकिन भाजपा का कोई नेता अपने पंत प्रधान से हसीना के बारे में सवाल करे कैसे? भाजपा में तो सवाल करना ही राष्ट्रद्रोह माना जाता है, बल्कि यूं कहिये कि घोषित गैरजमानती अपराध है।

नेशनल कांफ्रेंस के सदर और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ फारुख अब्दुल्ला ने सैफ के जल्द ठीक होने पर तो कोई बात नहीं की लेकिन उन्होंने सैफ के कथित हमलावर के बहाने पूरे बांग्लादेशियों को अपराधी माने जाने की निंदा की है। उनका कहना है कि किसी एक व्यक्ति की गलती का ठीकरा पूरे देश पर नहीं फोड़ा जा सकता। लेकिन डॉ अब्दुल्ला की नसीहत भाजपा वाले या शिव सेना वाले क्यों मानने लगे? भाजपा और शिव सेना के नेता और कार्यकर्ता खुद अपने दिल की ही नहीं मानते। इन पार्टियों के नेताओं को न सैफ पर भरोसा है और न चिकित्सा विज्ञान पर। ये देह की जीवनशक्ति के बारे में भी कुछ नहीं जानते। ये लोग केवल और केवल हिन्दू और मुसलमान जानते हैं। इन सभी का काम इसी अल्प जानकारी से चल जाता है। सैफ अली के माता-पिता से इस देश की आधी से अधिक आबादी का जुड़ाव है, और ये जुड़ाव स्वाभाविक है, इस जुड़ाव की वजह हिन्दू-मुसलमान नहीं है। सैफ के पिता नबाब पटौदी एक बेहतरीन क्रिकेट खिलाड़ी थे और सैफ की माँ शर्मिला टैगौर एक बेहतरीन अदाकारा। इस जोड़ी की अपनी-अपनी उपलब्धियां हैं, इसमें किसी राजनीतिक दल का कोई योगदान नहीं है। हम जिस पीढ़ी से आते हैं उस पीढ़ी के लिए नबाब पटौदी और शर्मिला टैगौर देश के लिए गर्व का विषय रहे है। इस जोड़ी ने यदि मोदियुग में शादी की होती तो मरहूम नबाब साहब के खिलाफ लव जिहाद का मामला चल रहा होता। पटौदी और टैगौर की सनातन सैफ अली और उनकी पत्नी भी देश की एक पीढ़ी में लोकप्रिय अभिनेता रहे हैं, इसलिए कम से कम आम आदमी तो सैफ की रिकवरी को लेकर कोई सवाल नहीं करना चाहेगा, लेकिन नेतागण नहीं मानने वाले।

कांग्रेस को तय करनी होगी अपनी प्राथमिकता

-राज कुमार सिंह-

कांग्रेस का नया चुनावी नाराः हाथ बदलेगा हालात, न हरियाणा में हालात बदल सका और न ही महाराष्ट्र में। हां, उसके नेतृत्व वाले गठबंधन के हालात अवश्य बदल गए। हरियाणा और महाराष्ट्र में हार के बाद आइएनडीआइए के नेतृत्व को लेकर उठे सवालों पर चुप्पी साधने वाली कांग्रेस के दिल्ली विधानसभा चुनाव में तेवर बता रहे हैं कि हाथ ने अपने हालात बदलने का मन बना लिया है।

लगभग छह महीने पहले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस जिस आप के साथ युगल गीत गाते हुए वोट मांग रही थी, अब वह उसे एंटी नेशनल, भ्रष्ट और धोखेबाज दिखने लगी है। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री अजय माकन ने अरविंद केजरीवाल को एंटी नेशनल बताते हुए आप से दोस्ती को गलती माना। इसके बाद आप और कांग्रेस के बीच तकरार बढ़ गई।

दिल्ली में चुनाव प्रचार शुरू करते हुए राहुल गांधी ने तो केजरीवाल को मोदी की तरह झूठे वादे करने वाला करार दिया। इस पर केजरीवाल ने जवाब दिया कि राहुल कांग्रेस बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं, जबकि मैं देश बचाने की। राजनीतिक टीका-टिप्पणी से इतर देखें तो सच यही है कि दोनों अपनी राजनीति बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

जब 2023 में दो दर्जन से भी ज्यादा विपक्षी दलों ने अपना मोर्चा-आइएनडीआइए बनाया था तो मंच पर बैनर टंगा थाः यूनाइटेड वी स्टैंड। एक और बैठक में मंच पर स्लोगन लिखा था, जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया, लेकिन देश को दिखाए गए उन सपनों का सच डेढ़ साल में सामने आ गया। तनातनी पहले भी दिखती रही, लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव में बात आर-पार तक पहुंच गई।

फिलहाल सीधी जंग कांग्रेस और आप के बीच है, जबकि अन्य घटक दर्शक दीर्घा से अपनी पसंद के पक्ष का उत्साहवर्धन कर रहे हैं। जब चुनावी जंग अन्य राज्यों में पहुंचेगी तो वहां भी ऐसे परिदृश्य की संभावना से इन्कार नहीं। गठबंधन बनने के समय ही यह तथ्य रेखांकित किया गया था कि घटक दलों में मोदी और भाजपा के विरोध के अलावा कोई साझा उद्देश्य नहीं है, उलटे उनमें दलगत हितों और महत्वाकांक्षाओं का तल्ख टकराव है।

दो लोकसभा चुनावों में हाशिये पर रहे विपक्षी दल तीसरे चुनाव के लिए एक साथ तो आए, पर मकसद पूरा न होने पर वापस अपनी-अपनी राह चलने को बेताब हैं। लोकसभा चुनाव में भी बंगाल, केरल और पंजाब में मित्र दल आपस में ही जोर आजमाइश कर रहे थे। अब यदि दिल्ली में भी कांग्रेस और आप ताल ठोंकते दिख रहे हैं तो आश्चर्य नहीं।

दिल्ली में कांग्रेस के तेवरों से साफ है कि मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से रोकने में नाकामी के बाद उसने शायद अपने पुनरुत्थान के प्रयास का मन बना लिया है। इसमें कोई बुराई नहीं, पर यह काम आसान नहीं। दशकों तक देश और प्रदेशों पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस की दुर्दशा अचानक नहीं हुई। बेशक उसका ऐतिहासिक चुनावी पराभव 2014 में हुआ, लेकिन अपनी कमजोरियों-गलतियों से वह बहुत पहले से जर्जर होने लगी थी।

कांग्रेस लंबे समय से तमिलनाडु और बंगाल में अकेले दम पर चुनाव लड़ने लायक भी नहीं रह गई है। दो बड़े राज्य उत्तर प्रदेश और बिहार उसके शक्ति स्रोत थे, लेकिन अब वहां भी वह दशकों से क्षेत्रीय दलों पर निर्भर है। आंध्र, झारखंड में भी यही स्थिति है। यह सब हाल-फिलहाल नहीं हुआ। दरअसल सत्ता पाने के खेल में कांग्रेस इतनी आत्ममुग्ध हो गई कि संगठन खोखला होता गया। जनाधार वाले क्षत्रपों के बजाय आलाकमान की पर्चियों से मुख्यमंत्री बनने लगे। जैसे नेता आगे बढ़े, उन्होंने वैसे ही कार्यकर्ता भी आगे बढ़ाए। नतीजतन उसकी नींव के पत्थर हिलने लगे।

आप समेत ज्यादातर क्षेत्रीय दल न केवल कांग्रेस के बिखरते जनाधार पर खड़े हैं, बल्कि कांग्रेस से ज्यादा मजबूत स्थिति में हैं। देश पर शासन को अपना एकाधिकार समझने वाली कांग्रेस की अहमन्यता उसकी दुर्दशा का सबसे बड़ा कारण है। इसके चलते उसकी रणनीति एक कदम आगे-दो कदम पीछे वाली हो गई। 2013 में आप ने ही दिल्ली की सत्ता से कांग्रेस को बेदखल किया, लेकिन उसने भाजपा को रोकने के लिए उसी की सरकार बनवा दी। फिर भला 2015 और 2020 के चुनाव में मतदाता उस पर कैसे विश्वास करते? अब डेढ़ साल साथ रहने के बाद दोनों फिर आमने-सामने हैं।

कांग्रेस सिर्फ दिल्ली में दिशाहीन नहीं रही। जिस उत्तर प्रदेश से चुनाव जीत कर नेहरूजी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने, वहां कांग्रेस कभी सपा से गठबंधन करती रही, तो कभी बसपा से, जबकि दोनों पार्टियां उसके परंपरागत वोट बैंक रहे जनाधार पर खड़ी हैं। जिन अखिलेश यादव की सरकार को जंगलराज बताते हुए राहुल गांधी विरोध में पदयात्रा कर रहे थे, उन्हीं से फिर गठबंधन भी कर लिया।

नेताओं के लिए इस तरह मौके के मुताबिक हाथ मिला लेना मुश्किल नहीं होता, पर जो कार्यकर्ता दशकों तक एक-दूसरे के विरुद्ध संघर्ष करते हैं और राजनीतिक विरोध की कीमत चुकाते हैं, वे अचानक कैसे गलबहियां कर युगल गीत गाते हुए मतदाताओं के बीच जाएं?

ऐसा नहीं है कि कांग्रेस के लिए सब कुछ खत्म हो चुका है। आखिर भाजपा भी तो दो लोकसभा सीटों से 303 तक पहुंची ही, पर कांग्रेस को अपने हालात बदलने के लिए सबसे पहले यह तय करना होगा कि उसे जुगाड़ से सत्ता चाहिए या फिर संगठनात्मक सक्रियता से जनाधार वापस पाकर अपने बल पर।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

नए साल में पीएम मोदी का पहला बिहार दौरा

☐भागलपुर में होगी किसान सम्मान समारोह☐करोड़ों की योजनाओं की घोषणा

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 फरवरी 2025 को बिहार के भागलपुर आएंगे। वे किसान सम्मान समारोह में शामिल होंगे। करोड़ों रुपये की कल्याणकारी योजनाओं का ऐलान करेंगे। इसमें 10 जिलों में मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं और गांवों में किसान चौपाल शामिल हैं। इस साल पीएम मोदी का पहला बिहार दौरा होगा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बिहार के डिप्टी सीएम और अन्य अधिकारियों के साथ तैयारियों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त भी इसी दिन भागलपुर से जारी करेंगे।

पीएम मोदी 24 फरवरी 2025 को बिहार दौरे पर किसानों के लिए कई बड़े ऐलान करेंगे। भागलपुर में आयोजित किसान सम्मान समारोह में वे करोड़ों रुपये की योजनाओं की शुरूआत करेंगे। इसमें किसानों के कल्याण से जुड़ी कई योजनाएं शामिल हैं। इस मौके पर पीएम मोदी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त भी जारी करेंगे। किसानों को सीधे उनके खातों में पैसे ट्रांसफर किए जाएंगे।इस दौरे का मुख्य आकर्षण 10 जिलों में बनने वाली मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं हैं। इन प्रयोगशालाओं से किसानों को अपनी मिट्टी की सेहत की जानकारी मिलेगी। इससे वे खेती के सही तरीके अपना सकेंगे और अपनी उपज बढ़ा सकेंगे। हर प्रयोगशाला पर 75 लाख रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा, सभी पंचायतों में किसान चौपाल लगेंगी। इन चौपालों में किसान एक-दूसरे से और कृषि विशेषज्ञों से बातचीत कर सकेंगे। वे खेती की नई तकनीकों के बारे में जानेंगे और अपनी समस्याओं का समाधान ढूंढ सकेंगे।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि पीएम मोदी कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार भी किसानों के लिए कई काम कर रही है। नीतीश सरकार ने अब तक तीन कृषि रोडमैप लागू किए हैं और चौथे पर काम चल रहा है। इन रोडमैप से कृषि का अर्थव्यवस्था में योगदान बढ़ रहा है। किसानों को बिना रुकावट बिजली देने के लिए अलग कृषि फीडर लगाए जा रहे हैं। किसानों से बेहतर संवाद के लिए भी कई कदम उठाए जा रहे हैं। हाल ही में पटना के कृषि भवन में बिहार कृषि रेडियो और मीडिया सेंटर की शुरूआत हुई है। यह किसानों के लिए जानकारी का एक नया माध्यम होगा। इससे उन्हें खेती-बाड़ी से जुड़ी ताजा खबरें और सलाह मिलती रहेंगी। पीएम मोदी के इस दौरे को लेकर भागलपुर में तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। शुक्रवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए तैयारियों की समीक्षा की। इस बैठक में बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, दिलीप जायसवाल और मंगल पाण्डेय भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी बिहार दौरे को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि चुनावी साल है, इसलिए उनको बिहार की याद आ रही है। उन्होंने कहा कि ये सभी को पता है। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव लगातार बोल रहे हैं कि बिहार में चुनावी वर्ष है। चुनाव होने के कारण पीएम मोदी को बिहार की याद आ रही है। वो अब छठी मैया को याद करेंगे, लिट्टी चोखा पर बोलेंगे, लेकिन बिहार को कुछ देंगे नहीं।

पाकिस्तान उच्चायुक्त से अधिकतम श्रद्धालुओं को वीजा जारी करने की मांग

अमृतसर। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी के निर्देश पर एसजीपीसी के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी साद अहमद वराइच से मुलाकात की और मांग की कि एसजीपीसी द्वारा पाकिस्तान में गुरुद्वारों के दर्शन के लिए सहमत जत्थों के तहत भेजी गई सिख तीर्थयात्रियों की पूरी सूची को वीजा दिया जाए तथा श्री गुरु अर्जन देव के शहीदी दिवस के अवसर पर स्वीकृत नानकशाही कैलेंडर के अनुसार सिख जत्थे को भेजने की अनुमति दी जाए।

प्रतिनिधिमंडल में इसके मुख्य सचिव एवं सदस्य कुलवंत सिंह मन्नन, सदस्य भाई राजिंदर सिंह मेहता, सचिव प्रताप सिंह और सहायक सचिव जसविंदर सिंह शामिल थे। इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए कुलवंत सिंह मन्नण और भाई राजिंदर सिंह मेहता ने बताया कि पिछले दिनों एसजीपीसी द्वारा पाकिस्तान उच्चायोग को भेजी गई सूची में से सिख श्रद्धालुओं के बड़ी संख्या में वीजा काटे गए थे, जिसको लेकर आज पाकिस्तान के अधिकारियों के साथ बैठक हुई है। बताया गया है कि एसजीपीसी सिखों का प्रतिनिधि संगठन है, जो हर साल खालसा साजना दिवस (वैसाखी), श्री गुरु अर्जन देव के शहीदी दिवस, महाराजा रणजीत सिंह की बरसी (पुण्यतिथि) और श्री गुरु नानक देव के प्रकाश गुरुपर्व के अवसर पर पाकिस्तान के विभिन्न गुरुद्वारों के दर्शन के लिए जत्थे भेजता है। इन जत्थों के लिए पंजाब राज्य के पास क्रमशः 1800, 600, 300 और 1800 वीजा का स्वीकृत कोटा है। लेकिन पिछले कुछ सालों से एसजीपीसी द्वारा भेजी गई सिख श्रद्धालुओं की पूरी सूची को पाकिस्तान उच्चायोग द्वारा वीजा नहीं दिया जाता और बड़ी संख्या में नाम एसजीपीसी की सूची से काट दिए जाते हैं। एसजीपीसी पदाधिकारियों ने बताया कि आज यह मामला पाकिस्तान उच्चायोग के अधिकारियों के समक्ष उठाया गया तथा मांग की गई कि पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारों के प्रति सिख श्रद्धालुओं की श्रद्धा व धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए एसजीपीसी सूची में से अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को वीजा जारी किया जाए।

मुंबई एयरपोर्ट पर दुबई जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट लेट, पांच घंटे अटके रहे यात्री

विमान प्रबंधन का दावा, दूसरी फ्लाइट से यात्रियों को भेजा जाएगा दुबई

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट पर मुंबई से दुबई जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट में करीब पांच घंटे तक यात्री अटके रहे। इसके बाद जब यात्रियों ने जोरदार विरोध करना शुरू किया तो यात्रियों को फ्लाइट से उतार दिया गया। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि फ्लाइट में तकनीकी खराबी आ जाने से दिक्कत पैदा हुई है। उधर विमान प्रबंघन का दावा है कि दूसरी फ्लाइट से यात्रियों को दुबई भेजा जाएगा। सूत्रों के अनुसार शनिवार को एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 909 (मुंबई-दुबई) को सुबह 8.25 बजे प्रस्थान करना था। इसके लिए बोर्डिंग सुबह 7.20 बजे शुरू हो गई थी। यात्रियों की बोर्डिंग हो जाने के बाद विमान के दरवाजे बंद कर दिए गए। लेकिन फ्लाइट में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिसे दूर करने का प्रयास ऑन-ग्राउंड टीम ने शुरू किया। तकनीकी खराबी की वजह से फ्लाइट का एयर कंडीशनिंग बंद था, जिससे यात्रियों को कुछ देर बाद दिक्कत होने लगी और यात्री शोर मचाने लगे। हालांकि फ्लाइट स्टाफ यात्रियों को बता रहा था कि विमान में तकनीकी खराबी आ गई है। उसकी मरम्मत के बाद विमान जल्द उड़ान भरेगा। लेकिन जब यात्रियों का विरोध बढ़ गया तो सभी यात्रियों को करीब एक बजे विमान से उतार दिया गया। एटीएस अधिकारियों ने इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। सिर्फ कहा कि अब एयर इंडिया के दूसरी फ्लाइट से सभी यात्रियों को दुबई भेजा जाएगा।

विमान में सवार यात्री केबिन शाह ने मीडिया को बताया कि हम सुबह 7.30 बजे विमान में सवार हुए। सुबह 9 बजे तक कोई हलचल नहीं हुई। बाद में घोषणा की गई कि एक तकनीकी समस्या थी और कर्मचारी इसे हल करने की कोशिश कर रहे थे। सुबह 10 बजे के आसपास एक और घोषणा में कहा गया कि समस्या अभी भी बनी हुई है और इंजीनियरों को बुलाया गया है। दोपहर 12 बजे के आसपास हम घबरा गए, क्योंकि एयर कंडीशनिंग काम नहीं कर रहा था। विमान के दरवाजे बंद थे, जिससे घुटन हो रही थी। यात्रियों ने विमान के अंदर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद हमें उतरने की अनुमति दी गई।

बिहार में कई ट्रेनों का रूट बदला

☐29 जनवरी तक सीतामढ़ी जंक्शन होते हुए चलेंगी कई ट्रेनें

पटना/सीतामढ़ी। बिहार का सीतामढ़ी जंक्शन महत्वपूर्ण ट्रेनों के परिचालन के लिए उपयुक्त हो गया है। इन दिनों अन्य रेलखंड पर चल रहे दोहरीकरण और अन्य कार्यों के चलते कई ट्रेनों का मार्ग बदलकर सीतामढ़ी रूट से संचालित किया जा रहा है। इससे सीतामढ़ी के अलावा अन्य क्षेत्रों के यात्रियों को सुविधा होने लगी है। यानी जिस ट्रेन को पकड़ने के लिए क्षेत्र के लोगों को मुजफ्फरपुर और पटना जाना होता था, वह ट्रेन यहीं मिल जा रही है। हालांकि यह लाभ 29 जनवरी तक ही मिल पायेगा।

दोहरीकरण समेत अन्य कार्यों के चलते जिन ट्रेनों का परिचालन सीतामढ़ी जंक्शन होकर शुरू किया गया है, उनमें 12557-58 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार-मुजफ्फरपुर सप्तक्रांति एक्सप्रेस, 19038 बरौनी-बांद्रा टर्मिनस अवध एक्सप्रेस, 13022 रक्सौल-हावड़ा मिथिला एक्सप्रेस, 09452 भागलपुर-गांधीधाम एक्सप्रेस, 15268 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-रक्सौल एक्सप्रेस, 15705-6 कटिहार-दिल्ली-कटिहार चंपारण हमसफर एक्सप्रेस, 15001 मुजफ्फरपुर-देहरादून एक्सप्रेस, 19270 मुजफ्फरपुर-पोरबंदर एक्सप्रेस, 19037 बांद्रा टर्मिनल-मुजफ्फरपुर अवध एक्सप्रेस, 13021 हावड़ा-रक्सौल मिथिला एक्सप्रेस शामिल हैं। इस बीच, केंद्रीय रेलवे रेलयात्री संघ एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के जिलाध्यक्ष राजेश कुमार सुन्दरका ने कहा है कि जब लंबी दूरी की ट्रेनों का रूट बदल कर सीतामढ़ी होकर संचालित किया जा सकता है, तो सीतामढ़ी रूट पर ट्रेनों का नियमित विस्तार करने में क्या परेशानी है? मार्ग बदलकर लंबी दूरी की ट्रेनों के चलने से स्पष्ट है कि सीतामढ़ी रेलखंड हर प्रकार की ट्रेनों और स्पीड के लिए योग्य है।

जिलाध्यक्ष सुन्दरका ने कहा कि यह साबित हो गया है कि रेलवे लंबी दूरी की किसी भी प्रकार या किसी भी स्पीड की ट्रेनों का सीतामढ़ी तक विस्तार करें, तो बिना किसी रुकावट या व्यवधान के इस रेलखंड पर ट्रेनें दौड़ेंगी। लंबी दूरी की ट्रेनों के चलने से एक नए रूट के साथ इस क्षेत्र के यात्रियों की सुविधा में इजाफा होगा। सुंदरका ने मुजफ्फरपुर और दरभंगा से गुजरने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों का सीतामढ़ी तक विस्तार की बात करते रहे हैं। उनका कहना है कि ऐसे में रेलवे कम संसाधन में सीतामढ़ी और नेपाल सीमा के यात्रियों को सुविधा प्रदान कर पाएगी। उन्होंने रेलवे से नरकटियागंज रूट चालू करने की पुरानी मांग को पूरा करने की भी मांग की है, ताकि जानकी की जन्मभूमि सीतामढ़ी को पूरे देश दुनिया से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त संभव हो सके।

मतदान महत्वपूर्ण अधिकार, जोकि हमें संविधान से मिला : हरविंद्र कल्याण

☐राष्ट्रीय मतदाता दिवस की हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष ने दी बधाई, मतदान के लिए दिलाई शपथ, लोकसभा और विधानसभा आम चुनावों प्रक्रिया में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को किया सम्मानित, स्कूली बच्चों की निबंध, रंगोली,पोस्टर मेकिंग, भाषण व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में अव्वल स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थी को किए प्रशंसा पत्र वितरित ☐हरविंद्र कल्याण ने करीब 3 करोड़ की लागत से बने नवनिर्मित ऑडिटोरियम का किया लोकार्पण, कहा घरौंड़ा के सभी स्कूल उठाए ऑडिटोरियम का लाभ

करनाल। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने कहा कि भारतीय संविधान दुनिया का सर्वोच्च संविधान है। देश के संविधान के कारण ही हमें मतदान का अधिकार प्राप्त हुआ, जोकि एक महत्वपूर्ण अधिकार है। लोकतांत्रिक प्रणाली में मतदाता अपने मत का प्रयोग करके अपना मनचाहा जनप्रतिनिधि चुनतें है, ये जनप्रतिनिधि सरकार बनाते है और आमजनता की आशाओं के अनुरूप प्रदेश का विकास करते है। इसलिए मतदाताओं को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक रहना चाहिए।

हरविंद्र कल्याण शनिवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर घरौंडा में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहें थे। हरविन्द्र कल्याण इससे पूर्व राजकीय संस्कृति मॉडल सीनियर सेकेन्डरी स्कूल घरौंडा के ग्राउंड में करीब 3 करोड़ की लागत से बने नवनिर्मित ऑडिटोरियम का लोकार्पण किया और लोगों को बधाई दी। बता दें की हरविन्द्र कल्याण ने पिछले कार्यकाल के दौरान मुख्यमंत्री से इस ऑडिटोरियम के निर्माण की घोषणा करवाई थी, यह ऑडिटोरियम आधुनिक सुविधाओं से सुसजित है इसमें 7 कमरें, एक सभागार, दो स्टोर रूम तथा एक बड़ा हॉल जिसमें करीब 400 लोगों के बैठन के लिए कुर्सिया लगाई गई है। इस अवसर पर श्री कल्याण ने इस प्रागंण में पौधारोपण करके पर्यावरण को स्वच्छ बनाएं रखने का संदेश दिया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस की बधाई दी, मतदान के लिए शपथ दिलाई और लोकसभा व विधानसभा के आम चुनावों प्रक्रिया में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वहीं दूसरी ओर स्कूली बच्चों की निबंध, रगोली,पोस्टर मेकिंग, भाषण व प्रश्नोत्री प्रतियोगिताओं में अव्वल स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थी को प्रशंसा पत्र वितरित किए। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने रंगारंग सास्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके दर्शकों को सामाजिक बुराईयों की रोकथाम के लिए जागरूक किया।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि भारतीय संविधान एक महान संविधान है, इसकी रचना में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीम राव अम्बेडकर का महत्वपूर्ण योगदान है। बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर जी व संविधान सभा के सदस्यों ने दूसरे देशों के संविधान पढ?ा और चिंतन करना सम्भव नही था लेकिन बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर जी ने उन संविधानों को पढ़ा भी और एक-एक सुझाव पर चिंतन किया। इसके उपरांत एक सर्वश्रेष्ठ संविधान की रचना की और देशवासियों को 26 जनवरी 1950 को अपना संविधान मिला। संविधान के बदौलत ही हमें समानता का अधिकार मिला। उन्होंने कहा कि संविधान ने जहां हमें अधिकारी दिए है वहीं कर्तव्यों का भी बोध कराया है। उन्होंने कहा कि हमें ना केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए बल्कि अपने कर्तव्यों का भी ज्ञान होना चाहिए। संविधान निमार्ताओं को यहीं सच्ची श्रद्धांजलि होगी की हम उनके दिखाए हुए रास्ते पर चले।

दिलाई मतदाता शपथ

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मतदाता शपथ दिलाई की हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते है कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मयार्दा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस अवसर पर हरियाणा पिछडा वर्ग एवं कल्याण निगम की चेयरपर्सन निर्मल बैरागी, अतिरिक्त उपायुक्त यश जालुका, एसडीएम राजेश सोनी, डीएसपी मनोज, जिला शिक्षा अधिकारी सुदेश कुमारी, चुनाव तहसीलदार जयवीर, स्कूल के प्रिंसीपल इन्द्रजीत कालिया, नगर पालिका चेयरमैन हैपीलक गुप्ता, ब्लॉक समिति की चेयरपर्सन के प्रतिनिधि मेहेन्द्र कैमला, पवन कल्याण, मदन इसपुनियानी, अशोक मित्तल सहित भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सहयोग इंटरनेशनल ट्रस्ट के प्रतिनिधि, विभिन्न गांवों के सरपंच व शहर के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहें।

एक नजर

हमारा संविधान भारत के प्रत्येक नागरिक को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की गारंटी देता है-विजय अनेजा

इन्द्री। अनेजा सिटी हार्ट स्कूल में गणतंत्र दिवस का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियों को प्रदर्शित किया। इस अवसर पर स्कूल के एमड़ी विजय अनेजा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि 26 जनवरी 1950 को हमारा संविधान लागू हुआ था।

यह वह दिन था जिस दिन भारत लोकतांत्रिक गणराज्य बना। हमें इस दिन वह संविधान मिला जिसे भारत के लोगों ने खुद अपना भविष्य तय करने के लिए बनाया था। उन्होंने बताया कि हमारा संविधान भारत के प्रत्येक नागरिक को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की गारंटी देता है।गणतंत्र दिवस केवल एक राजनीतिक घटना नहीं है बल्कि यह हमारे संविधान की ताकत और हमारे लोकतंत्र की शक्ति को दशार्ता है। हमारे संविधान ने हमें अधिकार दिए हैं, लेकिन साथ ही कर्तव्य भी निर्धारित किए हैं। यह दिन हमें अपने कर्तव्यों का अहसास दिलाता है और एकता, अखंडता, और सामाजिक समानता के महत्व को समझाता है। अंत में सभी विद्यार्थिओं व अध्यापकों द्वारा एक मतदाता शपथ में भाग लिया गया जिसमें सभी ने यह प्रण लिया कि हम अपने देश की लोकतान्त्रिक परम्पराओं की मयार्दा को बनाएं रखेगें तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं गरिमा की बनाए रखते हुए निर्भीक होकर धर्म,वर्ग,जाति,समुदाय ,भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेगें।

उत्तर प्रदेश के बागपत में सात बर्षीय बच्चे की कैंची घोपकर हत्या, एक व्यक्ति गिरफ्तार

बागपत (उत्तर प्रदेश), एजेंसी। बागपत जिले के थाना दोघट क्षेत्र में सात वर्षीय बच्चे की कैंची घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बच्चे की पहचान अफजाल के रूप में हुई है जो बृहस्पतिवार सुबह से लापता था। अधिकारियों ने बताया कि उनके पड़ोस में ही रहने वाले आरोपी सावेज (19) की गिरफ्तारी के बाद आदमपुर गांव में जंगल से सटे गन्ने के खेत से अफजाल का शव बरामद कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि अफजाल को आखिरी बार बृहस्पतिवार सुबह करीब 10 बजे सावेज के साथ देखा गया था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जब अफजाल घर नहीं लौटा तो उसकी मां ने उसकी तलाश शुरू की और इसके बाद परिजनों ने शुक्रवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी बच्चू सिंह ने बताया कि परिवार ने सावेज पर उनके बच्चे को अगवा करने का आरोप लगाया जिसके बाद आरोपी को हिरासत में लिया गया और पूछताछ के दौरान उसने बच्चे की हत्या की बात कबूल कर ली। अधिकारी ने बताया कि शव को गन्ने के खेत से बरामद किया गया और अपराध में इस्तेमाल कैंची भी बरामद कर ली गई। पुलिस के अनुसार आरोपी नशे का आदी है। पुलिस ने बताया कि हत्या के मकसद के बारे में पूछे जाने पर उसने कथित तौर पर कबूल किया कि 'बस यूं ही' मार डाला। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की जांच जारी है।

मेला क्षेत्र के सेक्टर-दो में दो कार में लगी आग, कोई जनहानि नहीं

महाकुम्भ नगर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित किए जा रहे महाकुम्भ मेले के सेक्टर-दो में मीडिया सेंटर के पीछे शनिवार सुबह दो कार में आग लग गई जिस पर दमकलकर्मियों ने समय रहते काबू पा लिया। घटना में जनहानि की सूचना नहीं है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (महाकुम्भ) प्रमोद शर्मा ने बताया कि आज सुबह वाराणसी से आई एक कार जब मेला क्षेत्र में प्रवेश कर रही थी तभी उसमें आग लग गई और साथ में चल रही एक अन्य कार भी आग की चपेट में आ गई। उन्होंने बताया कि अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कार में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया और किसी को आग से चोट नहीं आई। शर्मा ने बताया कि आग संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। इससे पहले 19 जनवरी को सेक्टर-19 में एक शिविर में पुआल में आग लगने के बाद 18 शिविर जलकर खाक हो गए थे। हालांकि, दमकलकर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया और कोई जनहानि नहीं हुई। गीता प्रेस और अखिल भारतीय धर्म संघ द्वारा कल्पवासियों के लिए लगाए गए इन शिविरों में लगी आग को बुझाने में करीब 15-16 गाड़ियां लगाई गई थीं।

यूपी के शाहजहांपुर में कार-ट्रक के बीच भिड़ंत, चार की मौत

शाहजहांपुर, एजेंसी। यूपी के शाहजहांपुर जिले के अल्हागंज क्षेत्र में शनिवार को भीषण हादसा हो गया। ट्रक ने सामने से आ रही कार में टक्कर मार दी। इससे कार सवार छह में से चार युवकों की अस्पताल ले जाते वक्त मौत हो गई, जबकि दो लोगों को गंभीर हालत में मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस के क्षेत्राधिकारी अमित कुमार चौरसिया ने बताया कि जनपद शाहजहांपुर के थाना अल्हागंज क्षेत्र के पास एक कंटेनर और कार के भिड़ंत हो गई। कार सवार चार लोगों की अस्पताल ले जाते वक्त मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस ने बताया कि ट्रक ने स्विफ्ट डिजायर कार में टक्कर मारी। कार में छह युवक सवार थे। घटना एपी गुजरात ढाबा ग्राम कटीयुली के समीप जलालाबाद में घटी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गया। कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनकी हालत नाजुक बनी हुई है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। कार सवार सभी लोग एक शादी समारोह से वापस लौट रहे थे।

भाजपा सिर्फ एक ट्रिलियन झूठ का रिकॉर्ड बना सकती है : अखिलेश

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार के इस दावे को झूठ करार दिया कि राज्य की अर्थव्यवस्था अगले चार वर्ष में एक ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य को हासिल कर लेगी। यादव ने शनिवार को अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर एक पोस्ट में भाजपा के आर्थिक वादों के लिए उसपर निशाना साधते हुए कहा, 'भाजपा सिर्फ एक ट्रिलियन झूठ का रिकॉर्ड बना सकती है और कुछ नहीं। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार की तरफ से फिर से ये जुमला उछाला जा रहा है कि अगले चार वर्ष में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी।' यादव ने कहा, 'आज की विकास दर के हिसाब से ये असंभव है, इसीलिए ये एक 'महाझूठ'है। सरकार के खजाने में भ्रष्टाचार की सेंध लगी है। निवेश जमीन पर नहीं उतरा है।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन जंग पर ट्रम्प की पुतिन को चेतावनी : कहा– बातचीत को तैयार नहीं हुए तो रूस पर प्रतिबंध लगाएंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन जंग के मुद्दे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को चेतावनी दी है। ट्रम्प ने मंगलवार को कहा अगर पुतिन जंग पर बातचीत के लिए तैयार नहीं होते हैं, तो अमेरिका रूस पर प्रतिबंध लगाएगा। उन्होंने कहा कि वे हर समय पुतिन से बातचीत और व्यक्तिगत तौर पर मिलने के लिए तैयार हैं। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए ट्रम्प ने कहा कि यूक्रेन में जंग कभी शुरू ही नहीं होनी चाहिए थी, यहां भयंकर स्थिति है, लाखों लोग मारे जा रहे हैं। उन्होंने कहा– अगर अमेरिका में एक सक्षम राष्ट्रपति होता, तो यह जंग कभी नहीं होती। अगर मैं राष्ट्रपति होता, तो ऐसा नहीं होता। ट्रम्प ने दावा किया कि उनके कार्यकाल में रूस ने यूक्रेन पर हमला करने की हिम्मत नहीं की थी। यूक्रेन को हथियार सप्लाई की समीक्षा करेंगे यूक्रेन को अमेरिका से होने वाली हथियारों की सप्लाई पर ट्रम्प ने कहा कि वो इसकी समीक्षा कर रहे हैं। ट्रम्प ने बताया कि वो यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से इस मुद्दे पर बात कर रहे हैं। ट्रम्प जल्द ही पुतिन से भी बात करेंगे। दूसरी तरफ ट्रम्प ने यूरोपीय यूनियन पर अमेरिका की तुलना में यूक्रेन को कम वित्तीय सहायता देने का आरोप लगाया। ट्रम्प ने कहा कि हम यूक्रेन के लिए 200 अरब डॉलर दे रहे हैं। यूरोप को हमसे ज्यादा खतरा है, फिर वे कम मदद दे रहे हैं। ट्रम्प ने यूक्रेनी राष्ट्रपति से अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि जेलेंस्की शांति चाहते हैं। इसके लिए रूस और यूक्रेन, दोनों पक्षों को बातचीत करनी होगी। दोनों में सहमति होना जरूरी है। यूक्रेन जंग पर पुतिन ने जिनपिंग से बात की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को यूक्रेन जंग को खत्म करने और नए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से संबंधों को लेकर बातचीत की। जिनपिंग और पुतिन ने वीडियो कॉल के जरिए एक घंटे 35 मिनट तक बातचीत की। दोनों ने रूस और चीन के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने का प्रस्ताव भी रखा। क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने बताया कि रूस अमेरिका के साथ सम्मानजनक रिश्ते रखना चाहता है।

मेम्फिस में डिप्टी ने चोरी की कार में बैठे व्यक्ति को गोली मारी

मेम्फिस, एजेंसी। मेम्फिस में मंगलवार को एक डिप्टी ने चोरी की कार चलाने के संदेह में एक व्यक्ति को गोली मार दी। टेनेसी ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (टीबीआई) की प्रवक्ता किम व्हीलर ने बताया कि शेल्बी काउंटी शेरिफ कार्यालय के डिप्टी ने चोरी की कार में सवार एक व्यक्ति को देखा और उसे पूर्वी मेम्फिस में व्यापारिक प्रतिष्ठानों के पास हिरासत में लेने की कोशिश की, लेकिन स्थिति बिगड़ गई और डिप्टी ने उसे गोली मार दी, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हालांकि, कोई डिप्टी घायल नहीं हुआ। व्हीलर ने कहा कि अभी यह पता नहीं चला है कि स्थिति कैसे बिगड़ी या मारे गए व्यक्ति और डिप्टी के बारे में कोई अन्य जानकारी जैसे नाम, उम्र, लिंग और नस्ल क्या है। व्हीलर ने कहा कि जांच एजेंट साक्ष्य इकट्ठा कर रहे हैं और यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि गोलीबारी के पीछे क्या घटनाएं थीं। बता दें कि टीबीआई राज्य की पुलिस एजेंसी है। यह कानून प्रवर्तन एजेंसियों से जुड़ी गोलीबारी की घटनाओं की जांच करती है और अपनी रिपोर्ट स्थानीय जिला अटॉर्नी को देती है, जो यह तय करता है कि क्या आरोप लगाए जाएं या नहीं।

तेल अवीव में चाकू से हमले में चार लोग घायल, संदिग्ध मारा गया

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइली पुलिस ने बताया कि मंगलवार शाम को मध्य तेल अवीव में चाकू से हुए हमले में चार लोग घायल हो गए और संदिग्ध हमलावर मारा गया। यह घटना गाजा में हमास के साथ चल रहे संघर्ष विराम के तीसरे दिन हुई। पुलिस ने हमलावर की पहचान नहीं की, लेकिन इसे आतंकवादी कृत्य माना जा रहा है। इससे पहले मंगलवार को, इस्राइल ने कब्जे वाले पश्चिमी तट पर एक बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया, जिसमें कम से कम नौ फलस्तीनी मारे गए और 40 अन्य घायल हुए। इस बारे में फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने जानकारी दी। बता दें कि गाजा में लागू संघर्ष विराम पश्चिमी तट पर लागू नहीं होता, जहां इस्राइली सैनिक अक्सर छापे मारते हैं, जिससे गोलीबारी होती रहती है।

भारतीय अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल के पिता का निधन

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल ने मंगलवार को कहा कि उनके पिता एमपी जयपाल का निधन हो गया है और वह अपनी मां और बहन से मिलने के लिए भारत आ रही हैं। जयपाल ने एक बयान में कहा, मेरे प्यारे पिता एमपी जयपाल का कल रात शांतिपूर्ण तरीके से निधन हो गया। मैं अपनी मां और बहन से मिलने के लिए भारत आ रही हूं, क्योंकि हम उस व्यक्ति के लिए शोक और जश्न मना रहे हैं, जिसने हमें इतने अवसर दिए हैं।

अनुचित कारोबारी व्यवहार के लिए गूगल पर इंडोनेशिया ने लगाया 103 करोड़ जुर्माना

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की एंटीट्रस्ट एजेंसी ने मंगलवार को गूगल पर अनुचित कारोबारी व्यवहार के लिए करीब 1.2 करोड़ डॉलर (103 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया है। एजेंसी ने 2022 में गूगल के खिलाफ एक जांच शुरू की थी। आरोप है कि गूगल ने अपने प्ले स्टोर से इंडोनेशियाई एप डेवलपर्स के एप को गलत तरीके से हटा दिया था। पैनल ने सुनवाई में कहा कि गूगल ने एप डेवलपर्स की कमाई को कम कर दिया, क्योंकि इससे उपयोगकर्ताओं की संख्या में कमी आई, साथ ही कहा कि गूगल ने एकाधिकार बनाए रखने के इंडोनेशियाई कानून का उल्लंघन किया।

यूएस में जन्म के आधार पर नागरिकता खत्म करने का विरोध, भारतीय मूल के सांसदों ने उठाई आवाज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता को लेकर राजनीति गर्माहट तेज हो चुकी है। राष्ट्रपति पद संभालने के साथ ही डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जन्मसिद्ध नागरिकता में बदलाव के लिए एक कार्यकारी आदेश जारी किया। इसको लेकर भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने असंतुष्टि जताई और ट्रंप के इस आदेश का जमकर विरोध किया। बता दें कि ट्रंप के आदेश के तहत जन्मसिद्ध नागरिकता को लेकर भविष्य में बिना दस्तावेज वाले अप्रवासियों के बच्चों को नागरिकता नहीं मिलेगी। यह आदेश उन माता-पिताओं के बच्चों पर भी लागू होगा जो कानूनी रूप से लेकिन अस्थायी रूप से अमेरिका में रह रहे हैं, जैसे विदेशी छात्र या फिर पर्यटक। सीधे शब्दों में कहे तो आदेश में ये कहा गया है कि 19 फरवरी, 2025 के बाद जिन बच्चों के माता-पिता अमेरिकी नागरिक या वैध स्थायी निवासी नहीं होंगे, उन्हें नागरिकता नहीं मिलेगी।

भारतीय-अमेरिकी सांसद ने जताई नाराजगी : ट्रंप के इस आदेश के बाद भारतीय-अंमेरिकी सांसदों ने इसका जमकर विरोध किया। वहीं इस मामले में भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने कहा कि इस आदेश से न केवल अवैध अप्रवासियों के बच्चों पर असर पड़ेगा, बल्कि उन लोगों पर भी प्रभाव होगा जो एच-1बी वीजा पर अमेरिका में वैध रूप से रह रहे हैं। साथ ही खन्ना ने कहा कि ट्रंप का आदेश जन्मजात नागरिकता को खत्म करता है न सिर्फ अवैध अप्रवासियों के बच्चों के लिए, बल्कि उन वैध अप्रवासियों के लिए भी जो अस्थायी रूप से अमेरिका में हैं। गौरतलब है कि एच-1बी वीजा उन विदेशी कर्मचारियों को दिया जाता है जो तकनीकी या विशेष पेशेवर काम के लिए अमेरिका आते हैं और हर साल भारत जैसे देशों से बड़ी संख्या में लोग इसका लाभ उठाते हैं।

भारतीय सांसदों ने बताया असंवैधानिक : इस मामले में भारतीय-अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने कहा कि जन्मसिद्ध नागरिकता अमेरिका का कानून है और वह इसे हर हालत में बचाने के लिए संघर्ष करेंगे। वहीं प्रमिला जयपाल ने इसे असंवैधानिक बताते हुए कहा कि राष्ट्रपति इसे एक आदेश से बदल नहीं सकते। इसके साथ ही आव्रजन अधिकार समूहों ने इसे अदालत में चुनौती देने की बात की है, क्योंकि उनका कहना है कि यह आदेश असंवैधानिक है।

ट्रंप के फैसले को न्यू जर्सी के अटॉर्नी जनरल की चुनौती : वहीं इस मामले में 22 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ अदालत में मुकदमा दायर किया है। इन राज्यों का कहना है कि 14वें संशोधन के तहत जन्मसिद्ध नागरिकता स्वचालित है और इसे बदलने का अधिकार न तो राष्ट्रपति के पास है न ही कांग्रेस के पास।

यह आदेश संविधान का उल्लंघन– अटॉर्नी जनरल : साथ ही मामले में न्यू जर्सी के अटॉर्नी जनरल मैथ्यू प्लैटकिन और कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोन्टा ने कहा कि यह आदेश संविधान का उल्लंघन है। डेमोक्रेटिक पार्टी के अजय भुटोरिया ने भी कहा कि यह आदेश असंवैधानिक है और यह अमेरिका के मूल मूल्यों को कमजोर करता है।

क्या है जन्मसिद्ध नागरिक कानून : इससे पहले अमेरिकी धरती पर जन्मे किसी भी बच्चे के पास जन्म के साथ ही अमेरिकी नागरिकता का अधिकार होता था। यह अधिकार अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन कानून के तहत दिया जाता है। इसके उल्लंघन पर कार्यकारी आदेश को न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। ट्रंप प्रशासन की तरफ से इस आदेश के 30 दिन बाद से अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चों को उनके माता-पिता के देश में रहने के कानूनी अधिकार से जोड़कर ही नागरिकता दी जाएगी।

न्यूयॉर्क के स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर लगेगी रोक? छात्रों के हित में गवर्नर होचुल का प्रस्ताव

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने मंगलवार को राज्य भर के स्कूलों में छात्रों के मोबाइल फोन इस्तमाल पर रोक लगाने को लेकर प्रस्ताव रखा। इसके तहत अगले शैक्षणिक वर्ष से न्यूयॉर्क राज्य के सभी स्कूलों में छात्रों को अपने सेलफोन छोड़ने होंगे। बता दें कि गवर्नर होचुल की इस योजना के लिए विधायकों की स्वीकृति की आवश्यकता होगी और यह योजना स्कूलों में छात्रों को कक्षा, दोपहर के भोजन, और हॉलवे में अपने फोन और अन्य उपकरणों को इस्तेमाल करने से रोकने के लिए है। गवर्नर होचुल ने प्रस्ताव को लेकर जानकारी देते हुए कहा कि इस कदम से छात्रों को कक्षा में ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी और उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि बच्चे अपने फोन से बहुत अधिक व्यस्त होते हैं, जिससे वे पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पाते। साथ ही होचुल का यह भी मानना हैं कि जब बच्चे अपने दोस्तों के साथ वायरल डांस और संदेशों पर ध्यान दे रहे होते हैं तो उन्हें पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल होती है। गवर्नर द्वारा दिए गए प्रस्ताव में आगे की बात करें तो इस प्रस्ताव के तहत, कुछ छात्रों को छूट भी दी जाने की बात कही जा रही है, जैसे कि जिनके पास मेडिकल कारण हैं या जिन्हें शिक्षा में मदद की आवश्यकता है। साथ ही न्यूयॉर्क राज्य ने स्कूलों को इस प्रतिबंध को लागू करने में मदद के लिए 13.5 मिलियन डॉलर देने का भी प्रस्ताव रखा है।

जापान में माइकोप्लाज्मा निमोनिया के मामलों में रिकॉर्ड वृद्धि देखी गई

टोक्यो, एजेंसी। जापान में माइकोप्लाज्मा निमोनिया के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। रोगियों की संख्या पिछले दशक की तुलना में इस समय उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। राष्ट्रीय संक्रामक रोग संस्थान के अनुसार, 12 जनवरी तक माइकोप्लाज्मा निमोनिया रोगियों की साप्ताहिक औसत संख्या 1.11 तक पहुंच गई जो इससे पहले के सप्ताह की तुलना में 0.34 की वृद्धि है। यह बीते एक दशक में सबसे अधिक औसत है।

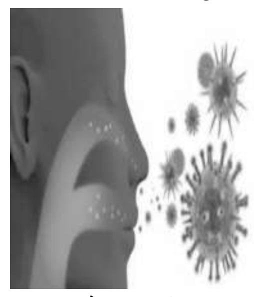

माइकोप्लाज्मा निमोनिया बच्चों में होने वाला एक आम संक्रमण है। इसमें बुखार, थकान, सिरदर्द और लगातार खांसी जैसे लक्षण होते हैं। गंभीर मामलों में यह निमोनिया का कारण बन सकता है और अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता हो सकती है। किसी व्यक्ति के बैक्टीरिया के संपर्क में आने के बाद लक्षण सामने आने में एक से चार सप्ताह लग सकते हैं। लक्षण कई हफ्तों तक रह सकते हैं। वहीं, एरिथेमा इंफेक्टियोसम बीमारी भी बढ़ रही है। यह सर्दी-जुकाम जैसे लक्षणों से शुरू होती है और फिर गालों पर लाल चकत्ते पड़ जाते हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, देश भर में लगभग 3,000 चिकित्सा संस्थानों से प्राप्त रिपोर्टों में बताया गया है कि एक सप्ताह पहले के 0.78 मामले प्रति अस्पताल की तुलना में 12 जनवरी को समाप्त सप्ताह में औसतन 0.94 मामले सामने आए। विशेषज्ञों ने मास्क पहनने सहित संक्रमण की रोकथाम के उपायों के महत्व पर बल दिया, क्योंकि इन्फ्लूएंजा भी व्यापक रूप से फैल रहा है। एम न्यूमोनिया सांसों में मौजूद वाष्प की छोटी बूंदों के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। यह संक्रमण आमतौर पर सर्दियों के महीनों के दौरान होता है, लेकिन साल भर भी हो सकता है। अनुमान बताते हैं कि अमेरिका की लगभग एक प्रतिशत आबादी हर साल संक्रमित होती है। संक्रमण के वास्तविक मामले दर्ज मामलों से बहुत अधिक हो सकते हैं क्योंकि संक्रमण से हल्की बीमारी होती है जिसके लिए अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं होती है। माइकोप्लाज्मा संक्रमण का प्रकोप सेना, अस्पतालों, नर्सिंग होम आदि में भी देखने को मिलता है।

नामित रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की बढ़ी मुश्किलें, भाभी ने हलफनामे में पत्नी के साथ मारपीट का लगाया आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में रक्षा मंत्री के लिए नामित पीट हेगसेथ की मुश्किलें दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। जहां उनके नामांकन में गड़बड़ी की जांच कर रही सीनेट को हेगसेथ के खिलाफ एक और हमफनामा मिला, जिसमें उनकी भाभी ने उनपर अपनी दूसरी पत्नी सामंथा के साथ मारपीट का आरोप लगाया है। हलफनामे में उनकी भाभी डैनियल हेगसेथ ने कहा कि उन्होंने फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) को इस बारे में दिसंबर में बताया था, लेकिन यह जानकारी कांग्रेस से साझा नहीं की गई क्योंकि सांसद हेगसेथ के नामांकन पर विचार कर रहे थे। रक्षा मंत्री के लिए नामित पीट हेगसेथ को लेकर उनकी भाभी डैनियल ने बताया कि सामंथा की बातों से हमेशा लगता था कि वो किसी खतरे में हैं। डैनियल ने ये भी बताया कि सामंथा अपने आप को सुरक्षित रखने के लिए हमेशा एक सुरक्षित शब्द का इस्तेमाल करती थीं, जिससे वो अपने लोगों को अपने आप के खतरे में होने का एहसास करा सकें और मदद मांग सकें। इसको लेकर डैनियल ने दावा किया कि 2015 या 2016 में सामंथा ने उस शब्द का उपयोग किया उन्हें ये बताने के लिए किया था कि वो खतरे में है, जिसके बाद डैनियल को मदद के लिए तीसरे पक्ष से संपर्क करना पड़ा।

नाजी सैल्यूट विवाद के बीच एलन मस्क को मिला चरमपंथियों का समर्थन, नागरिक संगठनों ने जताई चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। एलन मस्क के डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में सीधे हाथ के इशारे पर विवाद बढ़ता जा रहा है। कई लोगों ने मस्क की आलोचना की है। दरअसल सीधे हाथ के इशारे को नाजी सैल्यूट होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि कट्टर दक्षिणपंथी लोग एलन मस्क के समर्थन में उतर गए हैं। चरमपंथी लोग इसका जश्न मना रहे हैं। गौरतलब है कि एलन मस्क ने सोमवार को कैपिटल वन एरेना में एक भाषण के दौरान एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप की जीत पर खुशी जताई थी और इसी दौरान उन्होंने सीधा हाथ उठाकर वह इशारा किया था, जिसे नाजी सैल्यूट कहा जा रहा है।

दक्षिणपंथी समूहों ने किया मस्क का समर्थन : इस पूरे विवाद को हवा इस बात से भी मिली है क्योंकि मस्क ने उनके इशारे को नाजी सैल्यूट होने के दावों का न तो खंडन किया है और न ही स्वीकारा है। हालांकि उन्होंने इस मामले पर हो रही आलोचना पर तीखी नाराजगी जाहिर की। एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि हर कोई हिटलर है। ये हमले बहुत थका देने वाले हैं। श्वेत राष्ट्रवादी समूह व्हाइट लाइव्स मैटर ने टेलीग्राम पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि, श्वेत ज्वाला फिर से उठेगी। श्वेत राष्ट्रवादी कीथ वुड्स ने एक्स पर साझा पोस्ट में मस्क का जोरदार समर्थन किया। एक अन्य दक्षिणपंथी ने लिखा कि हम वापस आ गए हैं।

नागरिक संगठनों ने जताई नाराजगी : हालांकि यहूदी विरोध और मानवाधिकारों पर निगरानी रखने वाली संस्था एंटी-डिफेमेशन लीग ने मस्क के इशारे की आलोचना की। अन्य विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्पष्ट नहीं है कि मस्क ट्रम्प समर्थकों की भीड़ को अपना हाथ आगे बढ़ाकर क्या संदेश देना चाह रहे थे। ऑनलाइन नफरत पर नजर रखने वाले इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक डायलॉग के वरिष्ठ शोध विश्लेषक जेरेड होल्ट ने कहा, मुझे संदेह है कि यह जानबूझकर किया गया था। यह लोगों के प्रति आभार व्यक्त करने का एक प्रकार का संकेत हो सकता है। अमेरिकी विश्वविद्यालय में संचार के प्रोफेसर कर्ट ब्रैडॉक ने कहा कि यह इशारा एक फासीवादी सलामी थी और लोगों को इस पर संदेह नहीं करना चाहिए। कर्ट ब्रैडॉक चरमपंथ, कट्टरपंथ और आतंकवाद का अध्ययन करते हैं। ब्रैडॉक ने मस्क के बारे में कहा, वह अभी भी इसे ऐसे टाल रहे हैं जैसे कि यह कोई गंभीर बात नहीं थी। मुझे पता है कि मैंने क्या देखा, मुझे पता है कि नव-नाजियों सहित चरम दक्षिणपंथी तत्वों के बीच इस पर क्या प्रतिक्रिया थी, और मैं देख सकता हूं कि अब क्या प्रतिक्रिया है। और इसमें से कोई भी हंसी की बात नहीं है।

यूरोप में नाजी सैल्यूट को द्वितीय विश्व युद्ध की घृणा, मृत्यु और विनाश से जोड़ा जाता है। इटली के एक कम्युनिस्ट युवा संगठन ने मंगलवार को मिलान के पियाजेल लोरेटो में मस्क का पुतला उल्टा लटका दिया, उसी जगह द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम दिनों में मुसोलिनी को फांसी दिए जाने के बाद उनके शरीर को उल्टा लटका दिया गया था।

तंजानिया में मारबर्ग वायरस की पुष्टि के बाद केन्या सतर्क

नैरोबी, एजेंसी। तंजानिया में फैले मारबर्ग वायरस के फैलने से पड़ोसी देश केन्या भी सतर्क हो गया है। एक स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि पड़ोसी देश तंजानिया द्वारा उत्तर-पश्चिमी कागेरा क्षेत्र में मारबर्ग वायरस रोग (एमवीडी) के प्रकोप की पुष्टि होने के बाद केन्या हाई अलर्ट पर है। केन्या की राजधानी नैरोबी में मंगलवार को जारी एक बयान में स्वास्थ्य मंत्रालय में सार्वजनिक स्वास्थ्य और व्यावसायिक मानकों की प्रमुख सचिव मैरी मुथोनी ने कहा कि हालांकि केन्या में कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन तंजानिया और अन्य पड़ोसी देशों से सीमा पार बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही के कारण देश में इसका खतरा बढ़ गया है।

उन्होंने कहा, ÷स्वास्थ्य मंत्रालय सभी केन्यावासियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है। परिणामस्वरूप, मारबर्ग वायरस रोग की तैयारी और रिस्पॉन्स प्लान के विकास के माध्यम से देश में तैयारियों को बढ़ाया जा रहा है।÷ समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, यह बयान सोमवार को तंजानिया के कागेरा क्षेत्र में मारबर्ग वायरस के प्रकोप की पुष्टि के बाद जारी किया गया, जहां संदिग्ध संक्रमण की जांच के दौरान एक पॉजिटिव मामला सामने आया।

तंजानिया ने बताया कि सोमवार तक कुल 25 संदिग्ध मामलों की पहचान की गई है। सभी की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है और फिलहाल उन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, तंजानिया ने इससे पहले मार्च 2023 में कागेरा क्षेत्र में एमवीडी प्रकोप की सूचना दी थी, जो देश का पहला मामला था, इस दौरान कुल नौ मामले और छह मौतें दर्ज की गई थीं।

मुथोनी ने कहा कि इस गंभीर बीमारी के प्रकोप को रोकने के लिए देश भर में सभी काउंटियों और प्रवेश के सभी बिंदुओं पर निगरानी बढ़ा दी गई है, क्योंकि इस बीमारी के कारण मौत भी हो जाती है। मुथोनी ने कहा, ÷हम आम जनता को सलाह देते हैं कि वे सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों का पालन करें और यदि आपको मारबर्ग वायरस रोग जैसे कोई लक्षण महसूस होते हैं तो निकटतम सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा में चिकित्सा सहायता लें।÷

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, मारबर्ग वायरस फल खाने वाले चमगादड़ों से लोगों में फैलता है और संक्रमित लोगों के शारीरिक तरल पदार्थ, सतहों और सामग्रियों के सीधे संपर्क के माध्यम से मनुष्यों में फैलता है। अफ्रीका में, अंगोला, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, घाना, केन्या, रवांडा, दक्षिण अफ्रीका और युगांडा में पहले भी इसके प्रकोप और छिटपुट मामले सामने आ चुके हैं।

यमन के तट पर नाव पलटने से 20 इथियोपियाई प्रवासियों की मौत : आईओएम

अदन, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने बताया कि सप्ताहांत में दक्षिणी यमनी तट के पास एक नाव के पलट जाने से कुल 20 इथियोपियाई प्रवासियों की मौत हो गई, जिनमें नौ महिलाएं और 11 पुरुष शामिल थे। आईओएम ने एक बयान में कहा कि यह नाव, जिसमें 35 इथियोपियाई प्रवासी, एक यमन कप्तान और उसका सहायक सवार थे, कथित तौर पर जिबूती के हम्मारता क्षेत्र से रवाना हुआ था और शनिवार रात को तैज प्रांत के दुबाब जिले के अल-हज्जाजाह के पास तेज मौसमी हवाओं के बीच पलट गई। बयान में कहा गया कि जीवित बचे लोग सफलतापूर्वक तट पर पहुंच गए हैं। बयान में यमन में आईओएम के मिशन प्रमुख अब्दुसत्तोर एसोव के हवाले से कहा गया है, ÷यह त्रासदी उन खतरनाक परिस्थितियों की याद दिलाती है, जिनसे प्रवासी सुरक्षा और बेहतर जीवन की तलाश में गुजरते हैं।÷ एसोव ने कहा, ÷अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को अनियमित प्रवास के मूल कारणों को दूर करने तथा प्रवासियों की सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता देने के अपने संकल्प को मजबूत करना चाहिए। यमन के तटीय जल दुनिया के सबसे खतरनाक जलक्षेत्रों में से हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, आईओएम के आंकड़ों के अनुसार, अकेले 2024 में यमन में 60,000 से अधिक प्रवासियों के आगमन का दस्तावेजीकरण किया गया है।

2014 से अब तक पूर्वी मार्ग पर 3,435 मौतें और लापता होने की घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें डूबने से 1,416 लोगों की मौत शामिल है। मंगलवार को नाम न बताने की शर्त पर एक यमन सरकार के अधिकारी ने सिन्हुआ से बात करते हुए पुष्टि की कि यह घटना कई दिन पहले हुई थी और कहा कि दर्जनों लोग मारे गए हैं। हालांकि उन्होंने हताहतों की कोई विशिष्ट संख्या नहीं बताई। एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम में आईओएम ने 15 जनवरी को समझौता ज्ञापन (एमओयू) और डेटा साझाकरण प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर करने के लिए इथियोपियाई सांख्यिकी सेवा (ईएसएस) और प्रवासन डेटा सृजन में शामिल 13 सरकारी संस्थानों की सराहना की। इथियोपियाई सांख्यिकी सेवा, इथियोपियाई आपदा जोखिम प्रबंधन आयोग, इथियोपियाई राष्ट्रीय आईडी कार्यक्रम, आव्रजन और नागरिकता सेवा, और रिफ्यूजी एंड रिटर्निंग सर्विस उन प्रमुख संस्थानों में से थे।

ट्रंप सरकार का बड़ा फैसला, समानता और समावेशी स्टाफ को छुट्टी पर भेजा, नौकरी से निकालने की तैयारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शपथ ग्रहण के बाद से ही लगातार बड़े फैसले ले रहे हैं। अब एक और बड़े फैसले के तहत ट्रंप ने विविधता, समानता और समावेशी विभाग के पूरे स्टाफ को छुट्टी पर भेजने का निर्देश दे दिया है। इतना ही नहीं इन लोगों को नौकरी से निकालने की तैयारी है। ट्रंप ने अपने राष्ट्रपति काल के पहले दिन कई कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, इन्हीं में से एक अमेरिकी संघीय सरकार के डीईआई विभाग के कर्मचारियों को सवेतन छुट्टी पर भेजने का भी आदेश शामिल है।

आदेश के बाद डीईआई के सारे वेबपेज बंद : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे ऐसी योजना पर काम करें ताकि डीईआई विभाग के कर्मचारियों को नौकरी से हटाया जा सके। ट्रंप सरकार के इस कदम से भेदभाव रोधी प्रशिक्षण की फंडिंग और अल्पसंख्यक किसानों को फंडिंग प्रभावित होगी। ट्रंप के कार्यकारी आदेश के तुरंत बाद डीईआई विभाग के सारे वेबपेज बंद कर दिए गए हैं। साथ ही ये निर्देश दिया गया है कि अगर आदेश के बाद भी डीईआई संबंधी कोई कार्यक्रम जारी रहता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान ही इसे बंद करने का किया था वादा : डीईआई के तहत अमेरिकी न्याय विभाग को यह अधिकार मिलता है कि वे निजी कंपनियों की जांच कर सकते हैं। जिसमें कंपनियों की प्रशिक्षण व्यवस्था, नौकरी पर कर्मचारियों को रखने की प्रक्रिया की जांच की जाती है और यह पता लगाने की कोशिश की जाती है कि इसमें भेदभाव तो नहीं हो रहा है। हालांकि कई लोगों का मानना है कि इससे गैर अल्पसंख्यकों खासकर श्वेत लोगों के साथ भेदभाव होता है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान ही डीईआई को बंद करने का वादा किया था।

विविधता प्रशिक्षण और जवाबदेही कार्यालय क्या है : ट्रंप का यह आदेश संघीय कर्मचारियों में विविधता और समावेशी प्रथाओं को शामिल करने के बाइडन सरकार की कोशिशों को समाप्त कर देगा। बाइडन सरकार में सभी संघीय एजेंसियों को विविधता योजना विकसित करने, वार्षिक प्रगति रिपोर्ट जारी करने और भर्ती और पदोन्नति में जनसांख्यिकीय रुझानों को ट्रैक करने का आदेश दिया था। प्रशासन ने डीईआई योजना के कार्यान्वयन की देखरेख के लिए एक मुख्य विविधता अधिकारी परिषद भी स्थापित की। सरकार ने 2022 में अपनी पहली डीईआई प्रगति रिपोर्ट जारी की थी, जिसके अनुसार, अमेरिका के संघीय कर्मचारियों का जनसांख्यिकीय डेटा शामिल था, जिसमें कुल मिलाकर लगभग 60प्रतिशत श्वेत और 55प्रतिशत पुरुष है, और वरिष्ठ कार्यकारी स्तर पर 75प्रतिशत से अधिक श्वेत और 60प्रतिशत से अधिक पुरुष हैं।

ट्रंप के सत्ता संभालते ही न्याय विभाग में बड़े फेरबदल : डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालते ही अमेरिकी न्याय विभाग में बदलाव का दौर शुरू हो गया है। ट्रंप ने पाम बॉन्डी को नया अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया है। बॉन्डी की नियुक्ति की पुष्टि होने से पहले ही न्याय विभाग के कई अधिकारियों के पद बदले गए हैं। जिन लोगों को पुराने पद से हटाकर नई नियुक्ति दी गई है, उनमें ब्रूस स्वार्ट्ज भी शामिल हैं, जो न्याय विभाग के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय के लंबे समय तक प्रमुख रहे। यह कार्यालय प्रत्यर्पण मामलों को संभालता है। कुल मिलाकर 20 से अधिक अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है।

स्मार्टफोन निर्यात में भारत दूसरे स्थान पर, पीएलआई स्कीम का असर

- चार साल पहले 14वें स्थान पर था

नई दिल्ली ।

प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के अद्भुत प्रभाव के बाद भारत ने स्मार्टफोन निर्यात में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। केंद्रीय रेलवे और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अब स्मार्टफोन देश के निर्यात के मामले में दूसरे स्थान पर है। यह चार साल पहले 14वें स्थान पर था, जो स्कीम के फलस्वरूप हुआ है। वैष्णव ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से इसकी सराहना की और कहा कि पीएलआई स्कीम ने भारत की प्रतिस्पर्धा क्षमता में इजाफा किया है। इसके साथ ही, इस स्कीम से सम्बंधित इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। देश में इकोसिस्टम की तेजी से विकास की ओर कदम बढ़ रहा है और यह सेक्टर विश्वस्तरीय उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार है। स्मार्टफोन के साथ-साथ भारत के टॉप-5 निर्यातों में मोटर वाहन डीजल ईंधन, विमानन ईंधन, हीरे और मोटर गैसोलीन शामिल हैं। सरकार ने पीएलआई स्कीम के तहत कंपनियों को वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में 1,600 करोड़ रुपये का इंसेंटिव प्रदान किया है, जिसमें से बड़े स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कर रही कंपनियों को 964 करोड़ रुपये मिले हैं। देश के इलेक्ट्रॉनिक निर्यात में वृद्धि के बाद आशा है कि सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स के शुरू होने से और भी उत्साह भरी गति से इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में तेजी आएगी।

पेट्रोल-डीजल बिहार सहित कई राज्यों में हुआ सस्ता

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें जारी कर दी हैं। शुक्रवार को कई राज्यों में तेल के दाम नीचे दिख रहे। इसकी वजह ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट है। ब्रेंट क्रूड का भाव एक बार फिर 80 डॉलर से नीचे जाता दिख रहा है, जिसका असर घरेलू बाजार में खुदरा कीमतों पर भी दिखा. हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में आज पेट्रोल 18 पैसे सस्ता होकर 94.99 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 18 पैसे गिरा और 87.84 रुपये लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में भी पेट्रोल 35 पैसे सस्ता होकर 105.23 रुपये लीटर तो डीजल 33 पैसे गिरकर 02.09 रुपये लीटर बिक रहा है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेट्रोल 19 पैसे चढ़कर 104.91 रुपये लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 17 पैसे महंगा होकर 90.21 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 78.29 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी उछाल के साथ 74.27 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। इन शहरों में बदल गए रेट- गुरुग्राम में पेट्रोल 94.99 रुपये और डीजल 87.84 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.23 रुपये और डीजल 92.09 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

जयपुर में पेट्रोल 104.91 रुपये और डीजल 90.21 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

ओला और उबर को सीसीपीए ने जारी किया नोटिस

एक ही जगह के लिए एंड्रायड और आईओएस पर अलग-अलग किराया दिखाने का मामला

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने ओला और उबर जैसी कैब एग्रीगेटर कंपनियों के लिए एंड्रायड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग किराया दिखाने पर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने नोटिस जारी किया। ग्राहकों के मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम के आधार पर मूल्य निर्धारण करने को लेकर स्पष्टीकरण की मांग की गई है। प्राधिकरण ने इस प्रैक्टिस को स्पष्ट रूप से अलग-अलग मूल्य निर्धारण के रूप में वर्णित किया है और उद्यमों से संभावित भेदभाव को हटाने की गुहार दी है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने इस निर्देश के माध्यम से सभी स्थितियों में उपयुक्त और सरल समाधान की दिशा में कदम उठाने की आशा व्यक्त की है। केंद्र सरकार ने कैब एग्रिगेटर ओला और उबर से एंड्रायड और आईओएस पर एक ही जगह के लिए अलग-अलग किराया दिखाए जाने को लेकर नोटिस जारी किया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने सवारी बुक करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले मोबाइल डिवाइस के आधार पर कथित रूप से अलग-अलग मूल्य निर्धारण की रिपोर्ट पर स्पष्टीकरण मांगा है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की ओर से यह कार्रवाई उन रिपोर्टों के बाद की गई है, जिनमें कहा गया था कि ओला और उबर एक ही जगह के लिए अलग-अलग किराया वसूलते हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि यूजर आईफोन से बुक कर रहा है या एंड्रॉइड डिवाइस से बुकिंग कर रहा है। सीसीपीए ने दोनों कंपनियों से अपने मूल्य निर्धारण के तरीकों को स्पष्ट करने और संभावित भेदभाव की चिंताओं को दूर करने के लिए कहा है।

ट्राई के आदेश का असर, जिओ ने वॉयस और एसएमएस वाले प्रीपेड प्लान को उतारा

नई दिल्ली ।

एयरटेल की ओर से हाल ही में सस्ते प्लान लाए गए थे। अब इसी क्रम में जियो ने कदम आगे बढ़ाया है। जिओ ने वॉयस और एसएमएस वाले प्रीपेड प्लान को मार्केट में उतारा है। ट्राई की तरफ से टेलीकॉम कंपनियों को इसतरह प्लान लाने के लिए कहा गया था। ट्राई ने कहा था कि यूजर्स को स्पेशल टैरिफ वाउचर लाने चाहिए। इसतरह के प्लान में यूजर्स को वॉयस और एसएमएस बेनिफिट्स मिलने चाहिए।

जिओ ने 458 का प्लान लाया है। ये एंट्री लेवल प्लान है, इसमें यूजर्स को अनलिमिटेड वॉयस कॉल्स और 1 हजार एसएमएस की सुविधा दी जा रही है। इस प्लान की वैलिडिटी 84 दिनों की मिलती है। साथ में यूजर्स को सब्सक्रिप्शन बेनिफिट्स भी मिलते हैं। यानी यूजर्स अगर ये प्लान खरीदते हैं, तब साथ में उन्हें जियो टीवी, जियो सिनेमा और जियो क्लाउड मिलने वाला है। पहले ये प्लान 479 का आता था और इसमें वॉयस और एसएमएस के साथ 6जीबी डेटा दिया जाता था। अब प्लान को अपडेट करने के बाद 21 रुपए सस्ता कर दिया गया है, लेकिन इसमें डेटा बेनिफिट्स को भी हटाया गया है।

जिओ की तरफ से 1958 का प्लान भी लाया गया है। इसकी वैलिडिटी 365 दिनों की मिलती है। यूजर्स को प्लान में अनलिमिटेड वॉयस कॉल्स और 3,600 एसएमएस भी दिए जाते हैं। इसके साथ आपको जियो एप का सब्सक्रिप्शन भी दिया जाएगा। इसमें जियो टीवी, जियो सिनेमा और जियो क्लाउड को भी शामिल किया गया है। वैल्यू ऑफरिंग के तहत ये प्लान जियो ने वेबसाइट पर लिस्ट किया है। इससे पहले जियो की तरफ से ये प्लान 1899 की कीमत में था। इसकी वैलिडिटी 336 दिनों की मिलती है। प्लान में अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग, 3600 एसएमएस, 6जीबी डेटा दिया जाता है। प्लान अपडेट करने के बाद जियो ने कीमत को 59 रुपए महंगा कर दिया है, लेकिन इसमें डेटा को हटाकर वैलिडिटी को 29 दिनों के लिए बढ़ा दिया है।

होम सिक्योरिटी सॉल्यूशन में 53 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने उन्नत तकनीक को प्राथमिकता दी

- वर्ष 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा डोमेस्टिक ट्रैवल मार्केट बनने की संभावना

नईदिल्ली ।

जब राष्ट्रीय पर्यटन दिवस नजदीक आ रहा है, तो गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय ने एक हैप्पीनेस सर्वे आयोजित किया जिसमें प्राप्त हुए नतीजे दिखा रहे हैं कि 53 फीसदी ग्राहक आधुनिक होम सिक्योरिटी सॉल्यूशन में उन्नत तकनीक को प्राथमिकता दे रहे हैं। यह सर्वे दर्शाता है कि सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट और अभिनव उपायों की मांग तेजी से बढ़ रही है। पर्यटन के अमूल्य योगदान की बात करते हुए, राष्ट्रीय पर्यटन दिवस ने भी दर्शाया है कि भारत का पर्यटन उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है और वर्ष 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा डोमेस्टिक ट्रैवल मार्केट बनने की संभावना है। केवल 2024 में ही इस क्षेत्र ने विदेशी मुद्रा में 25,010 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व उत्पन्न किया है। इस उन्नति के साथ, यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं भी बढ़ रही हैं। एक अलग सर्वे में पाया गया है कि 50 फीसदी गृहस्वामी उपयोग में आसानी को प्राथमिकता देते हैं, जबकि 44 फीसदी घर के मालिक मानते हैं कि विश्वसनीयता ही सबसे महत्वपूर्ण है। इससे स्पष्ट है कि लोग सुरक्षा में उन्नति की मांग कर रहे हैं और समाधानों की खोज में हैं जो उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करने में मदद करें। इस परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा समाधानों की उच्च मांग ने उन्हें ग्राहकों के लिए उत्कृष्ट समाधान उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने गोदरेज की प्रतिबद्धता और योजना की महत्वपूर्णता को भी जाहिर किया कि लोगों को सुरक्षित रखने में मदद करना हमारी प्राथमिकता है।

2025 की शुरुआत में मिड और स्मॉलकैप स्टॉक्स का बुरा हाल

नई दिल्ली ।

2025 की पहली तिमाही ने मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स के लिए कमर कस ली है। इन इंडेक्स ने अब तक बेंचमार्क निफ्टी 50 से कमजोर प्रदर्शन किया है। मिडकैप 150 इंडेक्स ने 2025 में करीब 7 फीसदी की गिरावट दर्ज की है, जबकि स्मॉलकैप 250 इंडेक्स करीब 9 फीसदी गिर चुका है। निफ्टी 50 इंडेक्स भी इसी अवधि में लगभग 2 फीसदी कमजोर हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार में दो अहम ट्रेंड नजर आ रहे हैं। पहला ट्रेंड है संस्थागत गतिविधियां, जहां फॉरेन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स बिकवाली कर रहे हैं और डोमेस्टिक इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स खरीदारी कर रहे हैं। दूसरा ट्रेंड है क्वालिटी की ओर रुझान, जहां लार्जकैप स्टॉक्स मजबूत हैं जबकि ब्रॉडर मार्केट कमजोर हो रहा है। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हालिया गिरावट ने लंबे समय की तेजी को ठहराया है। एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि इनके वैल्यूएशन महंगे हो चुके हैं और आगे भी सुधार की संभावना कम है। इसके बजाय, लार्जकैप शेयरों पर ध्यान देने की सलाह दी जा रही है।

क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में फंसी पेटीएम, ईडी की जांच के घेरे में आई

मुंबई । डिजिटल भुगतान की दिग्गज कंपनी पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस क्रिप्टोकरेंसी घोटाला मामले में ईडी की जांच के घेरे में आ गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच के दायरे में आने की खबर के बाद पेटीएम का स्टॉक भारी गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार पेटीएम उन आठ पेमेंट गेटवे कंपनियों में शामिल है, जिनके खिलाफ ईडी ने जांच शुरू की है। इन कंपनियों के वर्चुअल अकाउंट्स में करीब 500 करोड़ रुपए की राशि को ईडी ने फ्रीज कर दिया है। यह कार्रवाई चीनी नागरिकों द्वारा चलाए जा रहे कथित क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में इन कंपनियों की संभावित संलिप्तता के चलते की गई है। आरोप है कि चीन के इन नागरिकों ने एचपीजेड टोकन ऐप के जरिए 20 राज्यों में हजारों लोगों को झांसे में लेकर 2200 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि जुटाई। ईडी ने इस घोटाले में पेटीएम समेत अन्य कंपनियों की भूमिका की जांच शुरू की है। इस खबर के बाद पेटीएम का स्टॉक शुक्रवार को 849.95 रुपए पर खुलने के बाद लगभग 9 फीसदी गिरकर 773.05 रुपए के निचले स्तर पर पहुंच गया।

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स को मिले 2,038 करोड़ के ठेके

नई दिल्ली । कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) ने अपनी अंतरराष्ट्रीय अनुषंगी कंपनियों के साथ मिलकर 2,038 करोड़ रुपये के नए ठेके हासिल करने की शुक्रवार को जानकारी दी। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार नए ठेके भारत और विदेशी बाजारों में पारेषण एवं वितरण कारोबार के साथ-साथ भारत में निर्माण परियोजनाओं से हैं। केपीआईएल के एक अधिकारी ने कहा कि इन नए ठेकों के साथ हमारे ठेके वार्षिक आधार पर 19,361 करोड़ रुपये तक पहुंच गए हैं, जो व्यापार दृश्यता में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। केपीआईएल सबसे बड़ी विशेषीकृत ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण) कंपनियों में से एक है। यह वर्तमान में 30 से अधिक देशों में परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है। वैश्विक स्तर पर 75 देशों में इसकी उपस्थिति है।

अरविंद स्मार्टस्पेसेज ने टाउनशिप बनाने के लिए किया संयुक्त विकास समझौता

- 92 एकड़ की टाउनशिप विकसित करेगा, 1,500 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य

ARVIND SMARTSPACES

नई दिल्ली । भूमि विकास के क्षेत्र में अपनी अद्वितीय पहचान बनाने वाली अरविंद स्मार्टस्पेसेज लिमिटेड ने शुक्रवार को 92 एकड़ में टाउनशिप बनाने के लिए संयुक्त विकास समझौता किया है। इस गृहप्रशासन निर्माण परियोजना से उन्हें 1,500 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल होने की उम्मीद है। अरविंद स्मार्टस्पेसेज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस महत्वपूर्ण समझौते पर विचार किया है। उन्होंने कहा कि हमें मुंबई रियल एस्टेट बाजार में प्रवेश की इस अद्भुत संभावना के लिए बहुत खुशी है। यह हमारी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अहम समझौते के तहत टाउनशिप के निर्माण के लिए सच डेवलपर्स के साथ साझेदारी की जा रही है। इस ताजी भूमि विकास योजना का कुल अनुमानित क्षेत्रफल 92 एकड़ है और इससे कुल 1,500 करोड़ रुपये की आय होने की उम्मीद है। यह सहायक संयुक्त विकास मॉडल के तहत योजनाबद्ध है, जो 70.5 प्रतिशत राजस्व हिस्सेदारी को शामिल करता है। अरविंद स्मार्टस्पेसेज 2008 में स्थापित हुई अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर कंपनी में से एक है, जिसने भारतीय निवेशदाताओं के लिए नए अवसरों का संचालन किया है।

जीएसटी टैक्सः छोटे आय वाले मिस्त्री को 1.96 करोड़ का टैक्स नोटिस

- सुनील के नाम पर 11 कंपनियां हो रही हैं संचालित

अहमदाबाद ।

गुजरात के पाटन जिले से जीएसटी से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। अहमदाबाद में मिस्त्री का काम करने वाले सुनील सथवारा को बेंगलुरु जीएसटी विभाग से 1.96 करोड़ रुपये का टैक्स नोटिस मिला। महज 16-17 हजार रुपये की मासिक आय से परिवार चलाने वाले सुनील के लिए यह नोटिस किसी बड़े सदमे से कम नहीं था। जांच में यह खुलासा हुआ कि सुनील के नाम पर 11 कंपनियां संचालित हो रही हैं, जो देश के अलग-अलग राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और अंडमान निकोबार में पंजीकृत हैं। यह भी पाया गया कि इन कंपनियों के पंजीकरण के लिए सुनील के नकली आधार और पैन कार्ड का उपयोग किया गया था। टैक्स नोटिस मिलने के बाद सुनील ने वकील से संपर्क किया और दस्तावेजों की जांच कराई। फर्जी दस्तावेजों के उपयोग का पता चलने पर उन्होंने गृह विभाग और क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई। सुनील का कहना है कि उनके दस्तावेजों का दुरुपयोग कर यह रैकेट संचालित किया गया है। मामले की जांच गांधीनगर सीआईडी क्राइम के हवाले की गई है। जांच के बाद यह स्पष्ट होगा कि यह रैकेट किसने चलाया, असली आरोपी कौन है और उसका मकसद क्या था। यह घटना आधार और पैन कार्ड से जुड़ी सुरक्षा खामियों और फर्जीवाड़े को उजागर करती है। संबंधित विभागों से अपील की जा रही है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कठोर कदम उठाए जाएं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आयी है। इसके साथ ही देसी कंपनियों के दिसंबर तिमाही परिणामों को लेकर चिंता की वजह से भी दोनों प्रमुख इंडेक्स लगातार नीचे आये हैं। इसके साथ ही एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे दिग्गज कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली ने भी बाजार टूटा है।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 329.92 अंक करीब 0.43 फीसदी की गिरावट के साथ ही 76,190.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी आज उतार-चढ़ाव के बाद अंत में 113.15 अंक तकरीबन 0.49 फीसदी नीचे आकर 23,092 पर बंद हुआ।

जानकारों के अनुसार आज बाजार में गिरावट का कारण विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला जारी रहने से आया है। इसके अलावा। विदेशी निवेशकों ने घरेलू बाजारों से 5,462 करोड़ रुपये की इक्विटी बेचीं। जिससे भी बाजार नीचे आया है।

इसके साथ ही देसी कंपनियों के दिसंबर तिमाही के परिणामों के उम्मीद से कम रहने की वजह से बाजार सेंटीमेंट प्रभावित हुआ है। इसकी वजह से दोनों प्रमुख इंडेक्स लगातार तीसरी बार गिरावट पर बंद हुए। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे हैवीवेट शेयरों में मुनाफावसूली से भी बाजार फिसला है।

वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार तीसरे कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ खुले। एशिया बाजार शुक्रवार सुबह तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं, जो वॉल स्ट्रीट की मजबूती का असर है। कामकाज शुरू होने पर बीएसई का प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 33.14 अंक उछलकर 76,553.52 अंक पर खुला। वहीं निफ्टी ने भी 7.80 अंक बढ़कर 23,213.15 अंक पर अपने कारोबार की शुरुआत की। वहीं एशिया बाजार में शुक्रवार को तेजी देखने को मिल रही है। अमेरिकी बाजारों में एसएंडपी 500 ने 0.53 फीसदी की बढ़त के साथ 6,118.71 पर बंद होकर लगातार दूसरे सत्र में ऑल-टाइम हाई बनाया। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.92 फीसदी बढ़कर 44,565.07 पर पहुंच गया, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.22 फीसदी बढ़कर 20,053.68 पर बंद हुआ।

अमेजन वेब सर्विसेज भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाने महाराष्ट्र में करेगी निवेश

मुंबई ।

अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) ने भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र में 8.3 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना की घोषणा की। अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) ने भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र में एडब्ल्यूएस एशिया-प्रशांत (मुंबई) क्षेत्र में क्लाउड बुनियादी ढांचे में 8.3 अरब अमेरिकी डॉलर याने करीब 72 हजार करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना की घोषणा की है। यह निवेश एडब्ल्यूएस के 2030 तक भारत के लिए 12.7 अरब अमेरिकी डॉलर याने 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये के बड़े नियोजित निवेश का हिस्सा है, जिसकी घोषणा मई 2023 में की गई थी। अमेजन की क्लाउड कंप्यूटिंग इकाई ने कहा कि एडब्ल्यूएस ने भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमता का और विस्तार करने के लिए, महाराष्ट्र में एडब्ल्यूएस एशिया-प्रशांत (मुंबई) क्षेत्र में क्लाउड के बुनियादी ढांचे में 8.3 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की अपनी योजना की घोषणा की। अनुमान है कि इस निवेश से भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 15.3 अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान होगा। स्थानीय डेटा सेंटर आपूर्ति श्रृंखला में 2030 तक सालाना 81,300 से अधिक पूर्णकालिक नौकरियां सृजित होंगी। एडब्ल्यूएस ने 2016 से 2019 के बीच महाराष्ट्र में क्लाउड के बुनियादी ढांचे में 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश किया है। महाराष्ट्र सरकार और एडब्ल्यूएस ने निवेश योजना को औपचारिक रूप देने के लिए दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा, 'जैसा कि हम डेटा सेंटर के लिए वैश्विक राजधानी बनने के अपने दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहे हैं। यह सहयोग न केवल हमारे राज्य के प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा, बल्कि नवाचार, आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन के नए अवसर भी उत्पन्न करेगा।

पतंजलि की लाल मिर्च फिर शक के दायरे में

- फूड अथॉरिटी ने पूरा बैच वापस मंगाया

नई दिल्ली । पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने कहा कि खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने कंपनी को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने को लेकर एक विशेष बैच की पैक की गई लाल मिर्च पाउडर को वापस मंगाने का निर्देश दिया है। कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने इस संबंध में 13 जनवरी को एक आदेश जारी किया था। कंपनी ने कहा, खाद्य सुरक्षा नियामक ने पतंजलि फूड्स को निर्देश दिया है कि वह पूरे बैच (बैच नंबर - एजेडी2400012) की पैक की गई लाल मिर्च पाउडर को वापस मंगाए, क्योंकि यह खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम, 2011 का पालन नहीं करता है। 1986 में स्थापित बाबा रामदेव के नेतृत्व वाली पतंजलि आयुर्वेद समूह की कंपनी, पतंजलि फूड्स (पूर्व में रुचि सोया) भारत की शीर्ष एफएमसीजी कंपनियों में से एक है। कंपनी खाद्य तेल, खाद्य और एफएमसीजी और पवन ऊर्जा उत्पादन क्षेत्रों में सक्रिय है। यह पतंजलि, रुचि गोल्ड, न्यूट्रेला आदि ब्रांडों के तहत उत्पाद बेचती है।

भारत ने दूसरे टी-20 मैच में इंग्लैंड को हराया

चेन्नई। गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन के बाद तिलक वर्मा (नाबाद 72) की अर्धशतकीय और रवि बिश्नोई की (नाबाद नौ) रनों की साहसिक पारियों की बदौलत भारत ने शनिवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में इंग्लैंड को दो विकेट से हराया। इसी के साथ भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली हैं।

इंग्लैंड के 165 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने 19 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। अभिषेक शर्मा (12) और संजू सैमसन (पांच) रन बनाकर आउट हुये। तीसरे विकेट के रूप में बल्लेबाजी करने आये तिलक वर्मा ने कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। छठें ओवर में ब्राइडन कार्स ने सूर्यकुमार यादव (12) को आउटकर भारत को तीसरा झटका दिया। इसके बाद ध्रुव जुरेल (चार), हार्दिक पंड्या (सात) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। ऐसे संकट के समय वॉशिंगटन सुंदर ने तिलक वर्मा के साथ पारी को संभाला। ब्राइडन कार्स ने वॉशिंगटन सुंदर (26) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद अक्षर पटेल (दो) और अर्शदीप सिंह (छह) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रवि बिश्नोई ने तिलक वर्मा का बखूबी साथ निभाया। तिलक वर्मा ने 55 गेंदों में चार चौके और पांच छक्के लगाते हुए (नाबाद 72) रनों की पारी खेली। वहीं रवि बिश्नोई पांच गेंदों में (नौ) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने 19.2 ओवर में आठ विकेट पर 166 रन बनाकर मुकाबला दो विकेट से जीत लिया।

इंग्लैंड की ओर से ब्राइडन कार्स ने तीन विकेट लिये। जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, आदिल रशीद, जेमी ओवर्टन और लियम लिविंगस्टन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां जॉस बटलर (45), ब्राइडन कार्स (31) और जेमी स्मिथ (22) की आतिशी बल्लेबाजी के दम इंग्लैंड ने भारत को जीत के लिए 166 रनों का लक्ष्य था। भारत ने टॉस जीतकर इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने दोनों सलामी बल्लेबाजों फिल सॉल्ट (चार) और बेन डकेट (तीन) के विकेट 26 के स्कोर पर गवां दिये। उसके बाद कप्तान जॉस बटलर और हैरी ब्रूक ने पारी को संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में वरूण चक्रवर्ती ने हैरी ब्रूक (13) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। 10वें ओवर में अक्षर पटेल ने तेजी के साथ रन बना रहे जॉस बटलर को तिलक वर्मा के हाथों कैच आउट करा दिया। जॉस बटलर ने 30 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के लगाते हुए (45) रन बनाये। लियम लिविंगस्टन (13), जेमी स्मिथ (22),और आदिल रशीद (10) रन बनाकर आउट हुये। ब्राइडन कार्स ने 17 गेंदों में 31 रन बनाकर आउट हुये। जोफ्रा आर्चर (12) और मार्क वुड (पांच) रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 165 का स्कोर बनाया।

शिवम दुबे और रमनदीप भारतीय टी-20 टीम में हुए शामिल

चेन्नई। चोटिल नीतीश कुमार रेड्डी और रिंकू सिंह की जगह शिवम दुबे और रमनदीप को इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टी-20 सीरीज के शेष मैचों के लिए टीम शामिल किया गया है। दोनों खिलाड़ी तीसरे टी-20 मैच से टीम के लिए उपलब्ध रहेंगे। नीतीश कुमार रेड्डी साइड स्ट्रेन के चलते बाहर हो गए हैं और उन्हें एसीए जाने की सलाह दी गई है। वहीं रिंकू सिंह को पहले मैच में क्षेत्ररक्षण के दौरान पीठ में जकड़न थी। उन्हें बस दूसरे और तीसरे मैच के लिए बाहर किया गया है, क्योंकि वह ठीक हो रहे हैं और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ल्ड (बीसीसी) के चिकित्सा दल की निगरानी में हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन:

ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे यानिक सिनर

नई दिल्ली, एजेंसी। सिनर के सामने शुक्रवार को पुरुष एकल के सेमीफाइनल में 2023 अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनलिस्ट बेन शेलटन की चुनौती होगी, जिन्होंने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में लोरेंजो सोनेगो को मात दी। विश्व रैंकिंग में शीर्ष पायदान पर काबिज यानिक सिनर ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में बुधवार को यहां स्थानीय खिलाड़ी एलेक्स डि मिनौर को आसानी से हराकर अंतिम चार की टिकट पक्की की। सिनर के सामने शुक्रवार को पुरुष एकल के सेमीफाइनल में 2023 अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनलिस्ट बेन शेलटन की चुनौती होगी, जिन्होंने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में लोरेंजो सोनेगो को मात दी।

मिनौर के साथ स्थानीय दर्शकों का समर्थन था लेकिन सिनर ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया और 6-3, 6-2, 6-1 की आसान जीत दर्ज की। इससे पहले अमेरिका के 22 साल के वामहस्त खिलाड़ी शेलटन ने इटली के गैरवरीय खिलाड़ी के खिलाफ 6-4, 7-5, 4-6, 7-6 से जीत दर्ज की। इस 21वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 144 मील प्रति घंटे (232 किलोमीटर प्रतिघंटे) की रफ्तार से सर्विस कर पहला सेट अपने नाम करने के साथ मौजूदा सत्र के सबसे तेज सर्विस की बराबरी की। शेलटन ने इस जीत के बाद कहा, राहत महसूस कर रहा हूं। मैं सोनेगो की तारीफ करना चाहूंगा, उसने भी कमाल का खेल दिखाया।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले फखर जमान का जलवा, दुबई में खेली तूफानी पारी

- रोहित शर्मा के लिए न बन जाए सिरदर्द

नइ दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने अब तक आधिकारिक तौर पर चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम का ऐलान नहीं किया गया है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अनुभवी बल्लेबाज फखर जमान टीम का हिस्सा होंगे। इस बल्लेबाज ने चैंपियंस ट्रॉफी से पहले ही अपनी तूफानी बल्लेबाजी से रोहित शर्मा की टेंशन जरूर बढ़ गई है।

डेजर्ट वाइपर्स के लिए खेलते हैं फखर जमान

फखर जमान इस समय इंटरनेशनल मास्टर्स लीग 2025 में खेल रहे हैं। वह डेजर्ट वाइपर्स का हिस्सा हैं। गुरुवार को उनका सामना शारहजाह वॉरियर्स से था। शारजाह ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 91 रन बनाए थे। टीम के लिए जेसन रॉय ने सबसे ज्यादा 30 रन की पारी खेली थी।

फखर जमान ने की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी

91 रन का लक्ष्य डेजर्ट वाइपर्स ने 10 ओवर में ही हासिल कर लिया। टीम की ओपनिंग जोड़ी ने यह काम किया। फखर जमान ने ताबड़तोड़ अंदाज बल्लेबाजी की। इस पाकिस्तानी बल्लेबाज ने 39 गेंदों में 71 रन बनाए। इस पारी में सात चौके और चार छक्के जमाए। 182.05 के स्ट्राईक रेट से बल्लेबाजी की।

रोहित शर्मा की बढ़ेगी टेंशन

फखर जमान अगर पाकिस्तान की चैंपियंस ट्रॉफी का हिस्सा हैं तो उनका यह फॉर्म रोहित शर्मा के लिए टेंशन बढ़ाने वाली बात है। खासतौर पर यह बात की फखर जमान ने यह पारी उसी मैदान पर खेली है जहां भारत को अपने चैंपियंस ट्रॉफी के मैच खेलने हैं। इससे पहले फखर जमान ने मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी वाली एमआई एमिरेट्स के खिलाफ पांच चौके और चार छक्के से 67 रन की पारी खेली। उनकी टीम डेजर्ट वाइपर्स ने 19.1 ओवरों में 161 रन बनाकर पांच विकेट से दमदार जीत हासिल कर ली थी। फखर टीम के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

चेस रैंकिंग:

ताजा रैंकिंग में गुकेश चौथे स्थान पर, सर्वोच्च रैंक वाले भारतीय बने

विज्क आन ज़ी (नीदरलैंड), एजेंसी। टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में अभी आठ दौर की बाजियां खेली जानी बाकी है। गुकेश दो जीत और तीन ड्रॉ के साथ हमवतन आर प्रज्ञानंद और उज़्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक से पीछे संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने अपने नाम पर नित नई उपलब्धियां दर्ज करने का क्रम जारी रखा है और वह गुरुवार को फिडे (विश्व शतरंज की सर्वोच्च संस्था) की ताजा रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचकर अर्जुन एरिगैसी की जगह भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ी बन गए। गुकेश ने अपनी समझबूझ और तकनीकी खेल का शानदार नमूना पेश करते हुए टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर अपने अंकों की संख्या 3.5 अंक तक पहुंचा दी। उन्होंने इस प्रतियोगिता में अपनी दूसरी जीत भी दर्ज की। हाल में भारत के सर्वोच्च खेल पुरस्कार ध्यान चंद खेल रत्न को प्राप्त करने वाले गुकेश के अब 2784 रेटिंग अंक हो गए हैं, जबकि पिछले कुछ समय से भारत के नंबर एक खिलाड़ी रहे एरिगैसी 2779.5 रेटिंग अंकों के साथ पांचवें स्थान पर खिसक गए हैं। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन 2832.5 अंकों के साथ निर्विवाद रूप से विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बने हुए हैं। उनके बाद अमेरिका के दो खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा (2802) और फैबियानो कारुआना (2798) का नंबर आता है।

एरिगैसी ने पिछले साल किया था ऐसा

गुकेश ने पिछले साल दिसंबर में सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन को हराकर विश्व खिताब जीता था। एरिगैसी पिछले साल सितंबर में भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ी बने थे। उन्होंने इसके बाद दिसंबर में अपनी सर्वोच्च रेटिंग 2801 हासिल की थी।

रंजी ट्राफी:

गुजरात के 21 साल के स्पिनर ने झटके 9 विकेट, विरोधी टीम को 111 रन पर समेटा

नईदिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2024-25 के इस सीजन में एलीट ग्रुप बी के लीग मैच में गुजरात का सामना उत्तराखंड के साथ है। इस मुकाबले में उत्तराखंड के कप्तान समर्थ आर ने टॉस जीता था और फिर बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया, लेकिन उनका ये फैसला उनकी टीम के हक में नहीं गया।

गुजरात के खिलाफ उत्तराखंड की टीम 111 रन पर आउट हो गई और इसमें सबसे बड़ा योगदान गुजरात के 21 साल के युवा स्पिनर आर्या देसाई का रहा जो पहली पारी में 10 विकेट लेने से चूक गए, लेकिन उन्होंने 9 विकेट हासिल किए और उत्तराखंड की टीम को पूरी तरह से बैकफुट पर ला दिया।

गुजरात के गेंदबाजी आर्या देसाई ने उत्तराखंड के खिलाफ कमाल की गेंदबाजी की और अपने स्पैल में उन्होंने 15 ओवर फेंके और इस दौरान 5 ओवर मेडन फेंका। वहीं इन ओवर्स में आर्या ने सिर्फ 39 रन दिए और 9 विकेट झटके। आर्या देसाई ने उत्तराखंड के शीर्ष 9 बल्लेबाजों को आउट किया। इस टीम का सिर्फ एक विकेट विशाल जायसवाल ने लिया। पहली पारी में आर्या देसाई का इकानॉमी रेट महज 2.40 का रहा।

आर्या देसाई ने अपनी गेंदबाजी के दौरान उत्तराखंड के तीन बल्लेबाजों को डक पर आउट किया जिसमें कप्तान समर्थ आर, युवराज चौधरी और अभय नेगी शामिल थे। इस टीम की तरफ से सबसे बड़ी पारी शाश्वत डांगवाल ने खेली और उन्होंने एक छक्का और 5 चौकों की मदद से नाबाद 35 रन की पारी खेली जबकि ओपनर बैटर अवनीश सुधा ने टीम के लिए 30 रन की पारी खेली। कुणाल चंदेला ने इस मैच की पहली पारी में टीम के लिए 12 रन का योगदान दिया।

माइकल क्लार्क को ऑस्ट्रेलिया के हॉल ऑफ फेम में किया गया शामिल

सिडनी, एजेंसी। माइकल क्लार्क को गुरुवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया, जिससे वह यह सम्मान पाने वाले 64वें क्रिकेटर बन गए। 43 वर्षीय पूर्व कप्तान का 12 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर शानदार रहा, इस दौरान उन्होंने 115 टेस्ट, 245 वनडे और 34 टी20 मैच खेले और 17,000 से अधिक रन बनाए।

कप्तान के रूप में क्लार्क ने 47 टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व किया, जिसमें 2013-14 में 5-0 की यादगार एशेज जीत भी शामिल है। उन्होंने संन्यास लेने से कुछ समय पहले 2015 में घरेलू मैदान पर टीम को ऐतिहासिक एकदिवसीय विश्व कप जीत दिलाई। क्लार्क की बल्लेबाजी में 28 टेस्ट शतक शामिल हैं, जो किसी आस्ट्रेलियाई द्वारा बनाया गया छठा सबसे बड़ा शतक है, जिसमें भारत के खिलाफ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में 329 रन की शानदार पारी, बेंगलुरू में 151 रन की पहली शतकीय पारी, केपटाउन में शानदार 151 रन तथा फिलिप ह्यूज की दुखद मौत के बाद एडिलेड में खेली गई 128 रन की पारी शामिल है। क्लार्क ने कहा, इतने सारे शानदार खिलाड़ियों, आदर्शों, रोल मॉडल के साथ बैठना और बचपन में उनसे प्रेरणा लेना मेरे लिए सम्मान की बात है। रिटायरमेंट आपके लिए बहुत कुछ करता है। आजकल क्रिकेट देखने के दौरान आप कुछ हिस्सों को मिस करते हैं।

जब आप उच्चतम स्तर पर खेलते हैं, तो लोग आपके अंतरराष्ट्रीय करियर के बारे में बात करते हैं, लेकिन मेरे लिए यह छह साल की उम्र में शुरू हुआ। मैंने 34 साल की उम्र में रिटायरमेंट ले लिया था, इसलिए यह मेरी जिंदगी थी। यह अभी भी मेरी जिंदगी का हिस्सा है। क्रिकेट शायद सामान्य जीवन के समान ही है। आप मैदान पर उतरते हैं और 100 रन बनाते हैं और फिर बल्ला उठाते हैं।

फिर आप फील्डिंग के लिए जाते हैं, स्लिप में फील्डिंग करते हैं और खेल की दूसरी गेंद पर कैच छोड़ देते हैं।

हॉल ऑफ फेम के चेयरमैन पीटर किंग ने इस अवसर पर कहा, माइकल का असाधारण प्रथम श्रेणी खेल करियर मात्र 17 वर्ष की उम्र में एससीजी में शुरू हुआ, यही वह स्थान है, जहां उन्होंने कई उपलब्धियां हासिल की। जिसमें 2012 में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में लगाया गया तिहरा शतक भी शामिल है।माइकल के करियर को ऑस्ट्रेलियाई जनता हमेशा याद रखेगी और उनका स्थान शीर्ष खिलाड़ियों में शुमार रहेगा।

अंडर 19 विश्व कप - आयरलैंड की पाकिस्तान पर सनसनीखेज जीत

कुआलालंपुर, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश, इंग्लैंड और आयरलैंड ने 2025 आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप में जीत दर्ज करके यादगार दिन मनाया। हालांकि, सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि आयरलैंड ने बारिश की देरी को पार करते हुए बारिश से प्रभावित मुकाबले में पाकिस्तान को 13 रनों से हराया और सुपर सिक्स चरण के लिए क्वालीफाई किया। आयरलैंड ने नौ ओवर के खेल में 69/5 रन बनाए और पाकिस्तान को 59/7 के जवाब पर रोक दिया, जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि वे ग्रुप बी से आगे बढ़ गए और पाकिस्तान को 13वें स्थान के प्ले-ऑफ में पहुंचा दिया।

जोहोर क्रिकेट अकादमी ओवल में, एलिस वाल्श ने आयरलैंड के लिए 31 रन की पारी में चार चौके लगाकर शानदार बल्लेबाजी की, जबकि एली मैक्गी ने 13 रन देकर 2 विकेट लिए। जवाब में, पाकिस्तान दो ओवर में 24/0 के स्कोर पर ड्राइवर की सीट पर था, लेकिन घबराहट तब शुरू हुई जब उनके शीर्ष चार बल्लेबाजों में से तीन रन आउट हो गए जबकि अन्य चार बल्लेबाजों के स्टंप उखड़ गए।

सारावाक में, दक्षिण अफ्रीका ने बारिश की देरी को दरकिनार करते हुए ग्रुप सी में तीन में से तीन जीत दर्ज की, जिसमें नाइजीरिया पर 41 रन की जीत दर्ज की, जिसने पहली बार सुपर सिक्स चरण के लिए भी क्वालीफाई किया। सिमोन लौरेंस ने 25 रन बनाए और कराबो मेसो के आखिरी ओवर में दो चौके लगाकर उन्हें आठ ओवर में 49/2 रन बनाने में मदद की। जवाब में, लेग स्पिनर सेशनी नायडू ने दोहरे विकेट के साथ शानदार प्रदर्शन किया, जिससे नाइजीरिया 23/8 पर सिमट गया। प्रोटियाज की तरह, ऑस्ट्रेलिया ने टूर्नामेंट में अपना शानदार रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए कुआलालंपुर में नेपाल को 83 रनों से हराया। नेपाल इस टूर्नामेंट में पावरप्ले गेंदबाजी में सबसे आगे रहा है .

अभिषेक शर्मा ने लक्ष्य का पीछा करते लगाए सबसे अधिक छक्के

रोहित-विराट-सूर्यकुमार सहित सभी पीछे

कोलकाता, एजेंसी। अभिषेक शर्मा ने बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20आई में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 20 गेंदों में अर्धशतक जड़ा और टी20आई में लक्ष्य का पीछा करते हुए किसी भारतीय द्वारा सबसे अधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए इस मैच में भारत के स्पिनरों ने पहली पारी में दबदबा बनाया और इंग्लैंड को सिर्फ 132 रनों पर ढेर कर दिया।

वरुण चक्रवर्ती (3/23) और अक्षर पटेल (2/22) ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा जिसमें केवल इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ही उनका प्रतिरोध कर पाए। चक्रवर्ती की गेंद पर आउट होने से पहले बटलर ने 44 गेंदों में 68 रनों की पारी खेली।

मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने सिर्फ 12.5 ओवर में 7 विकेट रहते जीत हासिल कर ली। इस आक्रमण का नेतृत्व अभिषेक शर्मा ने किया जिन्होंने सिर्फ 34 गेंदों पर 79 रन बनाए। उनकी धमाकेदार पारी में 8 छक्के शामिल थे, जिसने टी20आई में लक्ष्य का पीछा करते हुए किसी भारतीय द्वारा लगाए गए सर्वाधिक छक्कों का नया रिकॉर्ड बनाया।

संजू सैमसन (20 में से 26) और तिलक वर्मा (16 में से 19) ने बहुमूल्य समर्थन प्रदान किया क्योंकि भारत ने आराम से लक्ष्य हासिल कर लिया। अभिषेक के छक्के मारने की होड़ में आदिल राशिद के खिलाफ तीन, मार्क वुड के खिलाफ दो और जोफ्रा आर्चर, जेमी ओवरटन और गस एटकिंसन के खिलाफ एक-एक छक्का शामिल था।

उनके आठ छक्कों की संख्या ने टी20आई में लक्ष्य का पीछा करते हुए छह छक्कों के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया जो संयुक्त रूप से रोहित शर्मा (दो बार हासिल किया), सूर्यकुमार यादव, विराट कोहली, तिलक वर्मा, यशस्वी जायसवाल और अक्षर पटेल के नाम है। पूर्ण सदस्य देशों के खिलाड़ियों में दक्षिण अफ्रीका के रिचर्ड लेवी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 13 छक्के लगाकर यह रिकॉर्ड बनाया है।

टी20आई प्रारूप में भारतीय बाएं हाथ के बल्लेबाजों द्वारा इंग्लिश गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाना एक प्रेम प्रसंग रहा है, जो 2007 के टी20 विश्व कप में युवराज सिंह के कारनामों से प्रसिद्ध हुआ।

रोहित की रणजी ट्रॉफी वापसी 3 रन पर समाप्त

मुंबई, एजेंसी। रोहित शर्मा की रणजी ट्रॉफी में बहुप्रतीक्षित वापसी अल्पकालिक रही, गुरुवार को शरद पवार अकादमी में जम्मू और कश्मीर के खिलाफ मुंबई के ग्रुप ए के मुकाबले में उन्होंने सिर्फ 19 गेंदों पर तीन रन बनाए। अपने खराब फॉर्म के कारण जांच के घेरे में आए भारतीय टेस्ट और वनडे कप्तान पिछले हफ्ते चैंपियंस ट्रॉफी टीम की घोषणा के दौरान अपनी भागीदारी की पुष्टि करने के बाद सुर्खियों में थे।

मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे के पहले बल्लेबाजी करने के फैसले के बाद यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करने वाले रोहित मैच से पहले शांत स्वभाव के बावजूद केंद्रित दिखे। हालांकि, उनका खेल संक्षिप्त रहा। जम्मू और कश्मीर के उमर नजीर मीर ने अनुशासित लाइन और सूक्ष्म मूवमेंट के साथ लगातार मेडन से रोहित को परेशान किया।

नये संकल्पों एवं नये प्रयोगों से समृद्ध होता गणतंत्र

-ललित गर्ग-

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन 26 जनवरी, 1950 को हमारी संसद ने भारतीय संविधान को पास किया। इस दिन भारत एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य बना। इसने ब्रिटिश शासन के भारत सरकार अधिनियम 1935 को पूरी तरह खत्म कर दिया और अपना स्वतंत्र संविधान इसी दिन लागू किया। इस वर्ष 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। इस वर्ष की थीम ह्यस्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासतह्ल है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दशार्ती है। किसानों, शिक्षकों, न्यायविदों, मजदूरों, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, व्यापारियों और इंजीनियरों की विविध भूमिकाओं की सामूहिक शक्ति हमारे देश को ह्यजय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधानह्ल की भावना के अनुरूप आगे बढ़ने में सक्षम बना रही है। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के साथ-साथ पूरे भारत से कई ऐसे लोगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है जिन्होंने अपने गांव, समाज एवं राष्ट्रमें विकास के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया है, इस तरह इस बार गणतंत्र दिवस समारोह ऐसे अनेक नये प्रयोगों एवं प्रदर्शनों का साक्षी बन रहा है।

भारतीय संविधान दुनिया का सबसे विशिष्ट संविधान माना जाता है। भारत की संविधान सभा ने दुनिया के सभी संविधानों का अध्ययन किया और हर संविधान के विशिष्ट प्रावधानों को अपने संविधान में शामिल किया। नागरिक स्वतंत्रता के जितने अधिकार भारतीय संविधान में हैं उतने दुनिया के किसी अन्य संविधान में नहीं। भारतीय संविधान की दूसरी विशेषता संविधान की विशालता एवं समग्रता है। भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता का प्रावधान तो है लेकिन इसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपने धमार्नुसार आचरण करने की पूरी स्वतंत्रता है। इसमें नागरिकों के अधिकार और कर्तव्य की स्पष्ट विवेचना है। इसमें संघात्मकता भी है और एकात्मकता भी है। भारतीय संविधान में सत्ता चयन के लिये संसदीय प्रणाली को सुनिश्चित किया है तथा संचालन के लिये विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जैसे तीन अंग सुनिश्चित किये। भारतीय संविधान में केंद्र और राज्य सरकार के बीच विषयों और कार्यों का स्पष्ट विभाजन है। केन्द्र सरकार को कुछ आपात अधिकार भी दिये गये हैं जिससे वह केन्द्र राज्य में हस्तक्षेप कर सकता है। इतने अनूठे, विलक्षण एवं समग्र संविधान के बावजूद छिहत्तर वर्षों में हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फँसा रहा। लेकिन अब इन राष्ट्रीय पर्वों को मनाते हुए संप्रभुता का अहसास होने लगा है। गणतंत्र का जब हम जश्न मनाते हैं, तो उसमें कुछ कर गुजरने की तमन्ना भी जागती है तो अब तक कुछ न कर पाने की बेचैनी भी दिखती है। हमारी जागती आंखो से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास मुखर होता है तो जीवन मूल्यों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने की तीव्र तैयारी सामने आती है। अब होने लगा है हमारी स्व-चेतना, राष्ट्रीयता एवं स्व-पहचान का अहसास। जिसमें आकार लेते वैयक्तिक, सामुदायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक अर्थ की सुनहरी छटाएं हैं।

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हमारी उन सफलताओं की ओर इशारा करता है जो इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी-तोड़ प्रयासों के फलस्वरूप मिलने लगी हैं। यह हमारी विफलताओं पर भी रोशनी डालता है कि हम नाकाम रहे तो आखिर क्यों! क्यों हम राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सुदृढ़ता नहीं दे पाये हैं? क्यों गणतंत्र के सूरज को राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के बादलों ने घेरे रखा है? यह सही है और इसके लिए सर्वप्रथम जिस इच्छा-शक्ति की आवश्यकता है, वह हमारी शासन-व्यवस्था एवं शासन नायकों में सर्वात्मना नजर आनी चाहिए और ऐसा होने लगा है तो यह सुखद अहसास है। बावजूद अभी भी देश की राजनीति अनेक विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से घिरी है। यह विडंबना है कि आजादी की हीरक जयंती मना चुके देश में मतदाता को हम इतना जागरूक नहीं बना पाए कि वो अपने विवेक से मतदान कर सके। निस्संदेह, यदि देश में गरीबी और आर्थिक असमानता है तो हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है। लेकिन हम में कम से कम इतना राष्ट्र प्रेम तो होना चाहिए कि निहित स्वार्थों के लिये हम राष्ट्रीय हितों की बलि न चढ़ाएं। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त-मुफ्त का जो खेल विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान चल रहा है, तीनों प्रमुख रजनीतिक दल नित नये राजनीतिक प्रलोभन देकर मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास में जुटे हैं।

एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरू करे। अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी। उनके तीसरे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही है, कुछ समय पूर्व हमने मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के मन्दिर के शिलान्यास का दृश्य देखा। काशी में विश्वनाथ धाम का जो विकास हुआ है, उसे देखा। इनदिनों प्रयागराज में महाकुंभ का दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक अनुष्ठान होते हुए हम देख रहे हैं। मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशा-दिशा बदल सकती है। कैसे देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर किया जा सकता है। कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पडौसी देशों को चेता सकती है, कैसे दुनिया की महाशक्तियों के बीच भी अडिग खड़ी रह सकती है? कैसे स्व-संस्कृति एवं मूल्यों को बल दिया जा सकता है।

गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए भारत में धर्मस्थलों और तीर्थों के विकास की किसी भी पहल की भी प्रशंसा होनी ही चाहिए। महाकुंभ की एक चमत्कारपूर्ण एवं विलक्षण आभा सामने आयी है, जो हमे गर्वित कर रही है।

भारत के गणतंत्र में और भी चार-चांद लग रहे हैं, जैसे प्रयागराज हो, काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य- ये अजूबे एवं चौंकाने वाले लगते हैं। इन परिदृश्यों को केवल चुनावी नफा-नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक सशक्त होते राष्ट्र के नजरिये से देखा जाना चाहिए। सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीनभावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। यह स्थिति इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए विशेष रूप से गौरवान्वित करेंगी। वाकई यहां अब कोई संदेह शेष नहीं है कि मोदी सरकार देश व समाज को बदल रही है, लोगों का जीवनस्तर उन्नत कर रही है।

धार्मिक स्थलों को भव्य रूप ही नहीं दिया जा रहा है बल्कि उनसे देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाया जा रहा है। इतना ही नहीं, सीमाओं की सुरक्षा भी बेखूबी हो रही है, समुंदर में हजारों किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर भी बिछाया जा रहा है, हर जिले में मेडिकल कॉलेज भी बनाये जा रहे हैं, उन्नत सड़कों का जाल बिछ रहा है, गरीबों को पक्के मकान भी बनाकर दिये जा रहे हैं, रोजगार, पर्यावरण-सुरक्षा, चिकित्सा, शिक्षा की अनूठी व्यवस्थाएं भी हो रही है। मतलब वर्तमान शासन-नायकों को विरासत और विकास की समन्वित चिंता है। हिंदुत्व की चिंता है, तो विकास की भी पूरी फिक्र है। अब सुधार, सुशासन, स्व-संस्कृति, स्व-पहचान के दीपक जल उठे हैं, तो उसकी रोशनी तमाम देशवासियों को नया विश्वास, नया आश्वास, नया विकास एवं सुखद जीवनशैली दे रही है।

भारत के संवैधानिक एवं संप्रभुता सम्पन्न राष्ट्र बनने की 76वीं वर्षगांठ मनाते हुए हम अब वास्तविक भारतीयता का स्वाद चखने लगे हैं, आतंकवाद, नक्सलवाद, जातिवाद, क्षेत्रीयवाद, अलगाववाद की कालिमा धूल रही है, धर्म, भाषा, वर्ग, वर्ण और दलीय स्वार्थों के राजनीतिक विवादों पर भी नियंत्रण हो रहा है। इन नवनिर्माण के पदचिन्हों को स्थापित करते हुए हम प्रधानमंत्री के मुख से नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत को आकार लेने के संकल्पों की बात सुनते हैं। गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाते हुए यही कामना है कि पुरुषार्थ के हाथों भाग्य बदलने का गहरा आत्मविश्वास सुरक्षा पाये। एक के लिए सब, सबके लिए एक की विकास गंगा प्रवहमान हो।

.....कितना सफल हो पाया है देश का गणतंत्र!

-डा. श्रीगोपाल नारसन-

हमारा संविधान भले ही जाति धर्म के आधार पर कोई भेदभाव न करता हो, लेकिन राजनीति से जुड़े लोग सत्ता की चाबी हाथ लगते ही चाबी अपने पास बनाये रखने के लिए भारतीय संविधान को उसकी मूल भावना से परे जाकर संविधान को अपने अपने स्वार्थ से परिभाषित करने का प्रयास करते है।तभी तो अभी तक एक सौ से अधिक बार भारतीय संविधान को संशोधनों का सामना करना पड़ा है।भारतीय संविधान की वर्षगांठ पर यह चिंतन करना आवश्यक है कि दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र में क्या सही मायनों में स्वस्थ लोकतंत्र बचा हुआ है।क्या यह सच नही है कि

गण का तंत्र होने पर भी गण ही अपने अधिकार से वंचित होकर रह गए है। भारतीय संविधान मिलने के बाद आमजन को लगा था कि अब उनका शासन उनके द्वारा ही किया जाएगा। लेकिन चन्द पूंजीपतियो की जेब का खिलौना बने राजनीतिक दलों ने आमजन को दरकिनार कर पूंजीपतियों के सहारे देश में

कुर्सी प्राप्त करने की ऐसी चाल चली कि लोकतन्त्र बेचारा धराशाही होकर रह गया। विधायको और सांसदो की सत्ता के लिए होती कथित खरीद फरोख्त ने तो देश के लोकतन्त्र को कमजोर करके रख दिया है।

भारतीय गणतन्त्र को यूं धराशाही करने की कोशिश की जाएगी यह संविधान निर्माण के समय किसी ने सोचा तक नही था। इस लोकतन्त्र में क्या वास्तव में आमजनता को उनका अपना वास्तविक तन्त्र मिल पाया है?भारतीय संविधान की मूल भावना जनता पर जनता के द्वारा शासन का सपना क्या वास्तव में चरितार्थ हो पाया है? सन 1950 में भारतीय संविधान भले ही देश में लागू हो गया हो। भले ही देश के प्रत्येक नागरिक को भारतीय संविधान में समानता का अधिकार देने की व्यवस्था की गई हो, लेकिन

गणतन्त्र लागू होने के इतने वर्षों बाद भी देश मे नाम मात्र के लोगो का ही गणतन्त्र बन पाया है। देश मे राज वे लोग ही कर रहे

है, जो धन बल से परिपूर्ण है। बेचारी आम जनता तो आजादी के बाद से आज तक इन धन बल वालो की ही मोहताज बनी हुई है। यही कारण है कि आम लोग जब असहनीय रूप से शोषित और पीड़ित हो जाते है तो वे अपने अधिकारों के लिए सडकों पर आकर आंदोलन करने को मजबूर होते है।जिन्हें फिर लाठी डंडे से दबाने की कोशिश की जाती है। लेकिन यह तय है कि अब आम आदमी अपने विरूद्ध होने वाले हर अन्याय का

प्रतिवाद करने को तैयार हो गया है। ग्राम पंचायत से लेकर राष्ट्रपति पद तक

के चुनाव में कोई भी आम आदमी चुनाव लडने का साहस

नही जुटा पा रहा है। ग्राम स्तर पर गांव के धनाढय वर्ग से

जुडे लोग चुनाव लडते है तो क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, विधान सभा, लोक सभा चुनाव मे भी आम जनता मे से कोई चुनाव

लडने का साहस नही जुटा पाता है।। क्योकि लाखो करोड़ो रुपयों के बिना अब कोई भी चुनाव लडना सभंव नही रह गया है। राज्य सभा और विधानपरिषद

तो राजनीतिक दलो की अपनी बपोती बन गई है। शायद ही किसी गरीब और आम आदमी को इन सदनो मे से किसी का सदस्य बनाया गया हो, बडी

राजनितिक पार्टिया अपने चेहतो को राज्य सभा और विधान परिषदो मे भेजकर लंबे समय उपकृत करती रही है। इन सीटो पर वे अपने चेहतो को

भेजने के लिए संख्या बल के हिसाब से सीटो का आपसी बटवारा कर लेते है।

जिससे आम जनता हर बार ठगी सी रह जाती है। इसी कारण इन सदनो मे चुनकर जाने वाले नेता अपने क्षेत्र के प्रति जवाबदेह भी नही रहते, यहाँ तक कि उनकी सांसद निधि और विधायकनिधि या तो खर्च ही नही हो पाती या फिर उसका जमकर दुरूपयोग किया जाता है।जो राष्ट्रहित में नही है।

आराध्या की परवरिश को लेकर बोले अभिषेक बच्चन

बेटी की परवरिश और अपने निजी जीवन को लेकर अभिषेक बच्चन ने बात की है। उन्होंने कहा कि माता पिता हमेशा सबसे अच्छे शिक्षक हों जरूरी नहीं है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिषेक बच्चन ने पैरेंटिंग को लेकर अपना दृष्टिकोण पर विचार साझा किया। साथ ही उन्होंने युवा पीढ़ी की बदलती मानसिकता पर भी अपने विचार बताए। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि माता-पिता सबसे अच्छे शिक्षक हैं या नहीं। मैं इस पर कुछ नहीं कह सकता हूं। मुझे लगता है कि हमारी भावनाएं आड़े आती हैं। हमारे बच्चों की यह इच्छा कि वे सब कुछ सही करें और सफल हों और खुद को चोट न पहुंचाएं ऐसा नहीं हो सकता। हम अपने बच्चों के लिए जो सोचते हैं, उससे उन्हें भी नुकसान पहुंच सकता है।

माता-पिता से सीख मिली

अभिषेक बच्चन ने कहा कि मैंने अपने माता-पिता से जो कुछ भी सीखा उसे समझा। वह उनके व्यवहार को देखकर है, जरूरी नहीं कि उन्होंने मुझे जो बताया है, उससे ही सीखा है।卐 अभिषेक बच्चन ने कहा कि मेरे माता पिता ने हमेशा मुझे अपने फैसले खुद लेने की स्वतंत्रता दी। मैं खुद ये सोचता हूं, कि अगर परिस्थिति में मेरे पापा होते तो क्या करते। उसी हिसाब से मैं भी चीजें करता हूं।

परवरिश के लेकर बोले अभिषेक

आराध्या की परवरिश को लेकर अभिषेक ने कहा, मुझे लगता है कि आज की जनरेशन वाकई बहुत अलग है। उन्हें किसी भी तरह की पहले से चली आ रही चीजों को जरूरी समझने की जरूरत नहीं है, जैसे हम करते आ रहे हैं। उन्हें लगता है कि वे ये काम बस इसलिए नहीं कर सकते कि उनके माता पिता ने ये काम नहीं किया या मना किया। वे हमेशा कुछ नया करने की कोशिश करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कि अगर माता पिता हैं, या कोई उम्र में बड़ा है तो जरूरी नहीं कि वह सही सलाह दे या हर बात का सही जवाब ही दें।

इस फिल्म में नजर आए अभिषेक बच्चन

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिषेक बच्चन को हाल ही में आई फिल्म आई वांट टू टॉक में देखा गया। हालांकि, यह फिल्म फैंस पर अपना कुछ खास जादू नहीं चला सकी थी। आई वांट टू टॉक अब ओटीटी पर भी रिलीज हो चुकी है। इसकी घोषणा खुद सुजीत सरकार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर की।

फिल्म धूम धाम में प्रतीक गांधी के साथ नजर आने वाली हैं यामी गौतम

प्यार, हंसी और शादी की रस्मों से सजी फिल्म धूम धाम ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में यामी गौतम प्रतीक गांधी के साथ नजर आने वाली हैं। फिल्म का निर्देशन ऋषभ सेठ ने किया है। फिल्म का प्रोडक्शन आदित्य धर और लोकेश धर ने किया है। फिल्म 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन डे पर रिलीज होने वाली है।

ऐसी है फिल्म की कहानी

यामी गौतम और प्रतीक गांधी की जोड़ी को फिल्म में देखा जाने वाला है। ये कहानी है कोयल और वीर की। वीर एक मम्मा बॉय है जो कि एक एनिमल डॉक्टर भी है। वहीं, यामी गौतम के किरदार कोयल चुलबुली सी लड़की है। फिल्म का टीजर आज नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ है। इसमें कोयल और वीर की लव स्टोरी में ड्रामा और कॉमेडी की मिली जुली झलक दिखाई दे रही है। फिल्म को लेकर आदित्य धर ने कहा कि वह कुछ अलग और मनोरंजक बनाना चाहते थे। जहां हंसी, एक्शन और रोमांस शामिल हो। फिल्म में फैंस को यामी और प्रतीक की जोड़ी देखने को मिलने वाली है।

इस ओटीटी पर रिलीज होगी फिल्म

यामी गौतम और प्रतीक गांधी की फिल्म धूम धाम ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। ओरिजन फिल्म की निर्देशक रुचिका कपूर शेख ने कहा, धूम धाम एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जो शादी के दिन कुछ अलग सी ही चीजें लेकर आता है। इस फिल्म के जरिए हम अपने दर्शकों का मनोरंजन कर सकेंगे।

बॉलीवुड में करियर बनाना चाहते हैं यशवर्धन

बॉलीवुड स्टार किड्स का फिल्मों में आना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन ने फिल्म आजाद के जरिए अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन फिल्म में राशा का डांस और अभिनय प्रशंसकों को बेहद पसंद आया। वहीं अब गोविंदा के बेटे यशवर्धन भी बॉलीवुड फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं।

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा और बाबिल एक फिल्म में साथ काम सकते हैं। कथित तौर पर यशवर्धन आहूजा, साई राजेश द्वारा निर्देशित आगामी अनाम रोमांटिक ड्रामा में नजर आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में एक और स्टार किड भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आ सकता है। दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान हैं।

पिता के नक्शेकदम पर यशवर्धन

दरअसल, कथित तौर पर फिल्म निर्माता अपनी रोमांटिक फिल्म के लिए नए चेहरा चाहते हैं, जिसके चलते बाबिल खान और यशवर्धन आहूजा को कास्ट करने की योजना बनाई जा रही है। अल्लू अरविंद और एसकेएन फिल्म्स के सहयोग से मधु मंटेना द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन साई राजेश करेंगे, जो कलर फोटो, हृदय कलेयम और बेबी जैसी बेहतरीन तमिल फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं।

धूम 4 की स्टार कास्ट फाइनल? अभिषेक बच्चन को विक्की कौशल ने किया रिप्लेस

बॉलीवुड की एक्शन ड्रामा फिल्म धूम 4 को लेकर अटकलें लगाई जा रही है कि इस फिल्म में नई स्टार कास्ट को फाइल कर लिया है। अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा के रोल में कथित तौर पर इस बार बॉलीवुड के ये स्टार्स नजर आएंगे। धूम 4 में विक्की कौशल इस फ्रैंचाइजी में शामिल हो सकते हैं और अभिषेक की जगह ले सकते हैं। धूम 4 में रणबीर कपूर मुख्य खलनायक की भूमिका में होंगे। हालांकि जूनियर बच्चन की जगह कोई और ले सकता है, लेकिन उदय चोपड़ा की जगह कौन ले सकता है? मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्की कौशल ने वाईआरएफ के प्रमुख आदित्य चोपड़ा से मुलाकात की, जिन्होंने अभिनेता को दो प्रोजेक्ट्स में कास्ट करने के लिए कहा है, जिनमें से एक धूम 4 है। विक्की को अभिषेक बच्चन (एसीपी जय दीक्षित) की पुलिस वाले की भूमिका मिलेगी। धूम 4 के अलावा, विक्की को आलिया भट्ट की अल्फा में भी देखा जा सकता है। बहरहाल, अभी तक इसे लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

हॉलीवुड की प्रमुख अभिनेत्रियों के बराबर हैं बॉलीवुड की सबसे स्टाइलिश अदाकारा मौनी रॉय

मौनी रॉय को भारत की सबसे स्टाइलिश स्टार्स में से एक के रूप में तेज़ी से उभरना सरप्राइज से कम नहीं है। प्रेस इवेंट में चमकदार उपस्थिति से लेकर लंदन फैशन वीक में धूम मचाने और यहां तक कि इबीसा में आकर्षक हॉलिडे लुक पेश करने तक, मौनी की फैशन यात्रा ग्लोबल ट्रेंड और व्यक्तिगत आकर्षण का एक बेहतरीन मिश्रण दर्शाती है। जो चीज़ उन्हें अपने कई समकालीनों से अलग करती है, वह अपने विशिष्ट, फैशन-फ़ॉरवर्ड सौंदर्य के प्रति सच्चे रहते हुए सहजता से हॉलीवुड-स्तर के ग्लैमर को प्रसारित करने की उनकी क्षमता है। चाहे वह बोल्ड मोनोक्रोम सूट, रॉकिंग स्ट्रक्चर्ड कॉउचर गाउन, या जीवंत वेकेशन वियर को अपनाना हो, मौनी की पोशाक पसंद हमेशा सही केंद्र पर होती है। विस्तार पर उनकी पैनी नज़र, त्रुटिहीन एक्सेसरीज़ का चयन, और क्या काम करता है इसकी सहज समझ उन्हें हर जगह महिलाओं के लिए स्टाइल प्रेरणा बनाती है।

सहज फैशन – मौनी रॉय की फैशन पसंद सोफेस्टिकेशन, टाइमलेस और कॉन्टेंप्रोरी स्वभाव के बीच एक आदर्श संतुलन दर्शाती है। चाहे वह रेड कार्पेट इवेंट हो या इबीसा में छुट्टी पर एक आकस्मिक दिन, उनका लुक शानदार, ठाठदार और हमेशा अंतरराष्ट्रीय रुझानों के साथ तालमेल में होता है, जो उन्हें अपने साथियों के बीच अलग बनाता है।

हॉलीवुड आइकॉन के बराबर रेड कार्पेट ग्लैमर – कान्स के ग्लैमर को उजागर करने वाले शानदार गाउन से लेकर हॉलीवुड के सर्वश्रेष्ठ संरचित एलबीडी तक, मौनी की रेड कार्पेट उपस्थिति अनुग्रह और शिष्टता में एक मास्टरक्लास होते है। वह सुनिश्चित करती हैं कि उनका लुक विश्व स्तर पर प्रासंगिक और इंस्टाग्राम-योग्य हो।

रुझानों के प्रति एक साहसी दृष्टिकोण – हॉलीवुड के ट्रेंडसेटरों की तरह, मौनी प्रेस मीट, मूवी स्क्रीनिंग और डेट नाइट्स में फैशन-फ़ॉरवर्ड शैलियों के साथ प्रयोग करने में निडर हैं। उन्होंने विविध सौंदर्यशास्त्र को अपनाने में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए, बोल्ड मोनोक्रोमैटिक पावर सूट से लेकर अलौकिक लहंगे तक सब कुछ सफलतापूर्वक किया है।

बेदाग स्टाइल और बारीकियों पर ध्यान – मौनी अपने लुक को सटीकता के साथ तैयार करती हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर चीज़-बाल और मेकअप से लेकर पोशाक समन्वय तक – सहजता से फिट बैठता है और एक कहानी कहता है। विस्तार पर उनका बहुत ध्यान और उच्च गुणवत्ता वाली टेलरिंग के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें हॉलीवुड के अभिजात वर्ग की तुलना में एक शानदार बढ़त देती है।

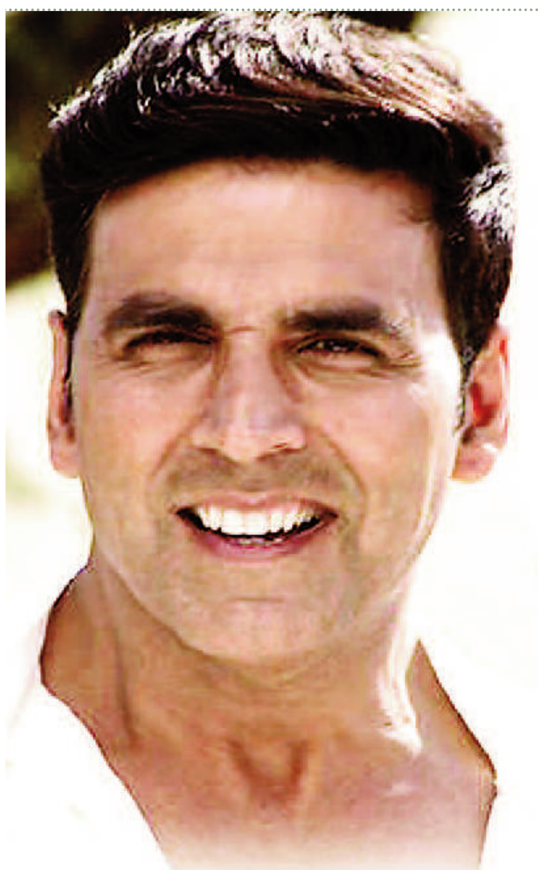

साउथ फिल्म कन्नप्पा में महादेव के किरदार में नजर आएंगे अक्षय कुमार

साउथ फिल्म कन्नप्पा का एलान पिछले साल हुआ था। फिल्म से लगातार हर एक अभिनेता का लुक सामने आ चुका है। विष्णु मांचू से लेकर माता पार्वती के किरदार में काजल अग्रवाल का लुक भी सामने आ चुका है। वहीं आज कुछ ही देर पहले अक्षय कुमार का महादेव के रुद्र अवतार में लुक जारी किया गया है। इस लुक के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। इन दिनों अक्षय कुमार अपनी आगामी फिल्म स्काई फोर्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच आज फिल्म निर्माताओं ने साउथ फिल्म कन्नप्पा से अक्षय कुमार के लुक का एक पोस्टर जारी किया है, जिससे साफ हो गया है कि अक्षय कुमार फिल्म में महादेव की भूमिका में नजर आएंगे।

कन्नप्पा मूवी से अक्षय कुमार का फुल लुक सामने आ चुका है। वह कन्नप्पा में महादेव की भूमिका में नजर आएंगे। पोस्टर में खिलाड़ी कुमार एक हाथ में त्रिशूल और एक हाथ में डमरू लिए हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही उनके माथे पर भस्म लगी हुई है। भगवान शिव के अवतार में उन्हें एक बार फिर से देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं। इस फिल्म से पहले अक्षय फिल्म ओ माय गॉड में भगवान शिव की भूमिका निभा चुके हैं। अक्षय कुमार ने कन्नप्पा से अपना लुक शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, कन्नप्पा के लिए महादेव की पवित्र आभा में कदम रखते हुए। इस महाकाव्य कथा को जीवंत करने का गौरव प्राप्त हुआ है। भगवान शिव इस दिव्य सफर में हमारा मार्गदर्शन करें। ओम नमः शिवाय।

मोहन बाबू निर्मित कन्नप्पा में लीड रोल में विष्णु मांचू निभा रहे हैं। भगवान शिव पर आधारित पौराणिक फिल्म में प्रभास, अक्षय कुमार, मोहनलाल, सरथकुमार, मधु, मोहन बाबू, काजल अग्रवाल और ब्रह्मनंदन जैसे सितारे अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दलपति 69 के बाद एक और फिल्म करेंगे विजय? आधिकारिक घोषणा का इंतजार

दलपति विजय इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दलपति 69 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। हालांकि, पहले यह जानकारी सामने आई थी कि इस फिल्म को पूरी करने के बाद वह फिल्मों से संन्यास ले लेंगे, लेकिन अब जानकारी के अनुसार दलपति 70 भी आ सकती है, जिसने प्रशंसकों की उत्सुक्ता को और अधिक बढ़ा दिया है।

विजय की अगली फिल्म का नाम दलपति 70 हो सकता है?

कथित तौर पर पिछले साल विजय ने अपने प्रशंसकों से कहा था कि दलपति69 के सिनेमाघरों में आने के बाद वह फिल्में छोड़ देंगे और सक्रिय राजनीति में अधिक समय बिताएंगे। लेकिन अब मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दलपति 69 के बाद दलपति70 में भी नजर आ सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो यह विजय के प्रशंसकों के लिए बहुत बड़ी सौगात होगी। पिछले कुछ दिनों से, अटकलें लगाई जा रही हैं कि विजय अपनी 70वीं फिल्म में अभिनय करने पर विचार कर रहे हैं। जाहिर है, अभिनेता ने अपने द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम निर्देशक वेंकट प्रभु से अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए स्क्रिप्ट लिखने के लिए कहा है। तमिल प्रोडक्शन हाउस 7 स्क्रीन स्टूडियो, जिसने विजय की मास्टर और लियो को बनाया था, दलपति 70 को बनाएगा। कहने की जरूरत नहीं है कि विजय के प्रशंसक चल रही चर्चा से बहुत खुश हैं, और वे इस आगामी परियोजना के बारे में आधिकारिक घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009